शर्मा हार्डवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 126 | गुवाहाटी | शनिवार, 2 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पार्टी का निर्णय हर हाल में मंजूर : प्रद्युत बरदलै पेज 3

हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर भारत की पैनी नजर : नौसेना प्रमुख पेज 4

गौतम बुद्ध ने विश्व को दिया शांति का संदेश : राज्यपाल पेज 5

ट्रेंड-टीवी के माध्यम से मिलेंगे नवीनतम रूझान एवं परिणाम पेज 8

असम कैबिनेट का फैसला

भूपेन हजारिका की प्रतिमा सदिया में लगेगी

तिनसुकिया (हि.स.)। असम कैबिनेट में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगा दी है। सरकार डिगबोई में एक अत्याधुनिक इनडोर स्टेडियम और सदिया में भारत रत्न डॉ भूपेन हजारिका की प्रतिमा स्थापित करेगी। सरकार ने मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में पांच फीसदी सीटें गरीब छात्रों के लिए आरक्षित करने का भी निर्णय लिया है। शुक्रवार को तिनसुकिया में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में असम कैबिनेट की बैठक हुई। यह बैठक तिनसुकिया के कन्वेंशन सेंटर में हुई, जिसमें कई दूरगामी फैसले लिए गए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में गरीब छात्रों के लिए पांच फीसदी सीटें आरक्षित की जाएगी। ताज होटल काजीरंगा में स्थापित किया जाएगा। इसी तरह, गुवाहाटी में रेडिसन होटल स्थापित करने की योजना

मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेजों की पांच फीसदी सीटें गरीब छात्रों को

-शेष पृष्ठ दो पर

तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एक माह में : मुख्यमंत्री

तिनसुकिया (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि एक महीने के अंदर तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल चालू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें चिकित्सकों की नियुक्ति हो चुकी है। प्रारंभिक स्तर के कार्य किया जा रहे हैं, जिन्हें एक महीने के अंदर पूरा करके कम से कम ओपीडी विभाग चालू हो जाएगा। मुख्यमंत्री आज तिनसुकिया कन्वेंशन सेंटर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का गठबंधन 17 दलों को मिलकर बना है, जो 17 दिशा में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 17 पार्टियों के खींचतान में यह गठबंधन स्वयं ही फंसा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि सभी 17 पार्टियां मिलकर एक हो जाए और सब का एजेंडा और नेता एक हो जाए, तब चिंता की बात हो सकती है। लेकिन, विपक्ष में जो विखराव है, उसके कारण भाजपा के लिए चिंता की कोई गुंजाइश नहीं है। संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के कई अन्य प्रश्नों के सीधे-सीधे उत्तर दिए।

मणिपुर में नकाबपोश बदमाशों ने बैंक से लूटे 18.80 करोड़

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) शाखा पर गुरुवार शाम 10 नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोल दिया। बदमाश बंदूक की नोक पर तकरीबन 18.80 करोड़ रुपए लूटकर ले गए। उखरुल शहर के व्यूलैंड में स्थित पीएनबी शाखा करेंसी चेस्ट है। करेंसी चेस्ट में रिजर्व बैंक द्वारा जिले की अन्य बैंकों व एटीएम के लिए नकदी रखी जाती है। इंफाल से 80 किमी दूर स्थित बैंक शाखा में गुरुवार शाम तकरीबन साढ़े पांच बजे 10 नकाबपोश बदमाश घुस आए। इनके पास अत्याधुनिक हथियार थे। पुलिस अधीक्षक (एसपी) निंगशेम वाशुम ने बताया कि बदमाशों ने मुख्य प्रवेश द्वार के स्थान पर स्टाफ द्वारा प्रयोग किए जाने वाले दरवाजे से बैंक शाखा में प्रवेश किया। इसके बाद -शेष पृष्ठ दो पर

बेंगलुरु के 48 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

हैदराबाद। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के लगभग 48 स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। जिसके बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि, प्रशासन ने सभी स्कूलों को खाली करने का आदेश दे दिया गया है, लेकिन उन्हें संदेह है कि किसी ने जानबुझकर ऐसा मेल किया है। फिलहाल, सभी संभावनाओं को खारिज करने से पहले पूरी जांच की जा रही है। कई स्कूलों के पास बम स्क्वॉड टीम जांच में जुट गई है। 48 निजी स्कूलों को भेजे धमकी भरी ई-मेल में कहा गया कि इस्लाम कुबूल कर लो, वरना मरने के लिए तैयार रहो। हम पूरे भारत में अल्लाह के सच्चे धर्म का प्रसार करेंगे। तुम्हारे पास हमारा गुलाम बनने या अल्लाह के सच्चे धर्म को स्वीकारने का विकल्प है। हमारे विस्फोटों से मंदिरों और बुद्ध से लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम विस चुनाव की मतगणना सोमवार को

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मिजोरम में मतगणना को एक दिन के लिए टाल दिया है। आयोग ने इसको लेकर नई तारीख का एलान कर दिया है। राज्य में अब रविवार यानी तीन दिसंबर के बजाए सोमावार चार दिसंबर को मतगणना होगी। समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है। मालूम हो कि मिजोरम एनजीओ समन्वय समिति (एनजीओसीसी) के सदस्यों ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा चुनाव के लिए प्रस्तावित मतगणना की तारीख बदलने की मांग करते हुए शुक्रवार को राज्यभर में प्रदर्शन किया। एनजीओसीसी प्रभावशाली सेंट्रल यंग मिजो एसोसिएशन (सीवाईएमए) और मिजो जिरलाई पावल (एमजेडपी) समेत प्रमुख नागरिक सामाजिक संगठनों -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाञ्चल কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

नौकरी के बदले नकद मामले में 15 अधिकारी निलंबित

गुवाहाटी। असम सरकार ने असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) में *नौकरी के बदले नकद* घोटाले में कथित संलिप्तता को लेकर राज्य लोक सेवा और पुलिस सेवा के 15 अधिकारियों को निलंबित किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गुरुवार को जारी आदेशों के मुताबिक, निलंबित किए गए 15 अधिकारियों में से 11 असम पुलिस सेवा (एपीएस) तथा शेष असम लोक सेवा (एएससी) से हैं। सूत्रों ने बताया कि इनमें से दो एपीएस अधिकारियों को पिछले सप्ताह इस मामले को लेकर गिरफ्तार -शेष पृष्ठ दो पर

आयकर मामले में गांधी परिवार को एससी से राहत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) की याचिकाओं पर सुनवाई 13 दिसंबर तक के लिए टाल दी जिनमें उन्होंने उनके आयकर आकलनों को सेंट्रल सर्कल में स्थानांतरित करने को चुनौती दी है। *सेंट्रल सर्कल* पर कर वंचना की जांच का जिम्मा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें राहत देने से इनकार करने के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिकाओं पर अभी तक नोटिस जारी नहीं किया गया है। इस पीठ में न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी भी शामिल थे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामले में औपचारिक नोटिस जारी करना *आवश्यक नहीं* है, और जैसा कि अदालत द्वारा पहले संकेत दिया गया था कि आयकर विभाग कोई अंतिम आकलन आदेश नहीं पारित करेगा। संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट, राजीव गांधी फाउंडेशन, जवाहर भवन ट्रस्ट और यंग इंडियन ने भी ऐसी ही याचिकाएं दायर की हैं। मेहता ने कहा कि हम यहां अदालत के समक्ष हैं। हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। नोटिस जरूरी नहीं है। पीठ ने आयकर विभाग को सुनवाई की अगली तारीख 13 दिसंबर को संबंधित फाइल लाने को कहा। गांधी परिवार के सदस्यों, उनसे जुड़े ट्रस्ट और आप ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 26 मई के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें आयकर विभाग द्वारा उनके आयकर आकलन को सेंट्रल -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कॉप-28 : प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक प्लेटफॉर्म किया लॉन्च

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों की भागीदारी के माध्यम से कार्बन सिंक बनाने पर केंद्रित ग्रीन क्रेडिट पहल पर वैश्विक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह पोर्टल वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विचारों, अनुभवों और नवाचार को एक स्थान पर एकत्रित करने का काम करेगा। दुबई में कॉप-28 विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन के दौरान ग्रीन क्रेडिट पहल पर एक विशेष सत्र में कहा कि मैं विशेष कार्यक्रम में आप सभी का स्वागत करता हूं। मैं संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं संयुक्त अरब अमीरात के साथ इस कार्यक्रम की सह-मेजबानी करके खुश हूं। उन्होंने स्वीडन के प्रधानमंत्री का इस पहल से जुड़ने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कार्बन क्रेडिट का दायरा बहुत सीमित है और यह फिलॉसफी कॉमर्शियल एलिमेंट से प्रभावित है। मैंने कार्बन क्रेडिट की -शेष पृष्ठ दो पर

नक्सलियों ने उप सरपंच की हत्या की

कांकेर/रायपुर (हि.स.)। नक्सलियों ने कांकेर क्षेत्र में जमकर उत्पात मचाते हुए पुलिस मुखबिरी के आरोप में जन अदालत लगाकर उप सरपंच की हत्या कर दी। नक्सलियों ने बाकायदा पर्चा जारी कर हत्या की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों का 2 दिसंबर से पीएलजीए सप्ताह शुरू हो रहा है, इसके पहले ही उन्होंने गुरुवार को कांकेर जिला के छोटे बेठिया और बांदे थाना क्षेत्र में जमकर हंगामा किया। नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में कंदाड़ी गांव के उप सरपंच रामसू कचलामी की जन अदालत -शेष पृष्ठ दो पर

वामपंथी उग्रवाद से पूरी तरह मुक्त होगा : अमित शाह

हजारीबाग (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज वे झारखंड में हैं। कल ही उन्होंने देशभर में वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर जो लड़ाई चल रही है उसकी समीक्षा की। वे देश की जनता को बताना चाहते हैं वह दिन दूर नहीं जब देश वामपंथी उग्रवाद से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री शुक्रवार को हजारीबाग के मेरु स्थित सीमा सुरक्षा बल केंद्र में बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि आज वे विश्वास से कह रहे हैं कि विगत 10 वर्षों में भारत सरकार के प्रयास से हिंसा की घटना में कमी आई है। वामपंथी उग्रवाद सिमटता जा रहा है। हिंसा पर प्रहार करने के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी तीनों तैयार हैं। हम आने वाले दिनों में वामपंथी के उग्रवाद से देश को मुक्त करने के लिए कटिबद्ध हैं। ये बीएसएफ और अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मंजिलें मिले ना मिले ये तो मुद्दर की बात है, लेकिन अगर हम कोशिश भी नहीं करें, ये तो बिल्कुल गलत बात है।

– **अज्ञात**

न्यूज गैलरी

सुरंग से बाहर आए असम के दो श्रमिक अपने घर पहुंचे

गुवाहाटी। उत्तराखंड में सिल्कयारा सुरंग से बाहर लाए गए 41 श्रमिकों में शामिल असम के दो मजदूर शुक्रवार शाम यहां पहुंचे। असम सरकार के अधिकारी उनके साथ थे और दोनों श्रमिकों की स्वास्थ्य स्थिति अच्छी थी। राम प्रसाद नरजारी (40) और 35 वर्षीय संजय बासुमतारी कोकराझार के रामफलबिल गांव के रहने वाले हैं। वे निर्माणाधीन सुरंग में काम करने के लिए मई में उत्तराखंड गए थे। 12 -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव : पांच राज्यों के एग्जिट पोल पर नेताओं के अपने-अपने दावे

नई दिल्ली (हि.स.)। इस बार पांच विधानसभा चुनावों के बाद एक बार फिर से विभिन्न चैनलों द्वारा जारी एग्जिट पोल चर्चा का विषय बने हुए हैं। एग्जिट पोल के मुताबिक मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में कांग्रेस भाजपा के बीच सीधी तो मिजोरम और तेलंगाना में कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियों से टक्कर मिल रही है। चूंकि, विभिन्न एजेंसियों के एग्जिट पोल में सीटों का काफी अंतर दिख रहा है, इसलिए राजनीतिक दलों तथा जनसामान्य में भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को विभिन्न दलों के नेता इन एग्जिट पोल को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर अपने तरीके से प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। अमूमन, एग्जिट पोल का परिणाम एकदम सटीक नहीं होता है। यह जीत व हार दर्ज करने के काफी करीब होता है। फिलहाल यह रिपोर्ट आम जनता के साथ साथ राजनीतिक पार्टियों के सामने है लेकिन अधिकांश को यह एग्जिट पोल स्वीकार्य नहीं है। तेलंगाना के मंत्री केटी रामा राव कहते हैं कि सटीक पोल हमें अच्छी खबर देंगे। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रमुख अरुण साव कहते हैं कि एग्जिट पोल का सैंपल साइज सीमित है, यहां भाजपा सत्ता में आएगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कहते हैं कि राजस्थान के लोग कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने, महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ने और राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ने से नाराज थे। परिणामस्वरूप उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

बैग में पड़ी लाश हो गई जिंदा

रियो-डि-जेनेरियो। शरीर से एक बार आत्मा निकल जाए तो यह कुदरत का नियम है कि वह शरीर बेजान हो जाता है...जिसे हम मृत्यु भी कहते है, लेकिन क्या आपने कभी मुर्दे को भी जिंदा होते देखा है अगर नहीं तो यह खबर पढ़ आप हैरान रह जाएंगे। दरअसल, 90 साल की एक महिला मर कर भी जिंदा हो गई जिसे देख उनके परिजन ही नहीं ब्लकि डॉक्टर भी स्तब्ध है। बता दें कि ब्राजील के साओ जोसे रिजनल अस्पताल में कुछ ऐसा ही हुआ। यहां इलाज के दौरान 90 साल की नोर्मा सिलवेरिया डी सिलवा की 25 नवंबर को मौत हो गई लेकिन इसके बाद जब लाश को मुर्दाघर में बैग में बंद किया गया और एक कर्मचारी ने जैसे ही बैग दोबारा खोला उसे अहसास हुआ कि नोर्मा सांस ले रही है। वह फौरन शव को डॉक्टर के पास ले गया। यहां डॉक्टरों की निगरानी में नोर्मा दो दिन तक जीवित, लेकिन बेहोश रही बता दें कि 27 -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अज्ञात शव

गुवाहाटी। जीएमसीएच स्थित मुरदाघर में एक व्यक्ति का शव कल से पड़ा है, जिसका नाम-पता नहीं है। यह अज्ञात शव भांगागढ़ से प्राप्त हुआ है। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी हैं।

एनआईए ने विस्फोटक सामग्री मामले में चार्जशीट दायर की

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तेलंगना में द्रोण और विस्फोटक सामग्री आपूर्ति करने के मामले में प्रतिबंधित कम्यूनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (माओवादी) संगठन के आठ लोगों के खिलाफ शुक्रवार को चार्जशीट दायर कर दी है। चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपित पूनेम नागेश्वरर राय, देवानुरी माल्लिकानुर्जन राव, वेलुपुगला उमाशंकर का नाम शामिल है जिसने द्रोण और विस्फोटक सामग्री वे जानू कोट्टी, अरेपल्ली श्रीकांथ, तालापलली आरोग्यम और बोंथा महेंद्र को आपूर्ति किया था।

जातीय संघर्ष के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने वालों पर सीएम ने साधा निशाना

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शुक्रवार को उन लोगों पर तीखा हमला बोला जिन्होंने राज्य में जातीय संघर्ष के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया था। सिंह ने यहां पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले छह महीनों में, मैं खुद से पूछता रहा कि हमने क्या गलती की? क्या अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए अभियान शुरू करना एक गंभीर गलती थी...। सिंह ने सवाल किया कि क्या युवाओं को बचाने के लिए नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान शुरू करना गलती थी। क्या बड़े पैमाने पर वनों की कटाई को रोकना भी गलती थी, जिसने न केवल प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट किया, बल्कि नए गांवों का उदय हुआ और बड़े पैमाने पर पोस्त की खेती हुई। सिंह ने कहा कि मेरी अंतरात्मा साफ है। मैं गलत नहीं हूं। भाजपा गलत नहीं है। भाजपा की एकमात्र गलती राज्य के मूल लोगों की रक्षा के लिए

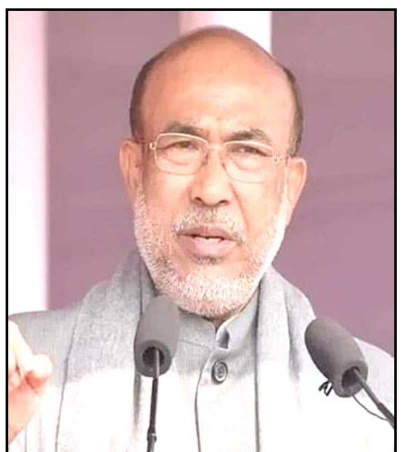

ऐसी पहल करना है। यदि पार्टी और सरकार ने ये कदम नहीं उठाए होते, तो एक दशक बाद राज्य की स्थिति की कल्पना करें। उन्होंने कहा कि भाजपा एकजुट मणिपुर के लिए काम करेगी। कोई अन्य पार्टी नहीं है जो राज्य के लोगों को बचा सके। उन्होंने इनर लाइन परमिट के क्रियान्वयन और राज्य के अधिकांश घाटी क्षेत्रों से अफसपा (सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम) को हटाने सहित लोगों के कल्याण के लिए भाजपा द्वारा किए गए कार्यों पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने भारत-म्यांमार सीमा के मणिपुर खंड के लगभग 100 किलोमीटर हिस्से में बाड़ लगाने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने सवाल किया कि किस पार्टी या सरकार ने अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक अभियान शुरू किया था। आज हम जो अशांति देख रहे हैं वह ऐसे अभियानों के कारण है। केंद्र और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के बीच हालिया शांति समझौते पर सिंह ने कहा कि शांति समझौता कोई तात्कालिक चीज नहीं है। इस तरह के समझौते में तीन से चार साल लग गए।

हमास का मंसूबा सालभर पहले जानकर भी अनजान रहा इजराइल, अमेरिकी अखबार का खुलासा

न्यूयॉर्क (हि.स.)। इजराइल को सालभर पहले भनक मिल गई थी कि फिलिस्तीन का आतंकी संगठन हमास उस पर हमला कर सकता है। मगर इजराइल के सैन्य और खुफिया अफसरों का मानना था कि हमास के लिए ऐसा करना मुश्किल है। इसलिए इस सूचना को गंभीरता से नहीं लिया गया। यह दावा अमेरिका के प्रमुख अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में किया है। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार दस्तावेजों, ई-मेल और साक्षात्कारों से पता चलता है कि इजरायली अधिकारियों ने 7 अक्तूबर के आतंकवादी हमले के लिए हमास की युद्ध योजना एक साल से भी पहले प्राप्त कर ली थी। यह लगभग 40 पन्नों का दस्तावेज है। इसे इजरायली अधिकारियों ने *जेरिको वॉल* नाम दिया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस दस्तावज की समीक्षा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेरिको वॉल में हमले की कोई तारीख तय नहीं थी, लेकिन इसमें गाजा पट्टी के चारों ओर किलेबंदी को खत्म करने, इजराइली शहरों पर कब्जा करने और एक डिवीजन सहित

प्रमुख सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए डिजाइन किए गए व्यवस्थित हमले का वर्णन है। अखबार का कहना है कि हमास ने चौंकाने वाली सटीकता के साथ अपने ब्लूप्रिंट के हिसाब से हमला किया। दस्तावेज में हमले की शुरुआत में रॉकेटों की बौछार, सीमा पर सुरक्षा कैमरों और स्वचालित मशीनगनों को ध्वस्त करने के लिए ड्रोन और पैराग्लाइडर, मोटरसाइकिलों और पैदल बंदूकधारियों को सामूहिक रूप से इजराइल में घुसने का आह्वान किया गया था। ...और यह सब 7 अक्तूबर को इजराइल में हुआ। द न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू या अन्य शीर्ष राजनीतिक नेताओं ने इस दस्तावेज को देखा था या नहीं।

सिलक्यारा टनल में जिंदगी की जंग जीतकर घर पहुंचा रिवालसर का विशाल

मंडी (हिंस)। उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन बाद जिंदगी की जंग जीतकर मंडी जिला के बल्ह क्षेत्र के डहणू गांव का विशाल शुक्रवार को अपने पिता के साथ घर सकुशल पहुंच गया। विशाल के घर पहुंचने पर परिजनों के साथ बड़ी संख्या में रिश्तेदारों व ग्रामीणों ने बैंडबाजे व फूलमालाओं के साथ उसका भव्य स्वागत किया। मां उर्मिला ने अपने लाल की आरती उतारी और उसे गले लगाया। अपने लाल को गले लगाने के दौरान मां की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े, वहीं दादी व चाची ने फूलमाला पहनाकर विशाल को अपनी पलकों पर बिठाया। विशाल के माता-पिता, दादी सहित अन्य परिजन इस दौरान कई बार भावुक हुए। इस मौके पर बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी व क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने परिजनों की खुशी में शामिल होते हुए विशाल के हौंसले पर उसकी दाद दी। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने विशाल के घर पहुंच कर खूब जश्न मनाया गया। विशाल के पिता धर्म सिंह ने बताया अस्पताल प्रशासन द्वारा गहन स्वास्थ्य जांच के बाद विशाल को गुरुवार को छुट्टी दे दी गई थी। उत्तराखंड सरकार ने विशाल

के लिए गाड़ी करके हिमाचल के प्रवेश द्वार पांवटा साहिब तक पहुंचाने के आदेश जारी कर सिरमौर जिला प्रशासन को सौंपने को कहा था। वहां से घर तक लाने के लिए जिला प्रशासन डीसी मंडी की ओर से टैक्सी की व्यवस्था की गई। विशाल के घर आने पर सभी सभी स्वजनों ने खुशी जाहिर की है। विशाल की मां उर्मिला देवी ने बताया कि भगवान, कुल देवता बाढ़ू बाडा व देव कमरूनाग की कृपा से विशाल जिंदगी की जंग जीत कर मौत के मुंह से वापस आया है। विशाल के लिए मांगी मन्नत पूरी होने पर स्वजन अब देव बाढ़ू बाडा को घर बुलाकर धाम का आयोजन करेंगे।

कोकराझाड़ हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ में हुई नृशंस हत्याकांड के आरोपी की गिरफ्तारी का खुलासा आज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आपराध जांच शाखा) पृथ्वीराज राजखोवा ने की। एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने ने कहा कि हत्या के आरोपी शंभू कहार उर्फ शील को पश्चिम बंगाल के कटवाली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कोचबिहार से गिरफ्तार किया गया। यह जघन्य हत्या डकैती के इरादे से की गई थी। कथित हत्यारे शंभू के खिलाफ पश्चिम बंगाल के कटवाली पुलिस स्टेशन में कई मामले पहले से ही दर्ज हैं। उन्होंने ने कहा कि कोकराझाड़ में चोरी और लूट के मामले में भी शामिल होने कि सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस द्वारा गिरफ्तार कथित हत्यारा फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में है। आज पुलिस आरोपी हत्यारे शील को कोर्ट में पेश करने के बाद पुलिस हिरासत में लिया गया।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई

प्लास्टिक एवं कौस्मेटिक सर्जन
डॉ. गणपथी कृष्णन, MBBS, MS (General Sug.), Mch. (Plastic Surg)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

10 दिसंबर, 2023 को

जो मरीज नाक डेफॉर्मिटीज, जन्म कुप्रभावों, हाथ की शल्य चिकित्सा, स्कार कोरेक्शन और इससे मिलती हुई समस्याओं से पीड़ित हैं तो अपने-अपने नाम रजिस्टर करा सकते हैं।

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
ऑर्थोपेडिक-नी एवं स्पाइन सर्जन
डॉ. माधन थिरूवेंगदा, MBBS, D.Ortho, MRCSed (UK), FEBOT (Europe), Mch Ortho (UK)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

10 दिसंबर, 2023 को

कंप्यूटर असिस्टेड ऑर्थोपैडिक सर्जरी, हिप (कमर) और नी (घुटना) परिवर्तन (रिप्लेसमेंट), ऑर्थोस्कोपिक सर्जरी, आधुनिक फ्रैक्चर इलाज, पीठ-दर्द से जुड़ी समस्याओं के लिए अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं:

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Kanchan Road, Opp. Bora Service, G.S. Road, Guwahati - 7
Contact : 90856 17000, 93653 93884

पृष्ठ एक का शेष

भूपेन हजारिका की ...

पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 438 करोड़ रुपए की लागत से बंगाईगांव में बांस क्रेश बेरियन भाग्यश्री उद्योग स्थापित करेगी। राज्य सरकार चाय निगम भविष्य निधि को 100 करोड़ रुपए भी देगी। उन्होंने कहा कि पीपीपी और एपीपी कर्मचारियों की सेवा आयु बढ़ाई जाएगी। उत्तर गुवाहाटी में चार्टर अकाउंट शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए जाएंगे। कैबिनेट ने भूमि के वर्गीकरण को घटाकर पांच श्रेणी में करने का निर्णय लिया। दो लाख 10 हजार लोगों को जमीन के पट्टे जारी किये जायेंगे। इसके अलावा चतुर्थ श्रेणी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी राशन कार्ड मिलेंगे। कैबिनेट ने तिनसुकिया जिले में एक अत्याधुनिक कार पार्किंग, बाईपास पर नया बस और ट्रक स्टैंड होंगे। न-पुखुरी पार्क के विकास के लिए भी 10 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। उन्होंने चबुआ और दुमदुमा के विकास के लिए धन भी आवंटित किया। उन्होंने बताया कि मार्घेरिटा से नामरूप तक सड़क बनाने की योजना बनाई गई है। डिगबोई में एक अत्याधुनिक इनडोर स्टेडियम स्थापित किया जाएगा। सदिया में सुधाकंठ डॉ भूपेन हजारिका की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने बूढ़ाबूढ़ी थाने के लिए पांच करोड़ रुपए के अनुदान भी घोषित किया। इसके अलावा तिनसुकिया स्टेडियम के लिए 50 करोड़ रुपए आवंटित किये गए। सरकार ने वर्ष 2013 का चुकाफा पुरस्कार अनुभवी पत्रकार धीरेंद्र नाथ बेजबरुवा को देने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि कैबिनेट की बैठक अगले साल जनवरी में लखीमपुर और फरवरी में नलबाड़ी में होगी। कैबिनेट की बैठक में मंत्री रंजीत दास, जयंतमल्ल बरुवा, अजंता नेउग, चंद्रमोहन पटवारी और कई अन्य कैबिनेट मंत्री शामिल हुए। कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित थे।

मणिपुर में नकाबपोश...

बदमाशों ने कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को वॉशरूम में बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने बंदूक की नोक पर एक वरिष्ठ अधिकारी को तिजोरी खोलने के लिए मजबूर किया और नकदी लेकर फरार हो गए। एसपी वाशुम ने बताया कि हम सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। हालांकि, अब तक संदिग्धों की पहचान नहीं हो सकी है। मामले में उखरुल थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है।

बेंगलुरु के 48...

अनंत तक सभी मूर्तियों के टुकड़े हवा में उड़ेंगे। डिप्टी सीएम ने भी इस खबर की जानकारी मिलने के तुरंत बाद एक स्कूल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि मैं टीवी देख रहा था, मेरे घर के सामने वाले स्कूल को भी एक धमकी भरा मेल मिला। मैं जांच करने के लिए यहां आया। अब तक यह एक धमकी भरा कॉल ही लग रहा है, लेकिन हमें इसे लेकर बहुत सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि माता-पिता थोड़े परेशान हैं, लेकिन चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। पुलिस इस पर गौर कर रही है। कुछ शरारती लोगों ने ऐसा किया होगा, 24 घंटे में हम उन्हें पकड़ लेंगे। साइबर क्राइम पुलिस सक्रिय है, वे अपना काम कर रहे हैं। हमें भी सतर्क रहना चाहिए और लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इस खबर पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि पुलिस जांच करेगी और मैंने उन्हें ऐसा करने का निर्देश दिया है। सुरक्षा उपाय किए गए हैं और माता-पिता को घबराने की जरूरत नहीं है। मैंने पुलिस को स्कूलों का निरीक्षण करने और सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है। पुलिस विभाग से प्रारंभिक रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। पुलिस ने बताया कि स्कूल अधिकारियों ने तुरंत पुलिस को इस मेल की जानकारी दी, जिसक बाद पुलिस बम निरोधक दस्तों और तोड़फोड़ रोधी जांच टीमों के साथ संबंधित संस्थानों में पहुंची। पुलिस ने कहा कि छात्रों और कर्मचारियों को तुरंत स्कूल परिसर से बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। जैसे ही माता-पिता को घटना के बारे में पता चला, वे तुरंत अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूल में पहुंचे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी न कहा कि ईमेल में दावा किया गया है कि स्कूल परिसर में विस्फोटक लगाए गए हैं। हमें कमांड सेंटर से एक कॉल मिली और हमने तुरंत अपनी टीमों को उन स्कूलों में भेजा। सभी छात्रों और कर्मचारियों को स्कूल परिसर से सुरक्षित निकाल लिया गया है और गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। शुरुआती जांच से ऐसा लग रहा है कि यह एक फर्जी संदेश है। पुलिस ने कहा कि अभिभावकों को घबराने की जरूरत नहीं है, हमारी टीमें काम कर रही हैं। पुलिस ने कहा कि पिछले साल भी, कुछ शरारती तत्वों ने बेंगलुरु के स्कूलों में बम की धमकी के बारे में दावा करते हुए ऐसे ईमेल भेजे थे, जो बाद में एक फर्जी संदेश निकला।

नौकरी के बदले ...

किया गया था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होने के लिए कई अन्य को समन भेजा गया हैं। कार्मिक विभाग द्वारा जारी निलंबन अधिसूचना में कहा गया है कि ये अधिकारी *एपीएससी द्वारा की गई विसंगतियों और कदाचार* के लाभार्थी थे और उन्हें अंतिम सारणी शीट में उनके मूल रूप से प्राप्त अंकों को *बढ़ा कर* नियुक्ति मिली, जिसके आधार पर अंतिम परिणाम घोषित किए गए थे। इसमें कहा गया है कि इन अधिकारियों की भर्ती के लिए एपीएससी की सिफारिश *अवैध* थी और जिस प्रक्रिया के माध्यम से उन्होंने अपनी नौकरियां प्राप्त कीं वह घोर *कदाचार, भ्रष्टाचार* और नैतिक अधमता के बराबर है। इसमें कहा गया है कि चूंकि उन पर आपराधिक मामले की जांच चल रही है, इसलिए उन्हें उनके वर्तमान पद पर बने रहने की अनुमति देना सार्वजनिक सेवा के हित में नहीं हो सकता है और सरकार के लिए शर्मिंदगी का कारण बन सकता है। अधिसूचना में कहा गया है कि यह देखते हुए अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि जिन साक्ष्यों के आधार पर अब निलंबित अधिकारी जांच का सामना कर रहे हैं, उसकी जानकारी एक सदस्यी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी.के. शर्मा आयोग की तरफ से दी गई थी।

आयकर मामले में ...

सर्कल में स्थानांतरित किए जाने के खिलाफ उनकी याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं। गांधी परिवार ने हथियारों के कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े मामले पर आकलन वर्ष 2018-19 के लिए उनके मामलों को सेंट्रल सर्कल में स्थानांतरित करने के प्रधान आयुक्त (आयकर) के जनवरी 2021 के आदेश को चुनौती दी थी। धनशोधन मामले में भारत में वांछित भंडारी पर प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाद्रा के साथ व्यावसायिक संबंध रखने का आरोप है। हालांकि राबर्ट वाद्रा ने भगोड़े हथियार कारोबारी के साथ किसी व्यावसायिक संबंध से इनकार किया है। उच्च न्यायालय ने 26 मई को कहा था कि उसका मानना है कि याचिकाकर्ताओं के आकलन को आयकर कानून की धारा 127 के तहत पारित आदेशों के जरिए कानून के अनुसार सेंट्रल सर्कल में स्थानांतरित किया गया है।

मिजोरम विस चुनाव...

और छात्र निकायों का समूह है। मालूम हो कि मिजोरम में सात नवंबर को विधानसभा चुनाव हुआ था। इस दौरान राज्य के 80 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं, चार दिसंबर को होने वाली मतगणना को लेकर चुनाव आयोग ने कमर कस ली है। राज्य निर्वाचन आयोग वोटों की गिनती के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनिल शुक्ला के मुताबिक, मतगणना के लिए फुलप्रूफ सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), आईआरबीएन और मिजोरम सशस्त्र पुलिस को तैनात किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, सभी ईवीएम को सभी जिला मुख्यालयों में स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रूप से रखा गया है।

कॉप-28 : प्रधानमंत्री ...

व्यवस्था में एक सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी का बहुत अभाव देखा है। हमें हॉलिस्टिक तरीके से नई फिलॉसफी पर बल देना होगा और यही ग्रीन क्रेडिट का आधार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानव जीवन में आमतौर पर प्रकृति, विकृति और संस्कृति तीन चीजों का अनुसरण करते हैं। हमारे यहां कहा जाता है- प्रकृति रक्षति रक्षित:। अर्थात् प्रकृति उसकी रक्षा करती है, जो प्रकृति की रक्षा करता है। मैं इस मंच से आह्वान करता हूं कि इस पहल से जुड़ें। साथ मिलकर इस धरती के लिए अपनी भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा, स्वच्छ और बेहतर भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि क्या करने से पृथ्वी के हेल्थ कार्ड में पॉजिटिव प्वाइंट जुड़े। यही मेरे हिसाब से ग्रीन क्रेडिट है और यही मेरी ग्रीन क्रेडिट की अवधारणा है। हमें नीतियों और निर्णयों में ये सोचना होगा कि उसे पृथ्वी के हेल्थ कार्ड में ग्रीन क्रेडिट कैसे जुड़ेगा।

नक्सलियों ने उप ...

लगाकर हत्या कर दी। साथ ही पीव्ही 62 में मोबाइल टॉवर में आग लगा दी। उन्होंने पक्की सड़क को भी जगह-जगह से काटकर सड़क को उखाड़ दिया। कांकेर पुलिस के अनुसार मामले की जानकारी मिली है और घटना की जाँच की जा रही है।

वामपंथी उग्रवाद से ...

सुरक्षा बलों का ही प्रयास है कि बुढ़ापहाड़ को उग्रवाद से मुक्त करने के लिए सफलता मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बीएसएफ के जवानों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि *जीवन पर्यन्त कर्तव्य* केवल बीएसएफ का घोष वाक्य नहीं है, बल्कि अपने आप को चरितार्थ भी किया है। साथ ही कहा कि बीएसएफ के लाखों सीमा प्रहरियों ने अपने जीवन का स्वर्णकाल 40 डिग्री सेल्सियस से लेकर 45 डिग्री सेल्सियस के रेगिस्तान में, कहीं हरामी नाला की दलदलों में तो कहीं बंगाल की सुंदरनगर के जल में बिताया है। परिवार से दूर रहकर दुर्गम सीमाओं की सुरक्षा जिस तरह से बीएसएफ ने सुनिश्चित की है। शाह ने कहा कि पूरा देश बीएसएफ के जवानों को सलाम करता है और नाज करता है। आपके मोर्चा संभालने के बाद किसी को देश सीमा की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप देश की सीमाओं की रक्षा की प्रथम पंक्ति के प्रहरी हैं। आप दिवाली का दीया सरहद पर जलाते हो, होली सरहद पर मानते हो। आप सीमा पर होते हैं तभी हम घरों में सुकून से रह पाते हैं। जिस देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं होती है वह देश कभी विकसित नहीं हो सकता। पूरा देश और विशेषकर मैं गृह मंत्री आप पर बहुत नाज करता हूं, गर्व करता हूं। शाह ने कहा कि आज यहां पर वीरता के लिए पदक भी दिए गए। पांच शहीदों को मरणोपरांत पदक दिए गए। उन्होंने कहा कि शहीद के परिवारों को मैं कहना चाहता हूं कि आपके परिवार का जो नुकसान हुआ उसकी कोई भरपाई नहीं है लेकिन 130 करोड़ की जनता आपके परिवार के बलिदान पर हमेशा गर्व करती है। हमेशा यह इतिहास के पन्नों पर दर्ज रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। चाहे चांद पर चंद्रयान पहुंचना हो, चाहे जी-20 की बैठक में देश के ध्वज को समस्त विश्व में लहराना हो। चाहे हमारी अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंचाना हो। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। जब-जब भी देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई सीमा सुरक्षा को हमने प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा, विकास और लोकतंत्र की प्रक्रिया तीनों को बढ़ावा दिया गया। सीमा के क्षेत्र में हजार करोड़ की बजट के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की शुरुआत हुई। सीमा वाले क्षेत्र में अनेक कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत हुई।

विस चुनाव : पांच ...

सूबे की कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य कहते हैं कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा सरकार बनाएगी। भाजपा नेता आलोक शर्मा कहते हैं कि मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से सभी को लाभ हुआ है। इसलिए लोगों ने राज्य में भाजपा को फिर से जनादेश देने का फैसला किया है। विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल पर केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते कहते हैं कि मध्य प्रदेश में महिलाओं के लिए किए गए काम, खासकर *लाडली बहना* योजना के कारण ऐसा लगता है कि महिलाएं भाजपा के साथ हैं। यह तय है कि भाजपा ही सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि 2018 में हमने 109 सीटें जीतीं और कांग्रेस ने 114 सीटें जीतीं। भाजपा इस बार और भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। हम बहुमत तक पहुंचेंगे। भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौर कहते हैं कि इस बार राजस्थान में बहुत सारे साइलेंट वोटर थे, इसलिए मुझे लगता है कि एग्जिट पोल में दिखाया गया विश्लेषण सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने पड़ोसी से भी साझा नहीं किया कि उन्होंने किसे वोट दिया है, ऐसे में एग्जिट पोल कितने सटीक हो सकते हैं, हम अंदाजा लगा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वोटिंग के वक्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने जो विश्लेषण किया था, वह एग्जिट पोल से कहीं ज्यादा सटीक है। भाजपा राजस्थान में सरकार बनाने जा रही है। उत्तर प्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री और निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद कहते हैं कि एनडीए पांच राज्यों में सरकार बनाएगा, क्योंकि वह गठबंधन धर्म का पालन कर रहा है और लोगों का इसमें भरोसा है। भाजपा नेता नारायण चंदेल कहते हैं कि सर्वे सिर्फ आकलन हैं, छत्तीसगढ़ में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी कहते हैं कि मध्य प्रदेश में भाजपा जीतती दिख रही है जबकि कांग्रेस जीत रही है। उन्होंने कहा कि हम मध्य प्रदेश में इतने बहुमत से सरकार बनाएंगे कि भाजपा के लिए सरकार गिराना संभव नहीं होगा। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टी सिंह देव कहते हैं कि रुझानों से पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार बनाएगी। हमें विश्वास है कि हम 3 दिसंबर को लगभग 60 सीटें जीतेंगे। राजस्थान के मंत्री प्रताप एस खाचरियावास का कहना हैं कि एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा और कांग्रेस दोनों को कड़ी टक्कर मिल रही है लेकिन स्थिति 3 दिसंबर को ही स्पष्ट होगी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता कहते हैं कि 3 दिसंबर को सब कुछ साफ हो जाएगा। एग्जिट पोल तो सिर्फ एक नमूना है। आप 47,000 के नमूने से करोड़ों लोगों के जनादेश का अनुमान नहीं लगा सकते। चार राज्यों में कांग्रेस पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। एग्जिट पोल पर बीआरएस नेता पुट्टा विष्णुवर्धन रेड्डी का कहना है कि 2018 में एग्जिट पोल बुरी तरह से गलत साबित हो चुके हैं। पिछली बार लगभग 80 प्रतिशत सभी भविष्यवाणियां गलत थीं। इन्होंने कहा कि हम 70 से ज्यादा सीटें जीतने जा रहे हैं। केसीआर तीसरी बार शपथ लेंगे। दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज कहते हैं कि भाजपा जो मान रही थी कि तेलंगाना दक्षिण में उनका प्रवेश द्वार होगा, ऐसा नहीं होने वाला है। उत्तर भारत के तीन राज्यों में एग्जिट पोल के नतीजे मिले-जुले रहे हैं। एग्जिट पोल पर कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी का कहना है कि मैं आम आदमी की नब्ज जानती हूं और मुझे पता है कि कांग्रेस सत्ता में आ रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस (तेलंगाना में) सरकार बनाएगी।

बैग में पड़ी ...

नवंबर को उनकी मौत हो गई थी। इतना ही नहीं नोर्मा के लिए दो डेथ सर्टिफिकेट जारी किए गए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अस्पताल के अधिकारी, ब्राजील की मेडिकल एथिक्स कमेटी और डेथ कमीशन अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि जीवित होने के बावजूद महिला को मुर्दाघर में कैसे भेजा गया। नोर्मा की दोस्त जेसिका मार्टिंस सिल्वी परेरा ने कहा कि ये पूरी तरह से अस्पताल की लापरवाही का मामला है। जेसिका ने कहा कि जब बैग खोला गया तो वह बहुत कमजोर तरीके से सांस ले रही थी और, चूंकि वह होश में नहीं थी, इसलिए वह मदद नहीं मांग सकती थी, उसने सांस लेने की कोशिश की और तड़पती रही। इसका मतलब है कि रात 11:40 पर मृत घोषित किए जाने से लेकर आधी रात 1:30 बजे तक वह बैग के अंदर दम घुटने से मर रही थी।

सुरंग से बाहर ...

नवंबर को ढही सुरंग से श्रमिकों को निकालने के लिए लंबे समय तक अभियान चलाया गया। मंगलवार रात मजदूरों को सुरंग से निकाल लिया गया। दोनों श्रमिकों ने यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए सुरक्षित वापस पहुंचने पर खुशी व्यक्त की और यहां से लगभग 180 किलोमीटर दूर कोकराझार में अपने घरों के लिए रवाना हो गए।

रंगिया मंडल में ट्रेनें रद्द एवं पुनर्निर्धारित

गुवाहाटी (हिंस)। रंगिया मंडल के अंतर्गत बरपेटा रोड के समपार फाटक संख्या एसके-37 पर रोड ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य को देखते हुए कुछ ट्रेनों की सेवाएं रद्द और पुनर्निर्धारित की गयी है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि जिन ट्रेनों की सेवाएं रद्द की गई है उनमें 02 और 09 दिसंबर को ट्रेन संख्या 15769/15770 (अलीपुरद्वार-लमडिंग-अलीपुरद्वार) इंटरसिटी एक्सप्रेस है। 02 और 09 दिसंबर को ट्रेन संख्या 15753/15754 (अलीपुरद्वार-गुवाहाटी-अलीपुरद्वार) शिफुंग एक्सप्रेस रद्द रहेगी। जिन ट्रेनों का पुनर्निर्धारण किया गया है। उनमें 02 और 09 दिसंबर को ट्रेन संख्या 05801 (न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी) पैसेंजर के प्रस्थान का समय 04:50 बजे के बजाय 06:20 बजे पुनर्निर्धारित किया गया है।

पार्टी का निर्णय हर हाल में मंजूर : प्रद्युत बरदलै

नगांव (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता तथा नगांव के सांसद प्रद्युत बरदलै ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में लोकसभा के लिए टिकट वितरण के सिलसिले में पार्टी जो निर्णय लेगी, वह हम सभी को अक्षरशः मंजूर है। सांसद बरदलै ने कहा कि विरोधी दल अनेक प्रकार से दुष्प्रचार करते हैं। लेकिन, सच्चाई यह है कि न तो उन्होंने कभी गौरव गोगोई के विरुद्ध कुछ कहा है और ना ही गौरव गोगोई ने मेरे (प्रद्युत) विरुद्ध ही कुछ कहा है। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई एक कुशल और कर्मठ राजनेता हैं, जिन्होंने खून पसीने से नगांव की धरती को सींचा है। उन्होंने कहा कि गौरव हमारी पार्टी के एक स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में कोई अंदरूनी विवाद नहीं है। पार्टी का फैसला सभी को मंजूर है। एक प्रश्न के उत्तर में सांसद बरदलै ने कहा कि उन्होंने कभी भी गुटबाजी की राजनीति नहीं की। सांसद ने कहा कि एआईयूडीएफ और भाजपा चुनाव करीब आने के साथ ही, ध्रुवीकरण करवाने के लिए विभिन्न प्रकार के बयान देते रहते हैं। उन बयानों पर टिप्पणी करना वे उचित नहीं समझते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल के बीच हॉट लाइन है। दोनों आपस में विचार-विमर्श करके बयानबाजी किया करते हैं, ताकि राजनीतिक ध्रुवीकरण हो सके।

कोयला माफियाओं पर आयकर विभाग की छापामारी

गुवाहाटी (हिंस)। आयकर विभाग द्वारा आज अवैध कोयला सिंडिकेट से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापामारी की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की छापेमारी आज तड़के शुरू हुई। विभागीय अधिकारियों ने कोयला माफिया से जुड़ी संपत्तियों पर छापा मारा। जानकारी के अनुसार नई दिल्ली से आयकर विभाग की एक टीम ने असम के तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा में कथित कोयला माफियाओं बयानी गणेश, सुनील गुरुंग और गुविन छेत्री के आवासों पर छापे मारे। तीनों पर क्षेत्र में अवैध कोयला गतिविधियों से जुड़े होने का आरोप है। गुविन छेत्री और सुनील गुरुंग के दोनों घर बरगोलाई बासबारी में है, जबकि बयानी गणेश का घर लिडू में थाना रोड पर है। यह अभियान कोयला खनन क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। दिहिंग पाटकाई राष्ट्रीय उद्यान के भीतर अवैध कोयला खनन कार्यों से संबंधित खबरें लंबे समय से आती रही है। राज्य में कई सरकारें आईं और गईं। लेकिन, कोयला माफियाओं पर कोई नकेल नहीं कसा जा सका। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में सख्त कार्रवाई करते हुए मार्घेरिटा और जागुन थाना क्षेत्रों में चल रहे अवैध खनन पर लगाम लगाने की कोशिश की है। इस सिलसिले में विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

राजभवन में मनाया गया नगालैंड का स्थापना दिवस

इटानगर (हिंस)। *एक भारत-श्रेष्ठ भारत* की भावना से आज अरुणाचल प्रदेश के राजभवन में नगालैंड का स्थापना दिवस मनाया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनाइक ने राज्य की प्रथम महिला अनघा परनाइक के साथ राज्य में सेवारत या अध्ययन कर रहे नगालैंड के लोगों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। राज्यपाल ने नगालैंड के लोगों को बधाई दी और सभी अरुणाचलियों की ओर से नागा भाइयों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की स्थापना का जश्न भारत के लोगों के बीच एकता की भावना को मजबूत करने के लिए प्रधान मंत्री द्वारा पेश किए गए कई अभिनव विचारों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह एकीकरण का एक शानदार तरीका है और यह लोगों को एक-दूसरे को जानने, संबंध और सौहार्द बनाने में मदद करता है। राज्यपाल ने नगालैंड के लोगों के साथ अपने घनिष्ठ संबंध को याद किया, क्योंकि उन्होंने अपने सेवा जीवन के दौरान 47 साल से अधिक समय पहले राज्य में सेवा की थी। उन्होंने जीवंत सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं की भी सराहना की, जो सभी के लिए प्रेरणा का केंद्र हैं। राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें अरुणाचली समाज के लोकाचार और रुझानों को आत्मसात करने की सलाह दी। उन्होंने उनसे अपने राज्य वापस जाने पर अच्छी यादें लेकर जाने को कहा।

नगा मुद्दे का समाधान पहली प्राथमिकता : सीएम रियो

नगालैंड का 61वां स्थापना दिवस

कोहिमा (हिंस)। नगालैंड के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज राज्य में विभिन्न स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राज्य सरकार की ओर से अलग-अलग स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं शोभायात्राओं की अनेक झलकियां राज्य भर में आज देखी गई। इस अवसर पर आयोजित केंद्रीय समारोह में शामिल राज्य के लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने कहा कि नगा मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इस दिशा में सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर कई दौर की बातचीत की जा चुकी है। उन्होंने शीघ्र ही नगा समस्या का शांतिपूर्ण समाधान होने की उम्मीद जताई। मुख्यमंत्री ने राज्य की जनता को नगालैंड दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी।

मायुमं की सिरोज शाखा ने लगाया स्त्री रोग जांच शिविर

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच की सिरोज शाखा ने अपोलो फर्टिलिटी के सहयोग से क्रिश्चियन बस्ती में स्त्री रोग जांच शिविर लगाया। जिसमें डॉक्टर सोनिका बाबरी ने स्त्री से संबंधित एवं बांझपन से संबंधित 20 महिलाओं की रोगों की जांच कर उन्हें उचित सलाह दी। सिरोज शाखा की अध्यक्ष ज्योति डागा ने बताया कि अक्सर स्त्रियां अपने रोग को डॉक्टर से बताने को डरती रहती है एवं रोग को छुपा कर चलती है। जिसके चलते उनकी समस्याएं बढ़ती जाती है। स्त्रियों की इसी समस्या को दूर करने के लिए स्त्री रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर की संयोजिका स्वाति अग्रवाल और शिक्षा जैन थी।

मणिपुर पुलिस ने 255 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में कानून उल्लंघन के सिलसिले में 255 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ एनएच -37 पर 430 तथा एनएच -2 पर 460 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 141 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई है।

जिले के 24 सेवानिवृत्ति शिक्षकों व कर्मचारियों को पेंशन पत्र वितरित

रंगिया (विभास)। 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हुए कामरूप जिले के प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के कुल 24 शिक्षकों और कर्मचारियों को आज एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में एक बैठक में पेंशन की सुविधा प्रदान के विभागीय स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त ने कहा कि शिक्षक समाज में सभी के लिए सम्मानित व्यक्ति हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों से समाज के जीवन को आलोकित करने के लिए कार्य करते रहने का आग्रह किया तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। बैठक में कामरूप जिले के स्कूल निरीक्षक अपूर्ब ठाकुरिया ने भाग लिया, जिन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए जिला शिक्षा विभाग द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में बताया। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से सेवानिवृत्ति के दौरान भी

शिक्षा व्यवस्था से जुड़े रहने का आग्रह किया। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से समाज में सकारात्मक योगदान जारी रखने और कामरूप जिले द्वारा शुरू की गई शैक्षिक स्वयंसेवक (वीईएसपीए) योजना में खुद को शामिल करने और पास के किसी भी स्कूल में पढ़ाने का आग्रह किया। बैठक में आमंत्रित अतिथि के रूप में बोलते हुए पूब कामरूप महाविद्यालय के असमिया विभाग के सेवानिवृत्त प्रमुख प्रोफेसर खगेन तालुकदार ने कहा कि शिक्षक समाज के माली हैं। जिस तरह माली फूलों के पौधों को खाद और पानी देते हैं, उसी तरह शिक्षक चारदीवारी के भीतर छात्रों को आकार देते हैं। इसलिए उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अध्ययन के क्षेत्र से जुड़े रहे और समाज जीवन को ज्ञान के प्रकाश से रोशन करें। बैठक को संबोधित करते हुए प्रमुख शिक्षाविद् परेश वैश्य ने सेवानिवृत्त शिक्षकों से कामरूप की *वेस्पा* योजना के तहत अपनी सुविधा के अनुसार स्कूलों में सेवा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कुछ सरकारी पेंशनभोगी शिक्षक बेसरकारी स्कूलों में सेवा देना चाहते हैं। इसके विपरीत उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से सरकारी स्कूलों में सेवा देने का आग्रह किया। बैठक को सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी रॉबिन पाठक ने संबोधित किया और सेवानिवृत्त शिक्षकों से स्वेच्छा से वेस्पा योजना में शामिल होने का आग्रह किया। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार मोबारक हुसैन भी शामिल हुए, जिन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से कामरूप जिला शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सेवा करने का आग्रह किया। बैठक के अंत में सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अपने शिक्षण अनुभव एवं कार्य के बारे में भी बताया।

राज्य के साहित्यकार विनय कुमार बुद्ध को मगध साहित्य शिखर सम्मान से नावाज जाएगा

विश्वनाथ / बगाईगांव (विभास)। देश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल और विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के लिए मशहूर बिहार के राजगीर (नालंदा) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव में पूर्वोत्तर की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच के उपाध्यक्ष, हिंदी साहित्य संगठन के अध्यक्ष, साहित्य सुधा मंच के संस्थापक सहित दर्जनों साहित्यिक संस्था से जुड़े और भारतीय रेल में न्यू बंगाईगांव में वरिष्ठ व्याख्याता के पद पर कार्यरत विनय कुमार बुद्ध को मगध साहित्य शिखर प्रसिद्ध साहित्यकार विनय कुमार बुद्ध को सम्मानित किया जाएगा। साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ योगदान के लिए उनका चयन किया गया है। जानकारी के अनुसार अशोक स्मृति संस्थान, हिसुआ और साहित्य प्रेरणा मंच, हिसुआ के द्वारा राजगीर में अंतर्राष्ट्रीय मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जहां भारत और नेपाल में साहित्य, शिक्षा व पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित

किया जाएगा। इसी के तहत साहित्य में रचनात्मक श्रेष्ठता के आधार पर विनय का चयन किया गया है। इस कार्यक्रम में देश के कई नामचीन साहित्यकार, कवि, शिक्षाविद और पत्रकार शामिल हो रहे हैं। इस सम्मान के लिए अशोक स्मृति संस्थान के द्वारा एक चयन कमिटि बनाई गई थी। इस कमिटी के द्वारा राष्ट्रीय सम्मान के लिए साहित्य मनीषियों का चयन किया गया है। उन्हें यह सम्मान 9 और 10 दिसंबर को राजगीर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम *मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव* में दिया जाएगा। सम्मान के लिए उनका चयन होने पर वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पूर्वोत्तर भारत अध्यक्ष डॉ. गोमा देवी शर्मा (अधिकारी), असम के हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो, आभा कुमारी चौधरी, सैयदा आनोवारा खातून, मानव दे सहित कई साहित्यकारों ने हर्ष जाहिर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी है। सम्मान के लिए चुने जाने पर बुद्ध ने अशोक स्मृति संस्थान हिसुआ और साहित्य प्रेरणा मंच हिसुआ के संयोजक ओंकार शर्मा कश्यप, अध्यक्ष जितेंद्र आर्यन, रौशन कुमार सिंह, दीपक प्रिंस, आदि का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब हो कि विनय कुमार बुद्ध को साहित्य में बेहतर योगदान के लिए पहले भी कई बार सम्मानित किया जा चुका है।

आरोहण फाउंडेशन का प्रतिबंधी दिवस सोमवार को

गुवाहाटी। आरोहम फाउंडेशन के तत्वावदान में आगामी 4 दसिंबर को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में विश्व प्रतिबंधी दिवस मनाया जाएगा जिसमें 100 दिव्यांगों को निःशुल्क व्हील चेयर दिया जाएगा। कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत, श्रम मंत्री संजय किसान, मंत्री योगेन महोन, बिजली मंत्री नन्दिता गोर्सोला, विधायक रुपक शर्मा भाग लेंगे। यह जानकारी जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। प्रेस-विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि आहोहण फाउंडेशन की संचालिका डॉ. सीमा बरा की पुस्तक का विमोचन का भी कार्यक्रम है।

कामरूप जिले के सात केंद्रों पर समर्थित मूल्य पर धान की खरीद शुरू

रंगिया (विभास)। किसानों की सुविधा के लिए कामरूप जिले के सात खरीद केंद्रों पर आज समर्थित मूल्य पर धान की खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई। यह योजना कामरूप जिला कृषि विभाग द्वारा आज जिले के बोको, विजय नगर, छयगांव, ददरा, मिर्जा, रंगिया और सोनतली धान खरीद केंद्रों पर शुरू की गई। इस मौके पर आज उद्धघाटन बैठक का आयोजन किया गया, सभी बैठकों में उस क्षेत्र के अंतर्गत कृषि विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, सहायक-संचालक द्वय, महकमा कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी और कृषि विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। विभाग ने बताया कि आज जिले में किसानों से कुल लगभग 300 क्विंटल धान खरीदा गया और यह प्रक्रिया जारी रहेगी। बैठक में धान बिक्री के लिए लाने वाले किसानों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। ददरा धान खरीद केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर कामरूप जिले की अतिरिक्त जिला आयुक्त सुजाता गोगोई उपस्थित थीं। उन्होंने किसानों उत्पादित धान खरीद केंद्रों को बिक्री करने का अनुरोध किया। गोगोई ने अधिकारियों के साथ धान की बिक्री में आने वाली बाधाओं पर चर्चा की और समाधान के लिए कई सुझाव दिए। जिला कृषि विभाग ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में किसानों से पहले से और अधिक धान खरीदा जाएगा।

रंगिया : *बीजेपी वार्ता* के 12वें अंक का विमोचन

रंगिया (विभास)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश द्वारा प्रकाशित लोकप्रिय मासिक पत्रिका *असमिया बीजेपी वार्ता* के वर्ष 2023 दिसंबर महीने के यानी इसवर्ष के 12वें अंक का विमोचन आज रंगिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत उत्तर कामरूप जिले के रंगिया स्थित ऐतिहासिक हरदत्त बीरदत्त भवन प्रांगण में किया गया। इसका उन्मोचन भारतीय जनता पार्टी उत्तर कामरूप जिले के ज्येष्ठ कार्यकर्ता तथा जिले के पूर्व अध्यक्ष तरुण सिंह लहकर द्वारा किया गया। इस दौरान रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, पत्रिका संपादन के बहुत से पदाधिकारी, उत्तर कामरूप जिलाध्यक्ष सुबल पाल सहित बहुत से गणमान्य लोग और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए विधायक कलिता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के असम प्रदेश के मुखपत्र *बीजेपी वार्ता* के सातवें वर्ष यानी 2023 के बारहवें अंक के शुभ विमोचन के अवसर पर उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। विगत वर्षो से यह पत्रिका आम जनता के बीच भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकारों के अनुकरणीय कार्यों, सेवाओं और योजनाओं के विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालती रही है। इस संस्करण में सरकार के विकास, उन्नयन और प्रगतिशील कार्यों को भी विस्तार से शामिल किया गया है। इस मौके पर उन्होंने आशा जताई कि इस पत्रिका से पाठकों को लाभ होगा।

चार्टर्ड एकाउंट्स के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। पूरी दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी लेखा संस्था तथा देश की प्रमुख लेखा संस्था इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आईसीएआई) तथा शिक्षा, व्यवसायिक विकास, उच्च लेखांकन, लेखा परीक्षा और नैतिक मानकों के रखरखाव के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर दूसरे पायदान पर रहने वाले आईसीएआई के ईआईआरसी की गुवाहाटी शाखा के आतिथ्य में दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ माछखुवा आईटीए सेंटर में राष्ट्रीय अधिवेशन शाश्वत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आईसीएआई के अध्यक्ष अनिकेत सुनील तलाटी ने दीप प्रज्ज्वलित कर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में उनके साथ गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष आयुष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रणजीत कुमार अग्रवाल, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष देवाशीष मित्र, आईसीएआई के चैयरमेन देबायान पात्र, सीपीई के चैयरमेन पुरुषोत्तम खंडेलवाल, गुवाहाटी शाखा की सचिव रागिनी गोयल उपस्थित थी। गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष आयुष सराफ ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि शाश्वत द प्रोफेशनल इज इंटरनल का उद्देश्य लेखांकन पेशे मे अमरता और निरंतरता को रेखांकित करता है। एक ऐसे युग में जहां तकनीकी प्रगतिया हमारे कार्य के परिदृश्य को तेजी से बदल रही है। ऐसे मे

हमारे लिए एक जुट होना, विचारों को साझा करना और हमारे दैनिक कार्यों की सीमाओं को पार करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। हमारा पेशा लचीलापन और अनुकूलनशीलता से चिन्हित है। यह अर्थ व्यवस्थाओं को आकार देने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमें अपने पेशे की समस्याओं के बारे में ज्यादा न सोचकर कैसे आगे बढा जाए इसके बारे में सोच रखनी चाहिए। इस देश के पूर्वी तट को सुशोभित करने वाले महाबाहु ब्रह्मपुत्र को साक्षी मानते हुए मुझे यह कहने में तनिक की संकोच नहीं हो रहा है कि हमारा पेशा शाश्वत है अर्थात यह हमेशा था आज भी है और अनंत काल तक किसी न किसी रूप में इसकी उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों ने अधिवेशन की स्मारिका का विमोचन किया। अतिथियों के संबोधन के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि आईसीएआई के मामलों को चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम 1949 के प्रावधानों के अनुसार एक परिषद द्वारा प्रबंध किया जाता है जिसमें 40 सदस्य होते हैं। जिनमें से 32 चार्टर्ड अकाउंट द्वारा वह चुने जाते हैं और शेष आठ केंद्र सरकार द्वारा नामित होते हैं। संस्था का मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसके अलावा इसकी पांच क्षेत्रीय परिषदे मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, कानपुर और नई दिल्ली में है तथा 163 शाखाएं पूरे देश में फैली हुई है। संस्थान के भारत के बाहर भी 30 शाखाएं हैं। इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में विकास और अन्य परिवर्तनों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए समय-समय पर शिक्षा और प्रशिक्षण की अपनी योजना की समीक्षा करता है। उपरोक्त के अलावा संस्थान प्रश्नोत्तरी, भाषण, युवा उत्सव, औद्योगिक दौरे, शिक्षित दौरे, सेमिनार, कार्यशालाएं आदि जैसी गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित करता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे मे बोलते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पूर्वोत्तर के सात राज्यों के कोई भी विद्यार्थी सीए का कोर्स करने से उसकी फीस में 75 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी। यह रियायत कौंसिल व सरकार द्वारा उत्तर पूर्व के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए दी जा रही है। काउंसिल में अब तक साढे आठ लाख बच्चे कोर्स कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन सीपीई कमेटी के चेयरमैन जयप्रकाश गुप्ता ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव रागिनी गोयल ने दिया। उल्लेखनीय है कि इस अधिवेशन में पूर्वोत्तर के सातों राज्यों के प्रतिनिधियों के अलावा कोलकाता और उड़ीसा से भी प्रतिनिधि पधारे हैं। अधिवेशन के पूर्व अध्यक्ष सुनील झालानी, उपाध्यक्ष संजीव सांगी, सचिव विष्णु तुलस्यान, कोषाध्यक्ष मयूर अग्रवाल, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि कुमार पटवा, पूर्व अध्यक्ष मनीष गोयल, नितेश मोर, अमरजीत चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर भारत की पैनी नजर : नौसेना प्रमुख

- आईओआर में निगरानी के लिए भारत के जहाज, पनडुब्बियां, विमान, यूएवी तैनात
- नौसेना विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने को तैयार

नई दिल्ली, (हि.स.)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि मालदीव और पाकिस्तान सहित हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीन की गतिविधियों पर भारत की पूरी नजर है। आईओआर में नौसैनिक शक्ति के रूप में क्षेत्रीय ताकतों को बनाए रखने के लिए भारत के जहाज, पनडुब्बियां, विमान, यूएवी तैनात हैं। उन्होंने नौसेना में बढ़ती अग्निवीरों की संख्या के बारे में बताया कि आईएनएस चिल्का में अग्निवीरों के तीसरे बैच के शामिल होने के साथ महिला अग्निवीरों की कुल ताकत अब 1000 का आंकड़ा पार कर गई है। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार आज दिल्ली में नौसेना दिवस प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस से पूर्व 10 क्षेत्रीय भाषाओं में नौसेना इतिहास की पुस्तकों का विमोचन किया। भारतीय नौसेना ने पिछले साल नौसैनिक ध्वज में बदलाव सहित बल में औपनिवेशिक और पुरातन प्रथाओं को हटाने के लिए उठाए गए कदमों की सूची भी दी। नौसेना प्रमुख एडमिरल कुमार ने कहा कि हमारी इकाइयां हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा को और बढ़ावा देने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र और उससे परे तैनात हैं। नौसेना युद्ध के लिए तैयार विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने लायक बनी हुई है। नौसेना में शामिल होने वाले अग्निवीरों के बारे में प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताया कि अग्निवीरों का पहला बैच इस साल मार्च में

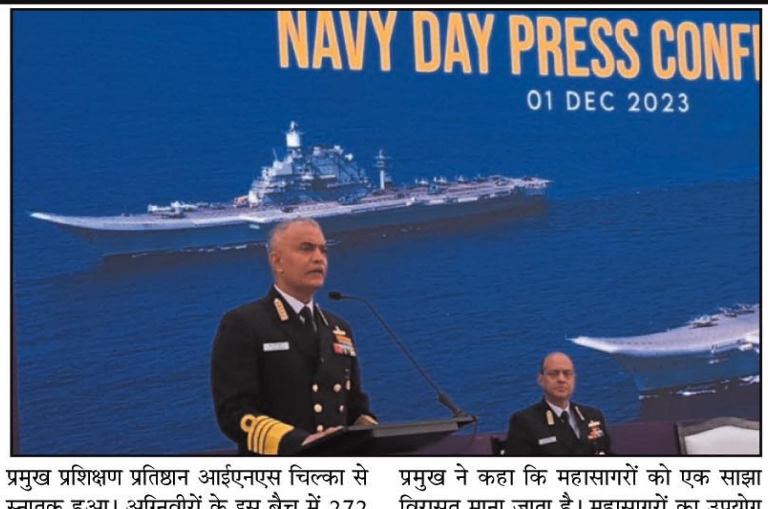

प्रमुख प्रशिक्षण प्रतिष्ठान आईएनएस चिल्का से स्नातक हुआ। अग्निवीरों के इस बैच में 272 महिला प्रशिक्षु शामिल थीं और इससे भी आगे बढ़ते हुए अग्निवीरों के वर्तमान बैच ने कुल 454 महिलाएं हैं। आईएनएस चिल्का में अग्निवीरों के तीसरे बैच के शामिल होने के साथ महिला अग्निवीरों की कुल ताकत अब 1000 का आंकड़ा पार कर गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना ने वेस्टर्न कमांड में फास्ट अटैक क्राफ्ट के कैप्टन (सीओ) के रूप में एक महिला अधिकारी की नियुक्ति की है लेकिन उन्होंने अभी तक कमान नहीं संभाली है। मालदीव और पाकिस्तान सहित हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी गतिविधियों पर नौसेना प्रमुख ने कहा कि महासागरों को एक साझा विरासत माना जाता है। महासागरों का उपयोग किसी भी राष्ट्र की वैध आर्थिक आकांक्षाओं के लिए किया जा सकता है। चीन के पास आर्थिक गतिविधियों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद रहने के पीछे वैध कारण हो सकता है लेकिन हम हिंद महासागर में नौसैनिक शक्ति के रूप में वहां क्या हो रहा है, इस पर नजर रखते हैं। उन्होंने कहा कि हम हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद अतिरिक्त-क्षेत्रीय ताकतों को संतुलित बनाए रखने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र निगरानी में हम जानना चाहेंगे कि उनकी गतिविधियां क्या हैं, वे किस प्रयास में लगे हुए हैं और उनके इरादे क्या हैं। एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि इसीलिए हम अपने जहाज, पनडुब्बियां, विमान, यूएवी हमेशा हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात करते हैं। नौसेना की संपत्तियां क्षेत्र को निगरानी में रखने के लिए नियमित रूप से तैनात की जाती हैं, इसलिए हम आईओआर में होने वाली सभी घटनाओं से अवगत हैं। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने आश्वस्त किया कि भारत सरकार कतर में मौत की सजा पाए 8 पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को राहत दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कथित जासूसी के आरोप में कतर की प्रथम दृष्टया अदालत ने 26 अक्टूबर को भारतीय नागरिकों को मौत की सजा दी थी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नौसेना का काम समुद्री क्षेत्र में भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा, संरक्षण और प्रचार को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हमारे हित हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे भी हिंद-प्रशांत में हैं। हमारे जहाज, पनडुब्बियां और विमान इसी लिहाज से तैनात किए जाते हैं। हम अपने जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों की तैनाती के माध्यम से क्षेत्र को निगरानी में रखने की कोशिश करते हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा कि मित्रवत विदेशी देशों के साथ लगातार तैनाती और बातचीत के माध्यम से हम साझा चुनौतियों को देखने के लिए एक साथ मिलकर काम करने और इन मुद्दों के समाधान के लिए समाधान खोजने के लिए अंतरसंचालनीयता के लिए विश्वास के साथ-साथ तंत्र भी विकसित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति और यूएन प्रमुख सहित अनेक वैश्विक नेताओं से की मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कॉप-28 के विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित अनेक वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए एक महत्वपूर्ण मंच, कॉप-28 शिखर सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी हुई। स्थायी भविष्य के लिए सार्थक संवाद और सहयोग में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं गर्मजोशी से किए गए स्वागत के लिए अपने भाई मोहम्मद बिन जायद और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस को धन्यवाद देता हूं। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय, उज्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति शौकत

मिर्जियोयेव, ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन, संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम और नीदरलैंड के प्रधान मंत्री मार्क रूटे से भी मुलाकात की।

मोदी ने एक्स पर लिखा, कॉप-28 में जॉर्डन के महामहिम राजा अब्दुल्ला द्वितीय से मिलकर खुशी हुई। हमारी चर्चाएं समृद्ध थीं और हमारे देशों की गहरी दोस्ती को प्रतिबिंबित करती थीं। अपने संबंधों को और मजबूत करने के लिए तत्पर हूं।' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, दुबई में कॉप-28 के मौके पर उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव और ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन के साथ सार्थक बातचीत। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मिलना सौभाग्य की बात थी। विभिन्न मुद्दों पर उनका दूरदर्शी नेतृत्व वास्तव में सराहनीय है। मोदी ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, नीदरलैंड के अपने मित्र मार्क रुटे के साथ विचारों का आदान-प्रदान करना हमेशा ताजा होता है।

एयर मार्शल मकरंद रानाडे बने वायु सेना के महानिदेशक

- एयर मार्शल संजीव कपूर 38 वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए

नई दिल्ली, (हि.स.)। एयर मार्शल मकरंद रानाडे ने शुक्रवार को वायु सेना मुख्यालय में महानिदेशक (निरीक्षण और सुरक्षा) का पदभार संभाला। अपनी वर्तमान नियुक्ति से पहले वे पश्चिमी वायु कमान मुख्यालय में वरिष्ठ एयर स्टाफ अधिकारी थे। उन्हें वर्ष 2006 में वायु सेना पदक (वीरता) और वर्ष 2020 में अति विशिष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने एयर मार्शल संजीव कपूर का स्थान लिया है, जो 38 वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के बाद 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हुए

हैं। नई दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज और पेरिस (फ्रांस) के कॉलेज इंटर आर्मी डी डिफेंस के पूर्व छात्र एयर मार्शल मकरंद रानाडे को 06 दिसंबर, 1986 को भारतीय वायु सेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन दिया गया था। 36 वर्षों से अधिक के सेवा काल में उनकी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और स्टॉफ पदों पर नियुक्ति रही, जिनमें एक लड़ाकू स्क्वाड्रन और दो फ्लाइंग स्टेशनों की कमान शामिल हैं। वे टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट के साथ-साथ डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में निदेशक स्टाफ रहे हैं। उन्होंने काबुल (अफगानिस्तान) में भारतीय दूतावास में एयर अताशे के रूप में भी कार्य किया है। उनकी वायु सेना मुख्यालय में हुई स्टाफ नियुक्तियों में निदेशक, कार्मिक अधिकारी, प्रधान निदेशक, वायु सेना कर्मचारी निरीक्षण निदेशालय और सहायक प्रमुख वायु सेना संचालन (अंतरिक्ष) शामिल हैं।

तमिलनाडु और मछलीपट्टनम पर मंडराया माइचौंग तूफान का खतरा, 4 दिसंबर को समुद्र तट से टकराने की उम्मीद

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र बन रहा है, जो अगले 24 घंटे में भारी दबाव क्षेत्र में तब्दील हो जाएगा। तीन दिसंबर के आसपास यह चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। शुक्रवार को चेन्नई के मौसम विज्ञान केंद्र के उप-महानिदेशक एस बालाचंद्रन ने पत्रकारों को बताया कि निम्न दबाव का क्षेत्र आज सुबह एक अवसाद में बदलता नजर आ रहा है। यह अब दक्षिण-पूर्व खाड़ी पर स्थित है और दक्षिण चेन्नई से लगभग 790 किमी दूर है और मछलीपट्टनम से

करीब 900 किलोमीटर की दूरी पर है। कल तक यानी शनिवार तक यह निम्न दवाब का क्षेत्र गहरे दबाव के क्षेत्र में बदल जाएगा। इसके अलावा यह एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके 4 दिसंबर को चेन्नई और मछलीपट्टनम के बीच से गुजरने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार इस तूफान के चलते तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 45-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी और भारी बारिश हो सकती है। 4 दिसंबर को चेन्नई में अलग-अलग हिस्सों, चेंगलपट्ट, कांचीपुरम और तिरुवल्लुर जिले में तेज बरसात हो सकती है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में 4 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम बने रहने का अनुमान है।

दिल्ली वक्फ बोर्ड में भर्ती से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तीन आरोपितों की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में भर्ती से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार तीन आरोपितों की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है। तीनों आरोपितों की आज न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी जिसके बाद उनको कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने 17 नवंबर को तीन आरोपितों जिशान हैदर, दाऊद नासिर और जावेद इमाम सिद्दिकी को आज तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। कोर्ट ने 16 नवंबर को तीनों की ईडी हिरासत 17 नवंबर तक के लिए बढ़ाया था। तीनों को 11 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने इस मामले में पिछले दिनों आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के 13 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सीबीआई ने 23 नवंबर 2016 को

एफआईआर दर्ज की थी। जांच के बाद सीबीआई ने 21 अगस्त 2022 को चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई के मुताबिक दिल्ली वक्फ बोर्ड के सीईओ और संविदा पर दूसरी नियुक्तियों में गड़बड़ियां की गईं। चार्जशीट में कहा गया है कि इन नियुक्तियों के लिए अमानतुल्लाह खान ने महबूब आलम और दूसरे आरोपितों के साथ साजिश रची जिन्हें वक्फ बोर्ड में विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया था। चार्जशीट के मुताबिक इन नियुक्तियों में मनमानी की गई और अमानतुल्लाह खान और महबूब आलम ने अपने पद का दुरुपयोग किया।

दिल्ली हाई कोर्ट की समान नागरिक संहिता की मांग पर लॉ कमीशन के पास जाने की सलाह

नई दिल्ली, (हि.स.) । दिल्ली हाई कोर्ट ने समान नागरिक संहिता की मांग करने वाले याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वो लॉ कमीशन के पास जाएं। हाई कोर्ट के इस आदेश के बाद याचिकाकर्ता और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने याचिका वापस ले ली। इसके पहले भी अप्रैल में हाई कोर्ट ने अश्विनी उपाध्याय से कहा था कि प्रथम दृष्टया आपकी याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि हमें ये देखना है कि याचिका सुनवाई योग्य है कि नहीं। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को ये सूचित किया गया था कि मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने अश्विनी उपाध्याय की सभी धर्मों में तलाक, बच्चा गोद लेने और वसीयत की एक समान व्यवस्था की मांग पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कानून बनाना संसद का अधिकार है। हम इस पर आदेश नहीं दे सकते हैं। मई 2019 में हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। केंद्र सरकार ने इस मामले में हलफनामा दायर कर कहा था कि समान नागरिक संहिता को लागू करना संविधान के नीति निर्देशक तत्व के तहत नीतिगत मामला है और इसे लागू करने के लिए कोर्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं कर सकती है। केंद्र सरकार के हलफनामे में कहा गया था कि कानून को लागू करने का सार्वभौम अधिकार संसद को है। इसके लिए कोई दूसरा पक्ष संसद को निर्देश जारी नहीं कर सकता है। केंद्र सरकार ने कहा था कि इस मसले पर विस्तृत अध्ययन करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने लॉ कमीशन से आग्रह किया है कि वो विभिन्न समुदायों के लिए पर्सनल लॉ का अध्ययन कर जरुरी अनुशंसा करे। अश्विनी उपाध्याय की याचिका में कहा गया था कि संविधान की धारा 14, 15 और 44 की भावना को ध्यान में रखते हुए देश के सभी लोगों पर समान आचार संहिता लागू करने के लिए दिशा-निर्देश दिया जाए। याचिका में कहा गया था कि गोवा में कॉमन सिविल कोड 1965 से लागू है । ये कोड गोवा के हर नागरिक पर लागू होता है।

दो हजार के 97.26 फीसदी नोट बैंकिंग सिस्टम में लौटे : आरबीआई

नई दिल्ली, (हि.स.)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि 2 हजार रुपये के करीब 97.26 फीसदी नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं, लेकिन ऐसे 9,760 करोड़ रुपये मूल्य के करेंसी नोट अब भी जनता के पास मौजूद हैं। रिजर्व बैंक ने कहा है कि 2,000 रुपये के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर चलन में रहे 2,000 रुपये के करेंसी नोट का कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपये था। 30 नवंबर को यह घटकर 9,760 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में रहे दो हजार रुपये के कुल नोट में से 97.26 फीसदी नोट अब वापस आ चुके हैं। दो हजार के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के बैंक नोट को चलन से वापस लेने का ऐलान किया था। इन नोट को बदलने या बैंक खातों में जमा कराने

की समय-सीमा पहले 30 सितंबर थी, जिसें बढ़ाकर 7 अक्टूबर तक की गई थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने दो हजार रुपये के करेंसी नोट को बैंक शाखाओं में जमा और विनिमय दोनों सेवाएं सात अक्टूबर के बाद बंद कर दी थी। इसके बाद 8 अक्टूबर से लोगों को आरबीआई के 19 कार्यालयों में मुद्रा का आदान-प्रदान करने या उनके बैंक खातों में जमा करने का विकल्प मुहैया कराया गया था। यह 19 क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में स्थित हैं।

राघव चड्ढा के राज्यसभा से निलंबन मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 8 दिसंबर के लिए टली

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा की राज्यसभा से निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर 8 दिसंबर को सुनवाई करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि इस मुद्दे पर कुछ सकारात्मक हो रहा है। ऐसे में मामले की सुनवाई को कुछ दिन बाद किया जाए तो हो सकता है कि उसके बाद मामले पर सुनवाई की जरूरत ही न पड़े। इसके बाद चीफ जस्टिस ने मामले की सुनवाई 8 दिसंबर को नियत कर दी। कोर्ट ने 9 नवंबर को राघव चड्ढा से कहा था कि वह राज्यसभा के सभापति से मिल कर बिना शर्त माफी मांगें। उसके बाद सभापति इस आधार पर विचार कर

सकते हैं कि वह एक युवा सदस्य हैं। इस तरह उनके निलंबन को खत्म करने का रास्ता निकल सकता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की इस सलाह पर राघव चड्ढा की ओर से पेश वकील शादान फरासत ने भी सहमति जताई थी। राघव चड्ढा ने राज्यसभा से अपने निलंबन को चुनौती दी थी। अगस्त में उन्हें निलंबित किया गया था। पांच सांसदों की सहमति के बिना उनका नाम सेलेक्ट कमेटी के लिए प्रस्तावित करने के आरोप में उन्हें निलंबित किया गया था। मामला अभी संसद की विशेषाधिकार कमेटी के पास है।

सरकार ने कच्चे तेल पर फिर घटाया विंडफॉल टैक्स, नई दरें लागू

नई दिल्ली, (हि.स.)। सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में बड़ी कटौती की है। घरेलू कच्चे तेल पर 1,300 रुपये प्रति टन विंडफॉल टैक्स की कटौती हुई है। इससे पहले 16 नवंबर को सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की थी। नई दरें शुक्रवार से लागू हो गई हैं। सरकार के मुताबिक देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। इससे पहले 16 नवंबर को कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 9800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6300 रुपये प्रति टन किया गया था। अप्रत्याशित और औसत से अधिक लाभ कमाने वाली कंपनियों पर लगाए जाने वाले टैक्स को विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। इस टैक्स को लगाकर सरकार प्रॉफिट का कुछ हिस्सा अपने पास रखती है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से इसे लागू किया जाता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने

जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लागू किया था। सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम के आधार पर हर पखवाड़े कच्चे तेल के निर्यात पर टैक्स दर की समीक्षा करती है, जिसके आधार पर इसमें बदलाव किया जाता है।

राष्ट्रगान के अपमान पर भाजपा के 11 विधायकों के खिलाफ दो प्राथमिकी

कोलकाता, (हि.स.)। कथित तौर पर राष्ट्रगान के अपमान के आरोप में पुलिस ने भाजपा के 11 विधायकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दो अलग-अलग प्राथमिकी में विधायकों पर राष्ट्रगान और संविधान के अपमान का आरोप लगा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अधिकारी द्वारा दायर शिकायत के आधार पर ये मामला दर्ज किया गया है। लाल बाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय के हेयर स्ट्रीट थाने में प्राथमिक की दर्ज की गई है।

क्या है मामला - दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा में बुधवार शाम तृणमूल कांग्रेस और भाजपा विधायक एक-दूसरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। दोनों ओर से चोर-चोर के नारे लगाए जा रहे थे। तभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के विधायकों से राष्ट्रगान गाने के लिए कहा। भाजपा विधायकों पर आरोप है

कि जब मुख्यमंत्री समेत सत्ता पक्ष के विधायक राष्ट्रगान गा रहे थे तो वे खड़े नहीं हुए और चोर चोर का नारा लगाते रहे।

इसके बाद विधानसभा के एक अधिकारी की शिकायत पर गुरुवार को पुलिस ने विधायक सुदीप कुमार मुखर्जी, मालती रेवा रॉय, चंदना बाउरी, नीलाद्रि शेखर दाना, मिहिर गोस्वामी, मनोज कुमार उरांव, सुमन कांजीलाल, दीपक बर्मन, हिरण्मय चट्टोपाध्याय, मनोज तिग्गा और शंकर घोष पर प्राथमिकी दर्ज की है। इसके बाद शुक्रवार को इनमें से पांच विधायकों नीलाद्रि शेखर दाना, दीपक बर्मन, मनोज टिग्गा, शंकर घोष और सुदीप कुमार मुखर्जी के खिलाफ दूसरी प्राथमिकी दर्ज की गई। इन पर संविधान के अपमान का आरोप लगा है। भाजपा ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा है कि लोगों की आवाज उठाने की वजह से भाजपा विधायकों को परेशान किया जा रहा है।

न्यूज क्लिक के प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत 22 दिसंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने न्यूज क्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत 22 दिसंबर तक बढ़ा दी है। एडिशनल सेशंस जज हरदीप कौर ने ये आदेश दिया। प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो रही थी जिसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। इसके पहले कोर्ट ने 02 नवंबर को आज तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। 25 अक्टूबर को कोर्ट ने 02 नवंबर तक की पुलिस हिरासत में भेजा था। 20 अक्टूबर को कोर्ट ने दोनों को 25 अक्टूबर तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। 10 अक्टूबर को कोर्ट ने 20 अक्टूबर तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। प्रबीर

पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को दिल्ली पुलिस ने 03 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। दोनों को न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी खबर के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स में खबर छपी थी कि न्यूज क्लिक को चीनी प्रोपेगेंडा को बढ़ाने के लिए पैसे मिले हैं। खबर के मुताबिक अमेरिकी मिलियनेर नेविली रॉय सिंघम ने न्यूज क्लिक को चीनी प्रोपेगेंडा को बढ़ावा देने के लिए धन दिए। कोर्ट ने 03 अक्टूबर को प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को कोर्ट ने सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा था। तीन अक्टूबर को इस मामले में कई पत्रकारों, यूट्यूबर्स और कार्टूनिस्ट के यहां छापा डाला गया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था।

भाजपा सबसे धनी पार्टी.....वित्तीय वर्ष 2022-23 में मिला 720 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावों के दौरान काफी अच्छा चंदा मिला है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनियों, चुनाव ट्रस्ट, व्यक्ति और सांसदों पर जमकर और दिल खोलकर दान मिला है। भाजपा को कुल मिलाकर वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 720 करोड़ रुपये का चंदा मिला। भाजपा को इसके पहले वर्ष 2020-21 में 477 करोड़ रुपये का चंदा मिला था, जिसमें हर वर्ष बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस वर्ष अक्टूबर के महीने में ही निर्वाचन आयोग में चंदा रिपोर्ट को दाखिल किया गया है। निर्वाचन आयोग ने चंदा रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है। इस सार्वजनिक हुई रिपोर्ट के बाद सामने आया है कि सत्तारुढ़ दल भाजपा को साल 2022-23 के दौरान 719.83 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। इस हिसाब से भाजपा ही देश की सबसे धनी पार्टी बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारती एंटरप्राइजेज समर्थित प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने 254.75 करोड़ रुपये का चंदा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रस्ट द्वारा चंदा कई किस्तों में दिया गया। राजनीतिक दलों को हर साल एक वित्तीय वर्ष में 20,000 रुपये से अधिक का चंदा देने वालों का विवरण निर्वाचन आयोग को जमा करना होता है। बता दें कि चुनाव कानून प्रावधानों के मुताबिक 20 हजार रुपये से अधिक खर्च करने की अनुमति वाले चुनाव के लिए मिले चंदे की रिपोर्ट चुनाव आयोग को दाखिल करनी होती है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद से पार्टी के चंदे में इजाफा हुआ है। पार्टी उसके बाद से लगातार शीर्ष पर काबिज है।

सरकार नहीं खर्च कर पा रही पैसा, तो सप्लीमेंट्री बजट क्यों : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने अनुपूरक बजट को लेकर योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सरकार को महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं, गौशालाओं में मर रहे गोवंश, सड़कों के गड्ढों, बिजली समेत अन्य मुद्दों पर भी जमकर घेरा। अखिलेश ने सदन में अनुपूरक बजट पर योगी सरकार से पूछा कि जब पहले का धन ही सरकार खर्च नहीं कर पा रही है तो आखिरकार सप्लीमेंट्री बजट क्यों लाया गया। पहले बजट का लगभग 63 परसेंट पैसा खर्च नहीं हुआ है। सबसे महत्वपूर्ण विभाग पीडब्ल्यूडी है, उसमें अभी भी 65 परसेंट पैसा पड़ा हुआ है जो खर्च नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी का सपना दिखाया था क्या इस सप्लीमेंट्री बजट में स्मार्ट सिटी का कहीं स्थान है? मुझे तो यह लगता है कि पांच साल पहले का कार्यकाल और लगभग दो साल इस सरकार के पूरे होने जा रहे हैं, यह सरकार खुद महसूस कर गई है कि अब वो स्मार्ट सिटी नहीं बना सकती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब मुख्य बजट से डेवलपमेंट नहीं हुआ तो यह सप्लीमेंट्री बजट से कौन सा डेवलपमेंट हो जाएगा? जब आपके बजट की तुलना होती अन्य प्रदेशों से होती है तो 18वां स्थान है आपका। यह आंकड़े हम विपक्ष के लोगों के नहीं है। इस सरकार ने कोई भी एक जिला अस्पताल नहीं बनाया, जिसमें गरीबों को पूरा इलाज मिल जाए। ना नया बनाया ना पुराने अस्पतालों में सुधार किया। उसका परिणाम यह है कि गरीब को मजबूरी में प्राइवेट अस्पताल में जाना पड़ रहा है। सड़कों में गड्ढे हैं और गड्ढों में सड़क है, सरकार हिस्टोरिकल लूट कर रही है। पीडब्ल्यूडी विभाग में मंत्री के बनने के बाद तुरंत खेल हो गया। सरकार की नजर पड़ गई तो थोड़ा बहुत बचा होगा। सरकार बताए कि आप मेंटेनेंस और गड्ढा मुक्ति के लिए कितना पैसा खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकारी कहती थी कि समाजवादी सरकार में बनाया गया एक्सप्रेसवे घाटे का है। आज नेता सदन बताएं कि उनके पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे घाटे का है कि फायदे का है। आप भी इतने वर्षों के बाद अगर सबसे अच्छी राइडिंग क्वालिटी किसी एक्सप्रेसवे की है तो वह समाजवादियों का बनाया गया एक्सप्रेसवे है। अखिलेश यादव ने व्यंग्य करते हुए कहा कि घोड़ा समझ लेता है घुड़सवार कैसा है। अधिकारी भी समझ गए हैं कि सरकार कैसी है। इसलिए आपके कंट्रोल में नहीं है चीजें। कहां पहुंच गई है महंगाई, आखिरकार इसका मुनाफा कहां जा रहा है? किसकी जेब में जा रहा है? गोवंश भूखे मर रहे हैं क्योंकि गौशालाओं में सिर्फ भ्रष्टाचार हो रहा है, केवल लूट हो रही है। इसको चलाने वाले लोग भाजपा से जुड़े लोग हैं और अधिकारी मिलकर चारा पानी तक खा पी जा रहे हैं। बाजारों में सांड, सड़कों पर सांड, खेतों में सांड, किसान की कितनी जान जा चुकी है। आज 7 साल पूरे होने वाले है बताइए सरकार को बिजली का कोटा उत्तर प्रदेश में कितना बढ़कर मिला? जो मेट्रो चल रही है सब समाजवादियों की देन है। मुख्यमंत्री जी आप अपने यहां तो मेट्रो बना लो कहीं मेट्रो वाली बात वैसी तो नहीं है 46 में 56 वाली बात जैसी? किसानों को समस्या पर अखिलेश ने कहा कि जो यहां (सदन) पर खेती करने वाले लोग हैं। अगर कहीं धान खरीदा गया हो तो बता दो। जहां पर धान खरीद हो रही है वहां पर लगाइए सीसीटीवी, क्यों नहीं लगाते हैं आप। क्यों ट्रांसपेरेंसी नहीं चाहते हैं, क्यों कुछ ही लोगों से पूरा धान खरीदना चाहते हैं? सरकार ने किसानों की एक मंडी बनाई हो तो बता दें। इस सप्लीमेंट्री बजट में किसान के लिए क्या है? अखिलेश यादव ने कहा कि 41 मजदूर जो फंसे थे उनकी जान बची और उनको बचाने में जो-जो एजेंसी थी उनको बधाई, उनका धन्यवाद। लेकिन सबसे ज्यादा धन्यवाद और बधाई उन मजदूरों को जो रैट माइनर्स हैं, जो उस पाइप में घुसकर गए, और उन्हें बचा कर लेकर आए। ट्रिलियन इकोनॉमी का सपना दिखाने वाले, बड़ी-बड़ी डींगे हाकने वाले लोग क्या उन परिवारों की मदद नहीं करेंगे आप। उन्होंने कहा कि एक गरीब किसान से बीजेपी के लोगों ने जमीन लिखवा ली, छह करोड़ का उसको चेक दे दिया। उसके बाद कहा कि चेक में कुछ गड़बड़ी है वापस दे दो, उसका चेक फाड़ कर फेंक दिया। वह भटकता रहा, पुलिस के पास गया कोई अधिकारी नहीं बच्चा, उसने ऐसा कोई नहीं जिसका दरवाजा न खटखटाया हो, लेकिन उसको न्याय नहीं मिला और मजबूरी में उसने आत्महत्या कर ली। अखिलेश ने आखिर में जातीय जनगणना को लेकर कहा कि पूरा देश चाहता है कि जातीय जनगणना हो। अंततोगत्वा यह बीजेपी के लोग भी जातीय जनगणना में खड़े हो जाएंगे, देखिएगा। यह समय आएगा की बीजेपी के लोग भी कहेंगे कि जातीय जनगणना होनी चाहिए।

गौतम बुद्ध ने विश्व को दिया शान्ति का संदेश : राज्यपाल

सिद्धार्थनगर, (हि.स.)। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यह बुद्ध की पावन धरती है। मैं इस धरती को प्रणाम करती हूं। यहां पर गौतम बुद्ध ने विश्व को शान्ति का सन्देश दिया। यह भूमि देश-विदेश के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है। सप्तम दीक्षान्त समारोह के अवसर पर शुक्रवार को स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्र व छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप लोग शिक्षा प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन करें।समाज में परिवर्तन ला सकते हैं। अपने माता-पिता से प्रेरणा लेकर समाज को आगे बढ़ाने का काम करें। माता-पिता की सेवा करनी चाहिए। रात-दिन मेहनत करके माता-पिता हमें शिक्षा दिलाते हैं। हमारा दायित्व है कि हम अनन्तकाल तक उनकी सेवा करें। आज दहेज प्रथा हमारे समाज में एक अभिशाप है। दहेज के लिए बहुओं के साथ मारपीट करते हैं। हमें दहेज नहीं लेना चाहिए। अपनी बहुओं का सम्मान करना चाहिए। विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखना चाहिए। आज का युवा देश का भविष्य है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाना है। मुख्य अतिथि एवं कुलपति गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि अतीत काल से ही प्रकृति के सुरम्य आँचल में, पर्वत राज हिमालय की तलहटी में घने जंगलों से आच्छादित, शाक्यगण की राजधानी बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान बुद्ध के बाल्यकाल और यौवन को समेटे हुए इस सिद्धार्थ नगर की पवित्र भूमि को मैं नमन करता हूँ। सत्य, अहिंसा प्रेम और आध्यात्मिक ज्ञान से विश्व को आलोकित करने वाले भगवान बुद्ध के दर्शन और उपदेश की परम्परा और विरासत को सजोये हुए है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के साथ राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय शैक्षिक क्षितिज पर अपनी अलग पहचान बनाये हुए है। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह एक पावन समारोह होता है। सभी उपाधिधारकों का आह्वान करता हूं कि आप अपने जीवन में सदैव स्मरण रखें कि आपने ऐसे विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है, जिसकी स्थापना त्याग-तपस्या, हिंसा, करुणा और शांति के महान उपदेशक स्वयं भगवान बुद्ध के नाम पर हुई है। छात्र-छात्राओं आप याद रखें कि राजकुमार सिद्धार्थ गौतम ने भगवान बुद्ध बनकर अपने तपोनिष्ट जीवन के अनुभवों के आधार पर जिन आदर्शों को जीवत रखा और मानव कल्याण हेतु शिक्षा का सन्देश दिया आप भी उन आदर्शा को अपने जीवन में आत्मसात करेंगे। मुझे अतिशय प्रसन्नता है। डिग्री होल्डर, गोल्ड मेडलिस्ट, स्नातक एवं परास्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्नरातक एवं स्नातकोत्तर में कुल 46 स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

केंद्रीय एजेंसियों को भेजी जाएगी गैंगस्टरों की अवैध सम्पत्तियों की डिटेल

मुरादाबाद, (हि.स.)। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हुई स्पोर्ट्स व्यापारी कुशांक गुप्ता की हत्या और मझोला थाना क्षेत्र में सीए श्वेताभ तिवारी की हत्या और भाजपा नेता अनुज चौधरी की हत्या से पूरा जिला हिल गया था। इन हत्याकांडों को गिरोह बनाकर गैंगस्टरों ने अंजाम दिया था और अकूत धन अर्जित किया था। उन पर पुलिस लगातार लगाम कस रही है। अब पुलिस ऐसे गैंगस्टरों की सम्पत्ति का ब्योरा केंद्रीय एजेंसियों को भी भेजने की तैयारी कर रही है।

मुरादाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने बताया कि गैंगस्टरों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय एजेंसियों को भेजने की तैयारी है। इसके लिए तीव्र कार्रवाई की जा रही है। आयकर विभाग और अन्य एजेंसियां भी इनके सम्पत्तियों और आय के श्रोत की जांच करेगी। इसके अलावा कई अपराधी गिरोह बनाकर गोकशी, चोरी और ठगी जैसी घटनाओं को अंजाम देकर करोड़ों की सम्पत्ति अर्जित की है। बीते एक साल में मुरादाबाद पुलिस ने लगभग 23 गैंगस्टरों की करीब 15 करोड़ रुपये की सम्पत्ति जब्त की है। इसमें सर्वाधिक 11.03 करोड़ की सम्पत्ति हिस्ट्रीशीटर गैंगस्टर पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक की है। जिसके खिलाफ अभी भी जब्तीकरण की कार्रवाई जारी है। ललित कौशिक के पास मात्र कुछ सालों में इतनी अधिक सम्पत्ति कैसे आई इसकी जानकारी कोई नहीं दे सका। इसलिए पुलिस की रिपोर्ट के बाद जिलाधिकारी ने जब्तीकरण के आदेश दिए।

उत्तर प्रदेश में अल्पविकसित वी मलिन बस्तियों के विकास पर योगी सरकार का फोकस

– सीएम योगी के विजन अनुसार प्रदेश की बस्तियों में 98 कार्यों के जरिए कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश को विकास व उन्नति के नए पथ की ओर अग्रसर कर रही योगी सरकार प्रदेश में अल्प विकसित व मलिन बस्तियों में विकास कार्यों को पूर्ण करने पर भी फोकस कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकास की बयार को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई थी, जिसको क्रियान्वित करते हुए अब प्रदेश में 98 विकास कार्यों के जरिए कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत अमरोहा तथा देवरिया में 28 व फरुर्खाबाद, अयोध्या, मीरजापुर, पीलीभीत व गाजियाबाद में 70 विकास कार्यों को पूर्ण करने का रास्ता साफ हो गया है। इस क्रम में, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है तथा शासन से भी धनराशि आवंटन के अंतर्गत पहली किस्त जारी करने की प्रक्रिया को प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति दे दी गई है। मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत अमरोहा तथा देवरिया में जिन 28 विकास योजनाओं की पूर्ति को हरी झंडी मिल गई है। उनमें अमरोहा नगर पालिका परिषद के अंतर्गत आने वाले हसनपुर, अमरोहा व गजरौला क्षेत्रों में 6 विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। वहीं, देवरिया के सलेमपुर, रुद्रपुर, भलुअनी, रामपुर कारखाना व गौराबरहज में कुल 22 इंटरलॉकिंग, सीसी रोड व नाली निर्माण की अलग-अलग परियोजनाओं के लिए 6.89 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इसमें से पहली किस्त पर 75 प्रतिशत धनराशि आवंटन का मार्ग प्रशस्त करते हुए कुल 5.17 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। अमरोहा में विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए 1.59 करोड़ रुपए के सापेक्ष 1.19 करोड़ तथा देवरिया में 5.30 करोड़ रुपए के सापेक्ष 3.98 करोड़ रुपए की धनराशि पहली किस्त के तौर पर जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत फरुर्खाबाद, अयोध्या, मीरजापुर, पीलीभीत व गाजियाबाद में 70 विकास परियोजनाओं को पूर्ण करने की भी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए 12.03 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है।

जिसमें से पहली किस्त 40 प्रतिशत यानी 4.81 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। इसमें फरुर्खाबाद में कुल 14 अलग-अलग परियोजनाओं की पूर्ति के लिए 7.7 करोड़ रुपए के सापेक्ष 3.1 करोड़ रुपए, अयोध्या में कुल 15 परियोजनाओं के लिए 1.35 करोड़ रुपए के सापेक्ष 54 लाख रुपए, मीरजापुर में 3 परियोजनाओं के लिए 91.12 लाख रुपए के सापेक्ष 36.44 लाख, पीलीभीत में 9 परियोजनाओं के लिए 1.12 करोड़ रुपए के सापेक्ष 45.09 लाख रुपए तथा गाजियाबाद में 29 परियोजनाओं के लिए 6.05 करोड़ रुपए के सापेक्ष 2.42 करोड़ रुपए की धनराशि पहली किस्त के तौर पर जारी कर दी गई है।

गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील पासवान के मामले की हाई कोर्ट में अगली सुनवाई चार को

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को गिरिडीह के बर्खास्त मेयर सुनील कुमार पासवान की ओर से उनके जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए रद्द करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई हुई। मामले में मेंटिबिलिटी (याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं) पर सुनवाई जारी रही। राज्य सरकार की ओर से समय की मांग की गई। इसके बाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अगली सुनवाई 4 दिसम्बर निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पैरवी की। प्रार्थी की ओर से हाई कोर्ट को बताया गया था कि इनके पिता वर्ष 1982-83 में सरकारी सेवा पर रहते हुए सचिव, व्यापार मंडल गिरिडीह के पद पर थे। प्रार्थी की शिक्षा- दीक्षा एवं लालन पालन गिरिडीह में ही हुआ है। इस दौरान गिरिडीह के सक्षम प्राधिकार द्वारा इनका जाति प्रमाण पत्र भी निर्गत किया गया था। इन्होंने मुखिया का चुनाव सहित कुछ अन्य जनप्रतिनिधि का इलेक्शन लड़ा था लेकिन उनके जाति प्रमाण पत्र पर सवाल नहीं उठाया गया था। मेयर का चुनाव लड़ने के बाद जाति प्रमाण पत्र पर सवाल उठाया गया। एकीकृत बिहार के समय से वह गिरिडीह में ही थे। इसलिए अनुसूचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र पर उनके द्वारा मेयर का चुनाव लड़ने का आरोप गलत है। उन्हें मेयर पद के अयोग्य घोषित किया जाना गलत निर्णय था।

एकल पीठ ने इस संबंध में प्रार्थी सुनील कुमार पासवान की रिट याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी एसएलपी खारिज कर दी थी। इसके बाद उनकी ओर से खंडपीठ में अपील दायर की गई है। उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित गिरिडीह नगर निगम के मेयर पद पर सुनील कुमार पासवान का चयन वर्ष 2018 में हुआ था। उनके खिलाफ झामुमो कार्यकर्ता ने उनके जाति प्रमाण पत्र को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग की थी। इसके बाद गिरिडीह डीसी ने जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए रद्द कर दिया था। डीसी ने दो दिसम्बर, 2019 को पत्र के माध्यम से सरकार को बताया कि प्रमाण पत्र में अंकित मूल निवास स्थान प्रमाणित नहीं होने के कारण यह कार्रवाई की गई है। बाद में झारखंड नगर पालिका निर्वाचित प्रतिनिधि नियमावली 2020 के प्रावधानों के तहत पासवान को पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

पांच राज्यों के एक्जिट पोल भाजपा के लिए उत्साहजनक : अर्जुन मुंडा

गिरिडीह, (हि.स.)। जैन धर्मावलंबियों के नवनिर्मित चंद्रप्रभु मंदिर के लोकार्पण समारोह में शुक्रवार को शामिल होने पहुंचे केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बराकर नदी तट पर स्थित चंद्रप्रभु मंदिर के लोकार्पण समारोह में शामिल होना उनके लिए सुखद अनुभव रहा। केन्द्रीय मंत्री ने पांच राज्यों के चुनाव के बाद आए एग्जिट पोल पर कहा कि भाजपा जनता और ईवीएम पर भरोसा करती है। इस बार भी पांच राज्यों का चुनाव ने जो संकेत दिया है वो भाजपा को मजबूती व उत्साह जनक हैं। ईवीएम के हैक और भाजपा के क्लीन स्वीप से जुड़े सवालों का कोई सीधा जवाब देने के बजाय केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि ईवीएम खुलने का इंतजार है। सीएम हेमंत सोरेन द्वारा भाजपा को कारोबारियों का जमात बताने से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हेमंत सरकार की करनी को जनता देख रही है। आने वाले चुनाव में हेमंत सरकार को जनता का जवाब मिलना तय है। इससे पूर्व गुजरात के नंद प्रसाद परिवार द्वारा नवनिर्मित चंद्रप्रभु मंदिर के लोकार्पण समारोह को भव्य बनाने के लिए मंदिर प्रबंधन समिति ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें गुजरात से आए कलाकारों ने धार्मिक भजनों पर नृत्य किया। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु की भीड़ जुटी हुई थी। उल्लेखनीय है कि 50 करोड़ की लागत से बने चंद्रप्रभु मंदिर में राजस्थान के जयपुर के तर्ज पर 32 रोशनदान वाला हवामहल का निर्माण हुआ है। नदी तट पर ही नौका का निर्माण किया गया है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, जिला महामंत्री संदीप डंगाईच, सुभाष चंद्र सिन्हा के साथ भाजपा नेता विनय सिंह, नवीन सिन्हा, नवनीत सिंह, अरविंद बरनवाल, श्याम प्रसाद गुप्ता, भाजपा नेता शालिनी वैशखियार, विनीता कुमारी, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बकाया मांगने पर रंगदार की तरह व्यवहार करती है केन्द्र सरकार : मुख्यमंत्री

पलामू , (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को बगैर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए आरोप लगाया कि राज्य की बकाया राशि मांगने पर केंद्र सरकार रंगदार जैसा व्यवहार करती है, जो जनतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध है। मुख्यमंत्री मेदिनीनगर के पुलिस स्टेडियम में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पर एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये की राशि बकाया है और इसकी मांग किए जाने पर रंगदार सा बर्ताव झारखंड से किया जाता है। हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में क्रियान्वित प्रधानमंत्री आवास के तहत देय राशि रोक दी है। मजबूरन इस कमी को पूरा करने के लिए उनकी सरकार को अबुवा आवास योजना को लागू करने के लिए विवश होना पड़ा, ताकि कोई परिवार गृह विहीन नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दरअसल भारतीय जनता पार्टी के साथ अमीर लोगों की जमात है और वह उनके हित के लिए काम करती है। भाजपा की मौजूदा राजनीति में पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक के लिए कोई जगह नहीं है।

क्योंकि, यह पार्टी पूंजीवाद को प्रश्रय देने वाली विचारधारा का प्रतिनिधित्व करती है, जहां घोर गलाकाट प्रतिस्पर्धा है। केंद्र सरकार रेलवे स्टेशन, बंदरगाह, होटल, सार्वजनिक उपक्रमों को पूंजीपतियों के हाथों में बेचकर आम लोगों को बर्बाद करने की पृष्ठभूमि तैयार कर रही है, जो हमें बर्दाश्त नहीं है। इसका जमकर विरोध किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2021 और 2022 के बाद यह कार्यक्रम पुनः क्रियान्वित किया जा रहा है ताकि तत्काल जरूरतमंदों की समस्या हल हो और वृद्धावस्था पेंशन, मवेशी पालन, रोजगार, शिक्षा वगैरह में आमलोगों को सहायता मिल सके। तीसरे चरण का यह 6वां कार्यक्रम यह है। इस मौके पर राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख भी मौजूद थे।

वह दिन दूर नहीं जब देश वामपंथी उग्रवाद से पूरी तरह मुक्त होगा : अमित शाह

हजारीबाग (झारखंड), (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज वे झारखंड में हैं। कल ही उन्होंने देशभर में वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर जो लड़ाई चल रही है उसकी समीक्षा की। वे देश की जनता को बताना चाहते हैं वह दिन दूर नहीं जब देश वामपंथी उग्रवाद से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री शुक्रवार को हजारीबाग के मेरु स्थित सीमा सुरक्षा बल केंद्र में बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि आज वे विश्वास से कह रहे हैं कि विगत 10 वर्षों में भारत सरकार के प्रयास से हिंसा की घटना में कमी आई है। वामपंथी उग्रवाद सिमटता जा रहा है। हिंसा पर प्रहार करने के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी तीनों तैयार हैं। हम आने वाले दिनों में वामपंथी के उग्रवाद से देश को मुक्त करने के लिए कटिबद्ध हैं। ये बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बलों का ही प्रयास है कि बुढ़ापहाड़ को उग्रवाद से मुक्त करने के लिए सफलता मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बीएसएफ के जवानों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 'जीवन पर्यन्त कर्तव्य' केवल बीएसएफ का घोष वाक्य नहीं है, बल्कि अपने आप को चरितार्थ भी किया है। साथ ही कहा कि बीएसएफ के लाखों सीमा प्रहरियों ने अपने जीवन का स्वर्णकाल 40 डिग्री सेल्सियस से लेकर 45 डिग्री सेल्सियस के रेगिस्तान में, कहीं हरामी नाला की दलदलों में तो कहीं बंगाल की सुंदरनगर के जल में बिताया है।

परिवार से दूर रहकर दुर्गम सीमाओं की सुरक्षा जिस तरह से बीएसएफ ने सुनिश्चित की है। शाह ने कहा कि पूरा देश बीएसएफ के जवानों को सलाम करता है और नाज करता है। आपके मोर्चा संभालने के बाद किसी को देश सीमा की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप देश की सीमाओं की रक्षा की प्रथम पंक्ति के प्रहरी हैं। आप दिवाली का दीया सरहद पर जलाते हो, होली सरहद पर मानते हो। आप सीमा पर होते हैं तभी हम घरों में सुकून से रह पाते हैं। जिस देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं होती है वह देश कभी विकसित नहीं हो सकता। पूरा देश और विशेषकर मैं गृह मंत्री आप पर बहुत नाज करता हूं, गर्व करता हूं शाह ने कहा कि आज यहां पर वीरता के लिए पदक भी दिए गए। पांच शहीदों को मरणोपरांत पदक दिए गए। उन्होंने कहा कि शहीद के परिवारों को मैं कहना चाहता हूं कि आपके परिवार का जो नुकसान हुआ उसकी कोई भरपाई नहीं है लेकिन 130 करोड़ की जनता आपके परिवार के बलिदान पर हमेशा गर्व करती है। हमेशा यह इतिहास के पन्नों पर दर्ज रहेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। चाहे चांद पर चंद्रयान पहुंचना हो, चाहे जी-20 की बैठक में देश के ध्वज को समस्त विश्व में लहराना हो। चाहे हमारी अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंचाना हो। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। जब-जब भी देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई सीमा सुरक्षा को हमने प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा, विकास और लोकतंत्र की प्रक्रिया तीनों को बढ़ावा दिया गया। सीमा के क्षेत्र में हजार करोड़ की बजट के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की शुरूआत हुई। सीमा वाले क्षेत्र में अनेक कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत हुई।

देश के आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा है बिहार का अवैध मस्जिद और मदरसा : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के सीमांचल में तेजी से बढ़ रहे अवैध मस्जिद और अवैध मदरसा को लेकर बिहार सरकार से तत्काल इस पर रोक लगाने की मांग मुख्यमंत्री से किया है। गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कहा है कि बिहार सरकार तत्काल मदरसों पर रोक लगाएं। सीमांचल की हालत देखकर लगता है कि ना धर्म बचेगा और ना ही धन। बिहार में लगभग तीन हजार मदरसे हैं, उन सभी की जांच होनी चाहिए। धार्मिक ब्रेनवाश की जगह प्रगतिशील शिक्षा दी जानी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में अवैध मस्जिद और अवैध मदरसों की बाढ़ आ गई है। बिहार, बांग्लादेश और नेपाल के बॉर्डर से सटा हुआ है। इन बॉर्डर सीमांचल इलाकों में और अधिक कब्जा हो गया है। यह सिर्फ बिहार ही नहीं, देश के आंतरिक सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है।

पीएफआई बिहार में काफी सक्रिय है, बिहार में मुसलमान की आबादी 18 प्रतिशत है। इस अवैध कब्जे को बंद कर मस्जिदों में विज्ञान की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तुरंत कार्रवाई करते हुए इस अवैध मस्जिद और मदरसों को बंद कराएं। वोट के लालच में बहुत हो गया है। नीतीश कुमार अब बिहार और देश के आंतरिक खतरों पर विचार करें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में बिहार के लोगों का धर्म, धन और संस्कृति खतरा में पड़ जाएगा। इसके लिए दोषी होंगे नीतीश कुमार और लालू यादव। नीतीश कुमार तुष्टिकरण की इस निंद्रा से उठें और देश को आंतरिक सुरक्षा के खतरा से सुरक्षित करें।

संपादकीया

मौत की सुरंगें

उत्तराखंड की उत्तरकाशी सुरंग के निर्माण से जुड़ी अनियमितताओं और अहम शर्तों, प्रावधानों की अनदेखी पर सवाल करना उतना ही उचित है, जितना फंसे 41 मजदूरों की जिंदगियां बचाना जरूरी था। चूंकि सर्वोच्च अदालत उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में सुरंग बनाने और मार्गों के विस्तार के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसके फैसले आते रहे हैं कि निर्माण-कार्य, मानकों की तुलना में, घटिया स्तर के हैं, लिहाजा पहाड़ और मानवीय जीवन लगातार खतरे में बने रहे हैं। सर्वोच्च अदालत ने फैसलों के अलावा, विशेषज्ञ समितियां भी बनाईं, लेकिन सभी के निष्कर्ष कमोबेश यही रहे हैं। अलबत्ता वे पहाड़ में निर्माण और खुदाई के खिलाफ नहीं थीं। उत्तराखंड में औसतन 6 करोड़ पर्यटक सालाना जाते हैं, जिनसे करीब 15,000 करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है। उनमें काफी पर्यटक चारधाम की यात्रा भी करते हैं, लिहाजा वे सुरंगों को पार करके ही केदारनाथ, बद्रीनाथ तक जा सकते हैं। क्या इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी को जोखिम में धकेला जा सकता है? विवादित सुरंग के संदर्भ में सबसे अहम सवाल 'आपातकालीन निकास मार्ग' का है। विपक्ष ने भी ये सवाल उठाए हैं। वे गलत नहीं हैं। फंसे हुए मजदूर बाहर निकाले जा चुके हैं। 'चूहा खनिकों' को पुरस्कार के तौर पर 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की जा चुकी है। विपक्ष की राजनीति को एक तरफ रख भी दें, तो सुरंग की योजना से स्पष्ट हो जाता है कि ऐसे 3 निकास-मार्ग बनाए जाने थे, लेकिन कंपनी ने आज तक एक भी मार्ग और द्वार नहीं बनाया है। विशेषज्ञों ने भी निरीक्षण में अनदेखी बरती है, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाए। यह तथ्य भी उजागर हुआ है कि सुरंग परियोजना की डीपीआर और निर्माण-कार्य में गहरे अंतर हैं। फिलहाल निर्माण कंपनियां और केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्रालय आदि खामोश हैं। यदि सरकारी वेबसाइट पर निर्माण-योजना को पढ़ें, तो स्पष्ट होगा कि यह तय किया गया था कि सुरंग, बाहर निकलने का रास्ता और अप्रोच रोड 8 जुलाई, 2022 तक बन जाएंगे। इस परियोजना पर काम जुलाई, 2018 में शुरू किया गया था, लेकिन अभी तक करीब 56 फीसदी काम ही हो पाया है। उस पर मजदूरों के फंसने का हादसा हो गया। कुछ मजदूरों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ संवाद के दौरान यह कहा है कि अब वे उस सुरंग में काम नहीं करेंगे। यदि वाकई ऐसा होता है, तो यह परियोजना लटक कर रह सकती है, क्योंकि मजदूरों की मनोस्थिति जंगल में आग की तरह फैलती है। बहरहाल अगली डेडलाइन मई, 2024 तय की गई है, जब देश में लोकसभा चुनाव होंगे।

> सर्वोच्च अदालत उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में सुरंग बनाने और मार्गों के विस्तार के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसके फैसले आते रहे हैं कि निर्माण-कार्य, मानकों की तुलना में, घटिया स्तर के हैं, लिहाजा पहाड़ और मानवीय जीवन लगातार खतरे में बने रहे हैं। सर्वोच्च अदालत ने फैसलों के अलावा, विशेषज्ञ समितियां भी बनाईं, लेकिन सभी के निष्कर्ष कमोबेश यही रहे हैं। अलबत्ता वे पहाड़ में निर्माण और खुदाई के खिलाफ नहीं थीं। उत्तराखंड में औसतन 6 करोड़ पर्यटक सालाना जाते हैं, जिनसे करीब 15,000 करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है। उनमें काफी पर्यटक चारधाम की यात्रा भी करते हैं, लिहाजा वे सुरंगों को पार करके ही केदारनाथ, बद्रीनाथ तक जा सकते हैं। क्या इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी को जोखिम में धकेला जा सकता है? विवादित सुरंग के संदर्भ में सबसे अहम सवाल 'आपातकालीन निकास मार्ग' का है। विपक्ष ने भी ये सवाल उठाए हैं। वे गलत नहीं हैं। फंसे हुए मजदूर बाहर निकाले जा चुके हैं। 'चूहा खनिकों' को पुरस्कार के तौर पर 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की जा चुकी है। विपक्ष की राजनीति को एक तरफ रख भी दें, तो सुरंग की योजना से स्पष्ट हो जाता है कि ऐसे 3 निकास-मार्ग बनाए जाने थे, लेकिन कंपनी ने आज तक एक भी मार्ग और द्वार नहीं बनाया है।

हकीकत यह है कि सुरंग में बचाव का कोई भी रास्ता आज तक नहीं बनाया गया है। कंपनी की अपनी दलील है कि इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि दोनों लेन के बीच दीवार है। उसमें 'आपातकालीन निकास द्वार' का प्रावधान है। एक से दूसरी तरफ आया-जाया जा सकता है, लेकिन यह भी हकीकत सामने आई है कि सुरंग में कहीं भी निकास-द्वार अभी तक नहीं बनाया गया है। सुरंग के खोदे गए हिस्से में भी 'सुरक्षा-पाइप' नहीं डाले गए हैं। इस परियोजना से जुड़े प्रबंधकों की सफाई है कि कमजोर स्थानों पर 'सुरक्षा-पाइप' का इस्तेमाल करने की योजना थी, लेकिन किसी को भी एहसास नहीं था कि ऐसा हादसा होगा! खतरों और हादसों के भी एहसास होते हैं क्या? पर्यावरण संबंधी सरोकार सर्वोच्च अदालत ने भी जताए थे। आज भी ये चिंताएं अपनी जगह मौजूद हैं। निर्माण से जुड़ी 10 कंपनियों में से जिस 'नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड' को 853.79 करोड़ रुपए का उप-ठेका दिया गया, उसके दामन पर हादसों और मौतों के दाग पहले से ही हैं। फिर भी यह ठेका दिया गया, लिहाजा यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है। हादसे की जांच समिति का नेतृत्व निदेशक, भूस्खलन शमन और प्रबंधन केंद्र, उत्तराखंड कर रहे हैं। समिति में किसी भी भू-विज्ञानी को नहीं रखा गया है। सिर्फ 6 इंजीनियर हैं और श्रमिक संघ या स्वतंत्र विशेषज्ञ भी नहीं हैं। जांच समिति भी सवालों में है। 'चूहा-खनिकों' के मेहनताने का मुद्दा भी उठा है। इससे जुड़े कानून कागजों पर तो हैं, लेकिन कोई भी नियामक या आयोग नहीं है।

कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने किसी निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर लगाए थे

अमरीका-कनाडा में उग्रवादियों को संरक्षण

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> कनाडा से भारत को आ रहा एयर इंडिया का एक जहाज कनाडा के आतंकवादियों ने आसमान में ही बम विस्फोट से उड़ा दिया था जिसमें 380 यात्री मारे गए थे। ऐसा माना जाता है कि कनाडा सरकार ने जांच में अपराधियों की मदद ज्यादा की, उन्हें कटघरे में खड़ा करने में कम रुचि ली। अब पन्नू की इसी प्रकार की नई धमकियां आने पर पुराने रिकार्ड को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने केस दर्ज कर जांच शुरू की तो अमेरिका के एक अखबार ने अपने विश्वस्त सूत्रों के हवाले से खबर छापी है कि अमेरिका के एक अलगाववादी आतंकवादी गुरपतवन्त सिंह पन्नू को मारने की भारत की एक साजिश को नाकाम कर दिया।

अमेरिका का एक नागरिक गुरपतवन्त पन्नू लम्बे अरसे से वहीं बैठ कर भारत में आतंकवादी गतिविधियों को विविध तरीकों से संचालित करने में लगा हुआ है। उसे अमेरिका और कनाडा दोनों ने ही अपने अपने देशों की नागरिकता दे रखी है। ऐसा भी कहा जाता है कि दोनों देशों की सरकारें उसे संरक्षण भी देती हैं। वह कनाडा के नागरिकों को साथ लेकर जनमत संग्रह करवा रहा है कि भारत को विभाजित करके क्या पाकिस्तान की तरह एक और नए देश का निर्माण किया जाना चाहिए या नहीं? इस काम के लिए कनाडा की सरकार उसकी प्रत्यक्ष परोक्ष सहायता करती है। यह कुछ इसी प्रकार का मामला है कि भारत कि कोई संस्था भारतीय नागरिकों से जनमत संग्रह करवाना शुरू कर दे कि टरांटो को कनाडा से अलग कर नया देश बनाना चाहिए या फिर कैलिफोर्निया को यूएसए से अलग कर नया देश बनाना चाहिए या नहीं? इस जनमत संग्रह में यदि भारत सरकार परोक्ष रूप से भी सहायता करना शुरू कर दे तो कनाडा या यूएसए इसको किस लिहाज से देखेंगे? पन्नू के खिलाफ भारत में आपराधिक मामले लम्बित हैं। पिछले कुछ दिनों से वह लोगों को धमकी दे रहा है कि वे एअर एंडिया से यात्रा न करें, इससे उनकी जान खतरे में पड़ जाएगी। इस प्रकार का एक कांड पहले हो भी चुका है जब कनाडा से भारत को आ रहा एयर इंडिया का एक जहाज कनाडा के आतंकवादियों ने आसमान में ही बम विस्फोट से उड़ा दिया था जिसमें 380 यात्री मारे गए थे। ऐसा माना जाता है कि कनाडा सरकार ने जांच में अपराधियों की मदद ज्यादा की, उन्हें कटघरे में खड़ा करने में कम रुचि ली। अब पन्नू की इसी प्रकार की नई धमकियां आने पर पुराने रिकार्ड को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने केस दर्ज कर जांच शुरू की तो अमेरिका के एक अखबार ने अपने विश्वस्त सूत्रों के हवाले से खबर छापी है कि अमेरिका के एक अलगाववादी आतंकवादी गुरपतवन्त सिंह पन्नू को मारने की भारत की एक साजिश को नाकाम कर दिया। अखबार के अनुसार यह साजिश जून महीने में नाकाम की गई थी और न्यूयार्क के एक न्यायालय में इस संबंधी एक केस भी दर्ज है। उसने यह भी ख़ुलासा किया कि अपराधी देश से बाहर चला गया है। आरोप लगभग वैसे ही हैं जैसे कुछ समय पहले कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने किसी निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर लगाए थे। अन्तर केवल इतना ही है कि निज्जर के बारे में आरोप कनाडा के प्रधानमंत्री ने स्वयं लगाए, लेकिन अमेरिका ने इसके लिए एक अखबार को माध्यम बनाया। दोनों मामलों में निरन्तरता को ध्यान में रख लेना चाहिए। वैसे कनाडा का यह भी कहना है कि निज्जर की हत्या में भारत की तथाकथित संलिप्तता के सबूत उन्हें भी अमेरिका में ही मुहैया करवाए थे। यह अलग बात है कि लाख कहने पर भी कनाडा सरकार वे सबूत भारत सरकार को नहीं दे रही ताकि भारत उसकी जांच करवा सके। लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न

यह है कि एयर इंडिया को लेकर धमकियां देने वाले पन्नू के पक्ष में अमेरिका सरकार अचानक उतनी उतावली क्यों हो गई है? पन्नू की हत्या की तथाकथित साजिश को नाकाम कर देने वाला मामला जो उनके अनुसार जून का है, अचानक एक अखबार के माध्यम से नवम्बर में सार्वजनिक करने की जरूरत वाशिंगटन को क्यों पड़ी? अब यह रहस्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत में अलगाववादी व आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त कुछ लोगों को कनाडा व यूएसए सरकार अपने देश की नागरिकता प्रदान कर उनका संरक्षण करती है। जैसे ही अमेरिका को आभास हुआ कि भारत सरकार अपने यहां के आपराधिक मामलों के लिए पन्नू के प्रत्यर्पण की मांग कर सकती है, उसने तुरन्त अपने यहां के न्यायालय में पन्नू का तथाकथित हत्या की साजिश का मामला दर्ज कर भारत को ही दोषी ठहराने का काम शुरू कर दिया। कचहरी में जो मुक़द्दमा दर्ज किया गया है कि किसी गुप्ता ने पन्नू को मारने के लिए अमेरिका में किसी भाड़े के हत्यारे को पैसे दिए। लेकिन वह भाड़े का हत्यारा अमेरिका की पुलिस का ही आदमी था। उसने पुलिस को बता कर हत्या की यह योजना फेल कर दी। इस सारी तिलस्मी कथा से यह तो पता चल ही गया है कि पन्नू को अमेरिका और कनाडा सरकार पाल रही है और वह इन्हीं सरकारों के कहने पर भारत विरोधी गतिविधियों का संचालन करता है। यह सारा मामला कुछ कुछ सैयद गुलाम नबी फाई जैसा बनता जा रहा है। पाठकों को ध्यान में ही होगा कि भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक सैयद गुलाम नबी फाई ने अमेरिका में कश्मीर अमेरिकी परिषद बना रखी थी। वह इसके माध्यम से कश्मीर को लेकर भारत विरोधी प्रचार में लगा रहता था। उसके सेमिनारों में भारत के भी कुछ ख्याति प्राप्त पत्रकार जोश खरोश से हिस्सा लिया करते थे। फाई को और उसकी परिषद को अमेरिका सरकार का पूरा संरक्षण प्राप्त था। लेकिन इसके साथ ही उसे पाकिस्तान सरकार से भी सहायता मिलती थी। अमेरिका की सरकार के लिए यह कोई रहस्य नहीं था। कश्मीर के मामले में उस समय अमेरिका भी पाकिस्तान के साथ ही था। भारत सरकार का मानना था कि फाई कश्मीर में आतंकी गतिविधियों का भी संचालन करता है। अमेरिका सरकार को लगा कि भारत अमेरिका से से फाई के प्रत्यर्पण की मांग कर सकता है ताकि उसकी जांच की जा सके। ऐसी स्थिति में अमेरिका के लिए अपना बचाव करना मुश्किल हो जाता। इसलिए अमेरिका ने आनन-फानन में फाई को गिरफ्तार कर लिया। उस पर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करने के लिए पाकिस्तान से पैसे लेने के आरोप लगाए। एक आरोप यह भी लगाया कि वह पीएचडी नहीं है, लेकिन उसके बावजूद अपने नाम के आगे डाक्टर लिखता है। कचहरी ने उसे अपने घर में ही रहने की शर्त पर जमानत दे दी। फाई ने तुरन्त सभी आरोपों को स्वीकार कर लिया। उसे कुछ साल की सजा हुई। लेकिन उसे सजा काटनी नहीं पड़ी। सरकार ने न्यायालय में कहा कि उसने घर में रहकर जो सजा काटी है वह भी उसे दी कुल सजा में से निकाल दी जाए। स्वाभाविक ही न्यायालय ने यह प्रार्थना स्वीकार कर ली। उसके बाद सरकार ने कहा कि फाई ने जांच में जरूरत से भी ज्यादा सहयोग किया है, इसलिए उसकी सजा और कम कर दी जाए। क़िस्सा कोताह यह कि सैयद गुलाम नबी फाई को कुल मिला कर सोलह महीने सजा काटनी पड़ी, उसमें वे महीने भी शामिल थे जो उसने जमानत मिलने पर घर में रह कर काटे थे। जेल से बाहर निकल कर वह एक बार फिर कश्मीर को लेकर भारत विरोधी कामों में जुट गया था। लगभग वही तकनीक कनाडा और अमेरिका एक बार फिर भारत विरोधी आतंकवादियों को पालने पोसने और क़ानून के अनुसार भारत में दी जाने वाली सजा से बचाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। गुरपतवन्त पन्नू का मामला कुछ इसी प्रकार का मालूम हो रहा है। भारत ने भी इस पूरे प्रकरण में जांच शुरू कर दी है। लेकिन दुर्भाग्य है कि कनाडा इसमें सहयोग नहीं दे रहा है। कहा जाता है कि अमेरिका इसमें सहयोग करने के लिए तैयार है, लेकिन पन्नू की गतिविधियों की कितनी जानकारी वह भारत को मुहैया करवाएगा, इसकी प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु इसे संयोग ही कहना चाहिए कि जिस समय अमेरिका भारत पर आरोप लगा रहा था कि पन्नू को मारने की साजिश में भारत का कोई अनाम अधिकारी भी शामिल था, उसी समय उत्तरी कोरिया ने काफी गम्भीरता से कहा कि अमेरिका उसके राष्ट्रपति की हत्या की साजिश रच रहा है। यह भी संयोग ही कहा जाएगा कि पन्नू की हत्या की साजिश की सूचना भी एक अखबार के माध्यम से ही लीक की गई और किम योंग को अमेरिका द्वारा मारने की कोशिश की सूचना भी एक अखबार दि डेली बीस्ट ने ही सार्वजनिक की। पन्नू के मामले में तो अनाम भारतीय अधिकारी लिख कर अमेरिका कहानी लिख रहा है, लेकिन किम योंग की हत्या की साजिश में शामिल अमेरिकी अनाम तो नहीं हो सकता। कम से कम जो बाईडेन को तो उसका नाम पता ही होगा।

दृष्टि कोण

योग स्वस्थ रहने का विज्ञान

यह सच है कि शहरीकरण से दैनिक जीवन में भौतिक सुख सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए

होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृतियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्त का जीवन व समाज दोनों दुषप्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना।अपरिग्रह अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना, मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है।

कुछ अलग

बल्गारिया का सिनेमा

यूरोप के दक्षिणी पूर्वी भाग में बसा बल्गारिया, रिपब्लिक ऑफ बल्गारिया के नाम से ऑफिसियली दर्ज है। यूरोप महादेश का एक प्राचीनतम देश कई लोगों द्वारा शासित हो, अंततः आज एक स्वतंत्र देश है। एक समय ऑटोमन साम्राज्य का हिस्सा रहा बल्गारिया द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद काफी समय कम्युनिस्ट देश रहा। अस्सी के दशक के अंत और नब्बे के प्रारंभ में यह छिटककर अलग हुआ। 2004 में एनएटीओ का सदस्य बना और 2007 में यूरोपियन यूनियन से जुड़ गया। बल्गारिया की प्राकृतिक सुषमा आकर्षक है और यहां संस्कृति का मिश्रण देखने को मिलता है। स्लाविक समुदाय लोकल समुदाय से घुलमिल गया है। साथ ही तुर्क, रोमा, अर्मेनियन, रूसी, यूनानी, तातार भी हैं। बल्गारियन भाषा और कई बोलिया यहां प्रयुक्त होती हैं। लोककथाओं, लोकगीत, उत्सवों, गुलाब का इत्र बनाने के साथ लाइबेरी, ऑपेरा, कल्चरल इंस्ट्यूशन, थियेटर, संगीत यानी सांस्कृतिक रूप से खूब समृद्ध देश बल्गारिया के रचनाकार एलियास कैनेटी को 1981 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ। सोफ़यिा इसकी राजधानी है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बल्गारिया का फिल्म उद्योग काफी फला-फूला, यहां बनी डॉक्यूमेंट्री की खूब पूछ रही है। एनीमेटेड कार्टून खूब पसंद किए जाते हैं। यहां के दर्शक देश-विदेश दोनों स्थानों की फिल्मों में रुचि रखते हैं। लेकिन नब्बे के दशक में यहां का फिल्म उद्योग एक बार भहरा गया। वैसे सोफिया में प्रतिवर्ष इंटरनेशनल फिल्म समारोह होता है। अधिकांश फिल्में सोफिया के नजदीक बने राज्य द्वारा संचालित बोयानाफिल्म स्टूडियोज में बनती हैं। वैसे तो अन्य देशों की भांति 1896 में ही बल्गारिया में फिल्म पहुंच गई। 1915 में स्क्रीनराइटर, डॉयरेक्टर तथा अभिनेता वैसिल गेन्डेव का लिखा- 'बल्गारियनफिल्म! बल्गारियन आर्टिस्ट अंडर बल्गारियन स्काई!' और 13 जनवरी 1915 को बल्गारिया की पहली फिल्म 'बल्गारियन इज गैलान्ट' सोफिया में परदे पर थी। आज इसका नाममात्र का हिस्सा उपलब्ध है।बाकी द्वितीय विश्वयुद्ध में सोफिया पर हुई बमबारी में नष्ट हो गया। कॉमेडी फिल्म का बचा हुआ हिस्सा देखेंगे तो इतना मजा आएगा, जो शायद आज की फिल्मों को मात कर दे। वैसिल गेन्डेव की इस मूक फिल्म में एक मनचला भद्रयुवा एक लेडी को फंसाने के चक्कर में खुद बुरी तरह फंस जाता है। वह लेडी उसे खूब नचाती है, उससे खूब रकम खर्च करवाती है, उसका कुली की तरह उपयोग करती है और अंत तो आपको खुद देखना होगा। लेडी की भूमिका में मारा लिपिना है और युवक निर्देशक वैसिल गेन्डेव स्वयं है। जैसे कई अन्य फिल्म कारों को उनकी पत्नी का सहयोग मिला वैसे ही इस निर्देशक को भी मिला। फालके तथा सत्यजित राय की पत्नी ने अपने आभूषण बेच कर अपने पति को फिल्म बनाने में सहयोग दिया था, वैसिल गेन्डेव की पत्नी झाना ने उसे पहली फिल्म बनाने में आर्थिक योगदान किया। बाद में दोनों ने मिल कर 'यंत्र फिल्म' हाउस की नींव डाली, यह बल्गारिया का पहला प्रोडक्शन हाउस था। इन्हीं लोगों ने इस देश की पहली सवाक फिल्म 'द स्लाव'स रिवोल्ट' बनाई। इस फिल्म को इन्होंने बल्गारिया के नेशनल हीरो तथा स्वतंत्रता सेनानी वैसिल लेवन्स्की को समर्पित किया। फिल्म को लेकर कुछ विवाद भी हुआ। फिल्म की ही ताकत है, आज इस सेनानी का घर एक संग्राहलय है। यह भी उल्लेखनीय है कि जीते-जी इन पति-पत्नी को वह सम्मान न मिला जिसके ये हकदार थे। लेकिन यह भी सत्य है, आज उन्हें बल्गारियन फिल्म का संस्थापक माना जाता है।

देश दुनीया से

सिलक्यारा का सबक नहीं सीखा तो भयंकर होंगे परिणाम

> हमारे भूविज्ञानियों, खनन विशेषज्ञों और आपदा प्रबंधन तंत्र ने बहुत कुछ सीख लिया होगा। साथ ही हमारे राजनीतिक शासकों और योजनाकारों को भी हिमालय पर अपने ड्रीम प्रोजेक्ट थोपने पर नए सिरे से विचार करना होगा। अपने बेवाक कथनों के लिए चर्चा में रहने वाले केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तो सार्वजनिक रूप से अपनी ओर से हुई चूक को कबूलने के साथ ही हिमालयी क्षेत्र की विशेष परिस्थितियों का उल्लेख भी कर चुके हैं। अगर पहले के अनेक हादसों की तरह कुछ दिन बाद फिर सिलक्यारा की दुर्घटना की बात आई गई हो गई तो फिर भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को कोई नहीं रोक सकता।

सारे देश को हिला देने वाले सिलक्यारा सुरंग संकट का सुखान्त पटाक्षेप हो गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस हादसे के अनुभव से हमारे भूविज्ञानियों, खनन विशेषज्ञों और आपदा प्रबंधन तंत्र ने बहुत कुछ सीख लिया होगा। साथ ही हमारे राजनीतिक शासकों और योजनाकारों को भी हिमालय पर अपने ड्रीम प्रोजेक्ट थोपने पर नए सिरे से विचार करना होगा। अपने बेवाक कथनों के लिए चर्चा में रहने वाले केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तो सार्वजनिक रूप से अपनी ओर से हुई चूक को कबूलने के साथ ही हिमालयी क्षेत्र की विशेष परिस्थितियों का उल्लेख भी कर चुके हैं। अगर पहले के अनेक हादसों की तरह कुछ दिन बाद फिर सिलक्यारा की दुर्घटना की बात आई गई हो गई तो फिर भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को कोई नहीं रोक सकता। दरअसल पिछले ही साल 19 मई को जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर रामबन में एक सुरंग निर्माण के दौरान भूस्खलन की चपेट में आने से 10 श्रमिकों की मौत हो गई थी। इसी उत्तराखण्ड में टिहरी बांध परियोजना के निर्माण के समय 1 अगस्त 2004 को सुरंग में काम चलने के दौरान हुए हादसे में 29 मजदूरों की जानें चलीं गईं थीं। सुरंग निर्माण के दौरान अप्रत्याशित घटनाएं होती रहती हैं जिनसे निपटने के लिए अनुभव और क्षेत्र विशेष की भूगर्भीय स्थिति की सही जानकारी होनी चाहिए। मगर अनुभव बताता है कि विभिन्न कारणों से लापरवाहियों से सुरक्षा मानकों की निरन्तर अवहेलना होती रही है। स्वयं केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी इस संवेदनशीलता का उल्लेख कर सावधानी बरतने की बात कह गए हैं, लेकिन योजनाकार और योजनाएं बनवाने वाले इस हकीकत की अनदेखी करते रहे हैं। टिहरी बांध परियोजना की भूमिगत खुदाई के दौरान 2004 में हुए हादसे के कुछ ही दिनों बाद 7 अगस्त, 2004 को कुल्लू से लगभग 60 किमी दूर हिमाचल प्रदेश में पारबती जल विद्युत परियोजना में एक सुरंग के अंदर बीस श्रमिक फंस गए थे जिन्हें सिलक्यारा की तरह बचा लिया गया। इसी तरह 14 फरवरी 2010 को हिमाचल प्रदेश के ही किन्नौर जिले में 1,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजना करछम वांगतु में बांध निर्माण के लिए किए गए विस्फोट कार्य से अस्थिर पत्थर और बोल्डर श्रमिकों की एक अस्थायी बस्ती पर गिर गए। जिससे 6 श्रमिकों की मृत्यु हो गई और 16 गंभीर रूप से घायल हो गए। नवंबर 2015 में उसी किन्नौर जिले में एक और त्रासदी में, शोंगटोंग-करछम परियोजना में एक विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। ऐसे हादसों में मरने वाले लोगों की वास्तविक संख्या में हमेशा विवाद रहता है। अगस्त 2004 को टिहरी बांध परियाजना की डायवर्जन टनल टी-3 में चट्टाने खिसकने से मरने वालों की अधिकारिक संख्या 29 बतायी गई थी जबकि उस समय वहां कम से कम 109 लोगों के मौजूद होने की बात सामने आई थी। इसी साल 19 जुलाई को चमोली कस्बे में बिजली का करंट से मरने वालों की संख्या 16 बताई गई थी लेकिन अपुष्ट समाचारों में यह भी कहा गया था कि कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए हड़बड़ी में उफनती अलकनन्दा में छलांग लगा दी थी। दरअसल निर्माण कार्य बहुत दूर-दराज के इलाकों में होते हैं, इसलिए कई निर्माण कंपनियां बहुत दूर के गरीब इलाकों से श्रमिकों को लाने की रणनीति अपनाती हैं। फिर उन्हें स्थानीय आबादी से दूर करने की कोशिश की जाती है ताकि इन श्रमिकों के साथ जो कुछ भी हो वह रहस्य बना रहे। यह व्यवस्था नियोक्ताओं को न्यूनतम वेतन कानूनों के घोर उल्लंघन, सुरक्षा आवश्यकताओं की उपेक्षा और मुआवजे का भुगतान न करने से बचने में मदद करती है। सिलक्यारा सुरंग निर्माण में ठेकेदारों द्वारा यही टैक्टिस अपनाई गई थी। वहां फंसे 41 श्रमिकों में से उत्तराखण्ड के केवल दो श्रमिक थे जिनमें से एक सुपरवाइजर ही था। जबकि वहा झारखण्ड के 15 और उड़ीसा के 5 श्रमिक थे। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन के लिए बन रही 105 किमी लंबी 17 सुरंगों में अब तक एक भी श्रमिक का खरोच तक आने की खबर सुरंगों से बाहर नहीं निकली। जबकि सुरंग निर्माण में घटनाएं घटती रहती है। इन 17 सुरंगों के लिए कुल छोटी-बड़ी 218 किमी लम्बी सुरंगें बननी हैं। चूंकि हिमालय क्षेत्र में राजमार्ग और बांध श्रमिकों को अक्सर शोषण के साथ-साथ उच्च जोखिम और अलगाव का सामना करना पड़ता है, इसलिए हमारी सरकारों को उनकी सुरक्षा और सुरक्षा के लिए तात्कालिकता के आधार पर महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए।

आप का नजरीया

प्राथमिक शिक्षा की नई छांव

स्कूली शिक्षा के चरम बिंदु पर कलस्टर के अधीन प्राथमिक स्कूलों को छांव मुहैया करवाई जा रही है, यानी कुछ ऐसी सीढियां विकसित की जा रही हैं जो व्यवस्था को मुकम्मल करेंगी। राज्य के जमा दो, हाई व मिडल स्कूल अपने दायरे के आधा किलोमीटर तक आने वाले प्राइमरी स्कूलों के अभिभावक बन जाएंगे। इस तरह अब करीब पांच हजार संस्थानों के तहत शिक्षा की बुनियादी प्रश्न हल होंगे, हालांकि अतीत में भी एक ही स्कूल के तहत छात्र जीवन की सीढियां मुकम्मल होती थीं। शिक्षा की मात्रात्मक वृद्धि ने अब फिर गुणात्मक अर्थ पुख्ता करने के लिए उन्हीं रास्तों को चुना है, जो पहले मंजिलों के वाहक रहे। जाहिर है कलस्टर पद्धति से शिक्षा का उच्चारण ही एक जैसा नहीं होगा, बल्कि प्रबंधन, अनुशासन व वित्तीय उपयोगिता भी बढ़ेगी। यानी बिखरे हुए स्कूलों के अंदाज में कुछ तो फर्क आएगा, फिर भी शिक्षा क्षेत्र में दायित्व की ओवरलैपिंग के कारण सारी वर्णमाला बदल गई है। मॉडल कंपोजिट एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन से कई संदेश निकलते हैं। पहला यही कि हिमाचल में अनावश्यक विस्तार ने अधोगति तक पहुंचा दिया। दूसरे यह कि वित्तीय व्यवस्था में अब ऐसे अर्थहीन व्यय नासूर बनने लगे। तीसरे यह कि शिक्षा की मांग व आपूर्ति में गुणवत्ता की अर्हताएं पूरी नहीं हुर्इं। चौथे शिक्षकों की जवाबदेही परीक्षा में तो देखी गई, लेकिन अध्यापन को किसी सांचे में नहीं ढाला गया। हर बार शिक्षा मुड़-मुड़ कर अपने ही खोए हुए अतीत से कुछ पाना चाहती है और इस बार भी यही सब हो रहा है। शिक्षा विभाग कालेज व विश्वविद्यालयों की तर्ज पर 'अतिथि शिक्षकों' की खेप उतारने की ओर अग्रसर हो रहा है। देखना यह होगा कि इस पहल से शिक्षा की मांग की आपूर्ति कैसे होती है। बेशक कुछ शिक्षक आज भी बच्चों के आदर्श बनकर प्रभावित करते हैं और अगर इनकी सेवाएं सेवानिवृत्ति के बाद भी यथावत रहती हैं, तो छात्रों का विश्वास पद्धति पर ही बढ़ेगा। यूं भी शिक्षा अपने सुधार के मजमून में हर बार नया शृंगार करती रही है, लेकिन कुछ सफे हमेशा काले निकल आते हैं। हिमाचल में शिक्षा को स्कूलों में स्तरोन्नत किया गया और इसी वजह से गांव तक पाठशाला की पहुंच व उसके स्तर में निखार आ गया, लेकिन अध्यापन के चरित्र में गिरावट आ गई। आज भी अगर नया संकल्प कलस्टर के जरिए गुणात्मक शिक्षा का शपथ पत्र लेकर खड़ा है, तो इस अकेले प्रयास से शायद ही भूमिका बदलेगी। शिक्षा के अपने इम्तिहान उसी इमारत में असफल इसलिए हो रहे हैं, क्योंकि ट्रांसफर और पदोन्नतियों में ही पूरा महकमा अतरंगी हो गया। व्यवस्था की नौटंकी में शिक्षक समाज अपनी प्राथमिकताओं को ऐसे स्थानांतरण से मजबूत कर रहा है, जो एक तरह का राजनीतिक गठबंधन है। हर राजनीतिक पार्टी और नेताओं के समूह इस तलाश में रहते हैं कि उनके अपने और चहेते शिक्षक ही नजदीकी स्कूलों में शिरकत करें। सुक्खू सरकार ने भी ट्रांसफर के दायरे बढ़ाते हुए कुछ किलोमीटर मापे, लेकिन करवटें बताती हैं कि व्यवस्था के भीतर अध्यापक चंद किलोमीटर की परिधि में घूमघूम कर चेहरे बदल रहे हैं।

मिसौरी यूनिवर्सिटी में पढ़ने आए भारतीय छात्र को सात महीने तक बंधक बनाकर रखा, जबरन घरों में काम भी कराया

मिसौरी ।
अमेरिका के मिसौरी में एक 20 वर्षीय भारतीय छात्र को कई महीनों से बंधक बनाकर रखा गया, जिसे अमेरिकी अधिकारियों ने आखिरकार बचा लिया। दरअसल, छात्र के चचेरे भाई और दो अन्य व्यक्ति ने उसे तीन घरों में काम करने के लिए मजबूर किया था। अमेरिका के मिसौरी में पीड़ित को तीन अलग-अलग घरों में महीनों तक बंधक बनाकर रखा गया। पुलिस सेंट चार्ल्स काउंटी में ग्रामीण हाईवे के एक घर पर पहुंची। बाद में उन्होंने वेंकटेश आर सत्तारु, श्रवण वर्मा पेनुमेच्छा और निखिल वर्मा पेनमत्सा को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ मानव तस्करी, अपहरण और हमला करने का आरोप लगाया गया है।

स्थानीय नागरिक ने दी पुलिस को सूचना

छात्र की परिस्थिति के बारे में मालूम चलने पर एक स्थानीय नागरिक ने 911 नंबर पर फोन करके पुलिस को इसकी जानकारी दी। फिलहाल पीड़ित सुरक्षित है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। आरोप में बताया गया कि आरोपियों ने पीड़ित को सात महीने तक बेसमेंट में बंधक बनाकर रखा था। उसे जमीन पर सोने के लिए मजबूर किया गया। इस दौरान पीड़ित को बाथरूम भी नहीं जाने दिया गया था। अभियोजक जो मैक्कुलोच ने कहा, एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के साथ ऐसा कर सकता है। यह अमानवीय है। जांचकर्ताओं ने सत्तारु की पहचान रिंगलीडर के तौर पर की है। वह ओ फेलोन में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। मुख्य आरोपी सत्तारु पर गुलामी के मकसद और दस्तावेजों के दुरुपयोग से मानव तस्करी करने के मामले में अतिरिक्त आरोप लगाया गया है।

मिसौरी यूनिवर्सिटी पढ़ने आया था छात्र

अधिकारियों ने बताया कि भारतीय छात्र पिछले साल भारत से अमेरिका मिसौरी यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लक्ष्य से आया था। उसे अप्रैल के शुरू में सत्तारु के घर पर ले जाया गया, जहां उससे सुबह के साढ़े चार बजे तक जबरन काम कराया गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह रोजाना केवल तीन घंटे सोता था। उसने बताया कि ठीक से काम पूरा नहीं होने पर उसे पीटा भी जाता था और नग्न होने के लिए भी मजबूर किया जाता था। पुलिस सत्तारु के घर पर पहुंची, लेकिन वहां मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि वे अंदर नहीं आ सकते हैं। इसी दौरान पीड़ित भागता हुआ बेसमेंट से बाहर आया।

न्यूज ब्रीफ

कतर ने जर्मन राष्ट्रपति को विमान से उतरने के लिए कराया आधा घंटे इंतजार, सामने आई ये वजह

दोहा । जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वाल्टर स्टीनमीयर को उस वक्त असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब उन्हें कतर में लैंड करने के बाद आधा घंटे विमान में ही इंतजार करना पड़ा। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जर्मनी के राष्ट्रपति दोहा में उतरने के बाद विमान के गेट पर ही हाथ बांधकर खड़े नजर आ रहे हैं। दरअसल जर्मनी के राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए कतर के मंत्री समय से एयरपोर्ट ही नहीं पहुंचे थे। जर्मनी के मीडिया के अनुसार, राष्ट्पति स्टीनमीयर के दोहा पहुंचने के बाद कतर के विदेश मंत्री को उनका स्वागत करना था। हालांकि जर्मनी के राष्टपति के दोहा पहुंचने के बाद भी कतर के विदेश मंत्री समय से एयरपोर्ट नहीं पहुंचे, जिसके चलते करीब आधा घंटे तक जर्मनी राष्टपति को विमान में ही इंतजार करना पड़ा। हालांकि जर्मनी के राष्टपति की कतर के शेख तमीम बिन हमाद अल थानी से समय से ही मुलाकात हुई। जर्मनी के राष्टपति तीन घंटे तक कतर में रहे। इस दौरान दोनों देशों की बातचीत हमास की कैद में मौजूद जर्मनी के नागरिकों की रिहाई के मुद्दे पर ही फोकस रही। शेख तमीम बिन हमाद अल थानी से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए जर्मन राष्टपति ने कहा कि हमें विश्वास है कि कतर जर्मन बंधकों की रिहाई के लिए जो कर सकेगा वो करेगा। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि ये इतना आसान भी नहीं है। बता दें कि इजराइल और हमास के बीच सुलह कराने में कतर की भूमिका बेहद अहम है। हमास की कैद से इजराइली बंधकों की रिहाई में भी कतर की भूमिका अहम रही है। बता दें कि जर्मनी के राष्टपति कतर दौरे से पहले इजराइल का भी दौरा कर चुके हैं।

रूस ने एलजीबीटीक्यू मूवमेंट पर लगाया प्रतिबंध, बताया पश्चिम का प्रोपेगैंडा

मॉस्को । रूस के सुप्रीम कोर्ट ने देश में एलजीबीटीक्यू मूवमेंट पर प्रतिबंध लगा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस के कानून मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर एलजीबीटीक्यू मूवमेंट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, अब रूस में एलजीबीटीक्यू संबंधित गतिविधियां कट्टरपंथी गतिविधि मानी जाएगी। रूस के कानून मंत्रालय का कहना है कि एलजीबीटीक्यू मूवमेंट सामाजिक और धार्मिक टकराव को बढ़ावा देता है। इस प्रतिबंध के बाद रूस में कई एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों को अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा है, जिसके चलते कई लोग देश छोड़कर भागने की भी तैयारी कर रहे हैं। बता दें कि अगले साल मार्च में रूस में राष्ट्रपति चुनाव होना है। ऐसे में माना जा रहा है कि रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन की विदेशी एजेंडा के खिलाफ कार्रवाई के तहत एलजीबीटीक्यू मूवमेंट को प्रतिबंधित किया गया है। बता दें कि रूस एलजीबीटीक्यू मूवमेंट को पश्चिमी प्रोपेगैंडा मानता है। वहीं रूसी राष्टपति पुतिन पारंपरिक मूल्यों के समर्थक हैं।

फिर एक बार इजराइल दौरे पर ब्लिंकन, कहा- सभी बंधकों के अपने परिवार के पास लौटने तक काम जारी रहेगा

यरूशलम । अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजराइल दौरे पर हैं। उन्होंने इस दौरान बताया कि उनका तत्काल ध्यान युद्ध विराम को बढ़ाने के साथ अपने सहयोगियों के साथ काम करना है, जिससे कि गाजा में फंसे बंधकों को रिहा कराया जा सके। कई लक्ष्यों को पूरा करने के माध्यम से ब्लिंकन एक बार फिर इजराइल आए हैं। उन्होंने कहा, हमारा तत्काल ध्यान अपने सहयोगियों के साथ मिलकर युद्ध विराम को बढ़ाना है, जिससे कि गाजा से अधिक बंधकों को छुड़ाया जा सके। गाजा में लगातार सातवें दिन शांति के बाद उन्होंने बताया कि अमेरिका लगातार इजराइल के साथ इन मुद्दों पर काम कर रहा है। ब्लिंकन ने कहा, सातवें दिन बंधकों को रिहा किया गया है और वे अपने परिवार के साथ लौट रहे हैं। सातवें दिन गाजा में मौजूद उन लोगों को सहायता दी जा रही है, जिन्हें इसकी बहुत जरूरत है और यहां के नागरिक भी सुरक्षित स्थानों में जाने में सक्षम हुए हैं। ब्लिंकन ने कहा, जब तक सभी बंधक अपने परिवार के पास सुरक्षित लौट नहीं जाते, तब तक हम काम करना बंद नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका गाजा में फलस्तीन नागरिकों को मानवीय सहायता प्रदान कर रही है।

युद्धविराम खत्म होने के बाद फिर शुरू हुए हमले, इजराइल की चुनौती बढ़ी

यरुशलम ।
इजराइल और हमास के बीच जारी युद्धविराम खत्म हो गया, जिसके बाद से दोनों तरफ से फिर से हमले शुरू हो गए हैं। इजराइल की तरफ से दक्षिणी गाजा में खान यूनिस शहर में मिसाइल मिसाइल हमले हुए। वहीं गाजा के उत्तर पश्चिम में भी एक घर पर एयरस्ट्राइक हुई। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इजराइल में भी हमास की तरफ से मिसाइल हमले हुए हैं। इजराइली सेना का कहना है कि युद्धविराम समाप्त हुआ और उसके आधे घंटे बाद ही हमास की तरफ से हमला किया गया। वहीं हमास का भी दावा है कि इजराइल की तरफ से हमले की शुरुआत की गई।

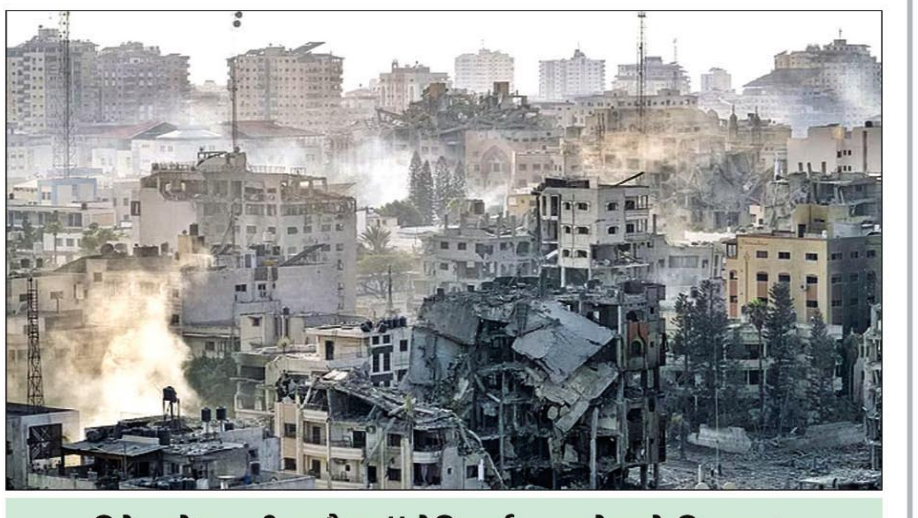

एक हफ्ते तक चला युद्धविराम

बता दें कि इजराइल और हमास के बीच बीती 24 नवंबर को युद्धविराम हुआ था। करीब एक हफ्ते तक चले इस युद्धविराम के तहत हमास ने इजराइल के 100 बंधकों को रिहा किया। वहीं इजराइल ने बदले में वहां की जेलों में बंद 240 फलस्तीनियों को रिहा किया। दोनों तरफ से रिहा किए गए लोगों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हमास के कब्जे में अभी भी 140 इजराइली बंधक मौजूद हैं। अब बाकी बचे बंधकों में अधिकतर इजराइली सैनिक हैं और इनकी रिहाई के बदले में हमास इजराइल से बड़ी कीमत मांग सकता है।

इजराइल की बढ़ी चुनौती

कतर और मिस्त्र की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम को बढ़ाने की कोशिशें हुईं लेकिन सफलता नहीं मिली। वहीं इजराइल ने साफ कर दिया है कि युद्धविराम के बाद वह पूरी ताकत से हमास पर हमला करेंगे और तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हमास का खात्मा नहीं हो जाता। साथ ही इजराइल पर अब दबाव भी है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल का दौरा किया, जिसमें ब्लिंकन ने इजराइल से कहा है कि अब उसके गाजा में ऑपरेशन में अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का पालन होना चाहिए। अमेरिका ने कहा है कि जिस तरह से उत्तरी गाजा में बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन हुआ, वैसा दक्षिणी गाजा में नहीं होना चाहिए। गाजा की अधिकतर जनसंख्या फिलहाल दक्षिण में मौजूद है और यहां से निकासी का रास्ता भी नहीं है। ऐसे में अगर इजराइल यहां हमास के ठिकानों पर हमला करता है तो उसमें बड़ी संख्या में आम नागरिकों की मौत होने की प्रबल आशंका है। इजराइली हमलों में अगर आम नागरिकों की मौतें हुई तो इससे इजराइल पर दबाव बढ़ेगा। वहीं हमास को फिर से बातचीत की टेबल पर लाकर और बाकी बंधकों की रिहाई भी इजराइल के लिए बड़ी चुनौती है।

ब्रिटेन में भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने हिंद प्रशांत सम्मेलन की सह-मेजबानी, सुरक्षा पर हुई चर्चा

लंदन । भारत, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के प्रमुख रणनीतिक और नीति विशेषज्ञ यहां पहले हिंद-प्रशांत सम्मेलन के हिस्से के रूप में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत करने, क्षेत्रीय सुरक्षा के खतरों को दूर करने और रणनीतिक स्थिरता बढ़ाने के लिए व्यावहारिक विचारों का पता लगाने के लिए एकजुट हुए। इस कार्यक्रम की सह-मेजबानी भारत और ऑस्ट्रेलिया के उच्चायोगों ने 'काउंसिल ऑफ जियोस्ट्रैटेजी' और किंग्स कॉलेज लंदन के साथ साझेदारी में की। रणनीतिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत के बीच, इसे हिंद-प्रशांत में अधिक सहयोग बढ़ाने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। ब्रिटेन में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त स्टीफन स्मिथ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, भारत या यहां ब्रिटेन में हिंद-प्रशांत पर ज्यादा ध्यान कभी नहीं दिया गया। सम्मेलन यह पता लगाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है कि कैसे क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक गतिशीलता हिंद-प्रशांत में और उससे परे रणनीतिक वातावरण को आकार दे रही है। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर चीन के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार करते हुए कहा, हमारा ध्यान प्रशांत पर रहा है, लेकिन हम हिंद महासागर के बारे में भी बहुत रणनीतिक रूप से जागरूक हैं। हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) के माध्यम से, हम हिंद महासागर द्वीप राज्यों के साथ अपने संबंधों को विकसित करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। चाहे वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऑस्ट्रेलिया और भारत की बैठक हो या राष्ट्रमंडल में बैठक हो यहां साझा हित लागू होते हैं, चाहें आप किसी भी महासागर में हों। स्मिथ ने कहा कि संपर्क और समुद्री सुरक्षा से लेकर उन्नत प्रौद्योगिकी सहयोग तक सम्मेलन के जरिये यह पता लगाया गया कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कैसे बेहतर सहयोग कर सकते हैं।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी- सीआईए को बड़ी सफलता; दुनियाभर के क्रैश साइट से नौ विमानों के अवशेष बरामद

न्यूयॉर्क ।
अमेरिका समेत दुनिया के कई हिस्सों में अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट्स रहस्य का कारण बने हुए हैं। इसी बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसी-सीआईए ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सरकार उन उन्नत वाहनों को छिपा सकती है जिन्हें अज्ञात उड़ान वस्तु यानी यूएफओ कहा जाता है। अब तक की जानकारी के अनुसार इनका निर्माण इंसानों ने नहीं किया है। ऐसे में यूएफओ पर नवीनतम खुलासे चौंका रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) की एक गुप्त इकाई ने दुनिया भर से कई दुर्घटनाग्रस्त यूएफओ (अज्ञात उड़ान वस्तुओं) को दोबारा बरामद किया है। बता दें कि सीआईए के गुप्त कार्यालय को ऑफिस ऑफ ग्लोबल एक्सेस (ओजीए) के नाम से जाना जाता है। ओजीए सीआईए के विज्ञान और प्रौद्योगिकी निदेशालय के अंतर्गत काम करता है। इसने बीते दो दशकों के दौरान स्नह के संग्रह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ओजीए 2003 से गैर-मानवीय माने जाने वाले विमान- पर काम कर रहा है। इस रिपोर्ट के मुताबिक सीआईए ने शीर्ष गुप्त अभियानों में कम से कम नौ ऐसी उड़ने वाली वस्तुएं बरामद की हैं, जिन्हें गैर-मानवीय हवाई जहाज माना जाता है। खबरों के अनुसार, सीआईए के खुलासे कई अंदरूनी लोगों से मिली जानकारी पर आधारित हैं। डेली मेल की खबर के मुताबिक कुछ यूएफओ दुर्घटनाओं के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, लेकिन कम से कम दो विमान तुलनात्मक रूप से ठीक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूएफओ को संबंध में जिन सूत्रों से बात की गई, उन्हें सीधे तौर पर उन लोगों ने जानकारी दी जो यूएफओ को दोबारा हासिल करने के अभियानों में शामिल रहे थे। एक सूत्र के अनुसार अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पास एक प्रणाली है जो छिपे हुए यूएफओ को पहचान सकती है।

मुर्दाघर में बुजुर्ग महिला के शव के साथ सुरक्षा गार्ड ने बनाए यौन संबंध, पकड़ने पर दी बेतुकी सफाई

वॉशिंगटन ।
अमेरिका से मानवता को शर्मसार करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां के एरिजोना में एक सुरक्षा गार्ड ने सारी हदें पार कर दीं। उसने मुर्दाघर में रखे 79 वर्षीय महिला के शव के साथ यौन संबंध बनाए। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

22 अक्तूबर की घटना

बता दें, यह घटना फीनिक्स में बैनर यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर मुर्दाघर के अंदर हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, 22 अक्तूबर को 79 साल की महिला का शव मुर्दाघर में आया था। 46 साल के रैंडल बर्ड का काम शवों को मुर्दाघर ले जाने और उन्हें फ्रीजर में रखने का था।

दो लोगों ने दी गवाही

अदालत में दो गवाहों ने बताया कि 22 अक्तूबर को आरोपी को घबराए और पसीने से लथपथ देखा था। साथ ही उसकी बेल्ट और पैंट की चेन खुली हुई थी। इतना ही नहीं उसके कपड़े भी गंदे दिख रहे थे। बुजुर्ग महिला का बॉडी बैग खुला पड़ा था। अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही साथ काम करने वाले मुर्दाघर में पहुंचे तो आरोपी ने तुरंत शव को ढंकने की कोशिश की। इसके बाद बर्ड ने दावा किया कि उसे चक्कर आ गए और फर्श पर गिरने के कारण शव को पकड़ लिया। हालांकि, सहकर्मियों को इस बात पर विश्वास नहीं हुआ और उन्होंने अधिकारियों को सूचना दी।

आरोपी ने दी सफाई

पुलिस ने घटना के तीन दिन बाद बर्ड से पूछताछ की। उसने फिर से दावा किया कि उसे चक्कर आ गए थे इसलिए उसे कुछ याद नहीं है कि क्या हुआ था। हालांकि, जांच करने पर महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले और आरोपी का डीएनए भी मिला। आरोपी को हिरासत में लिया गया और पांच आरोपों में मामला दर्ज किया गया। अस्पताल ने पुष्टि की कि उसे नौकरी से निकाल दिया गया है।

नहीं रहा दुनिया का सबसे दुखी हाथी, 43 साल की उम्र में मौत; वजह जानकर दंग रह जाएंगे

मनीला ।
फिलीपींस के मनीला चिड़ियाघर में रहने वाले दुनिया के सबसे दुखी हाथी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि विश्व माली या माली के नाम की यह मादा हाथी चिड़ियाघर में अकेली रहती थी। 40 साल से अधिक समय तक अकेले रहने वाली माली को परमार्थ संस्था पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) ने दुनिया का सबसे दुखी हाथी करार दिया था। मेयर हनी लकुना ने बताया कि माली की मौत पौने चार बजे हुई। उसकी सही उम्र फिलहाल नहीं पता है, लेकिन मौत के समय अंदाजन 43 वर्ष की थी। एक फेसबुक पोस्ट में लकुना ने अपने बचपन की यादें साझा कीं, जब वह चिड़ियाघर घूमने गए थे।

मनीला के लोगों के लिए थी काफी खास

उन्होंने कहा, माली हमारे लिए काफी खास थी। वह मनीला चिड़ियाघर के आकर्षण का केंद्र थी। वह अब नहीं रहीं, इसे जानकर बहुत दुख हो रहा है।

यह बीमारी बनी मरने का कारण

वहीं, चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्सक डॉक्टर हेनरिक पैट्रिक पेना-डोमिंगो ने देखा कि माली एक दीवार से खुद को रगड़ रही थी, जिससे पता चला कि वह दर्द में है। उसकी हालत बिगड़ गई और वह जोर-जोर से सांस लेते हुए जमीन पर गिर गई। चिकित्सकों ने उसे एंटीथिस्टेमाइंस और विटामिन दिए, लेकिन दोपहर में उसकी मृत्यु हो गई। मुख्य पशु चिकित्सक ने बताया कि माली के शव की जांच की गई, जिससे पता चला कि उसे पैनक्रिएटिक कैंसर था।

एकमात्र दोस्त ने भी छोड़ दिया था साथ एक रिपोर्ट के अनुसार, मूल रूप से श्रीलंका के रहने वाले मादा हाथी माली को 1981 में श्रीलंका सरकार ने फिलीपींस की पूर्व प्रथम महिला इमेल्डा मार्कोस को उपहार में दिया था। चिड़ियाघर में उसका एक दोस्त शिव नाम का हाथी था, लेकिन 1990 में उसकी मौत हो गई थी, जिसके बाद वह यहां अकेली रह गई थी।

लंबे समय से चल रहा तिब्बत-चीन विवाद का अब होगा समाधान

संसदीय समिति ने बातचीत को लेकर विधेयक को दी मंजूरी

वॉशिंगटन ।
एक शक्तिशाली संसदीय समिति ने लंबे समय से चले आ रहे तिब्बत-चीन विवाद को सुलझाने का फैसला लिया है। दरअसल, समिति ने दलाई लामा के दूतों के साथ बातचीत के लिए चीन पर दबाव बनाने के अमेरिकी प्रयासों को मजबूत करने वाले विधेयक को मंजूरी दी है।

तिब्बत प्राचीन काल से चीन का नहीं है हिस्सा

सदन की विदेश मामलों की समिति ने विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया है। इसमें चीन के इस दावे को भी गलत बताया गया है कि तिब्बत प्राचीन काल से चीन का हिस्सा रहा है। सदन की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने कहा कि यह विधेयक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) और तिब्बत के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेताओं के बीच बातचीत की आवश्यकता पर जोर देता है। किसी भी मामले में जब बात हो तो उसमें तिब्बती लोगों को भी सुनना चाहिए। उन्होंने कहा, तिब्बत के लोग लोकतंत्र को पसंद करते हैं। वो अपने धर्म के अनुसार जीना चाहते हैं। अमेरिका की तरह ही उनकी भी इच्छाओं को तवज्जो देना चाहिए। हम जिन स्वतंत्रताओं का आनंद लेते हैं, हम चाहते हैं कि तिब्बत के लोग भी उसका आनंद लें।

2010 से रुकी हुई वार्ता फिर शुरू होगी

यह विधेयक पिछले साल संसदीय समिति के सदस्य जिम मैकगवर्न, माइकल मैककॉल के साथ-साथ सीनेटर जेफ मर्कले और टॉड यंग द्वारा पेश किए गए कानून का संशोधित संस्करण है। साल 2010 से रुकी हुई वार्ता एक बार फिर शुरू होने की उम्मीद है। यह विधेयक चीनी सरकार पर दलाई लामा के दूतों या तिब्बती लोगों के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेताओं के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए दबाव डालेगा। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने सदन की विदेश मामलों की शक्तिशाली समिति के अध्यक्ष माइक रोजर्स से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रक्षा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र समेत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की।

रोजर्स के साथ संधू की बैठक पिछले महीने नई दिल्ली में 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद हुई है। इस साल भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग में जहाज मरम्मत, जेट इंजन निर्माण, रक्षा औद्योगिक रोडमैप और राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण विधेयक में सकारात्मक प्रगति देखी गई।

संधू ने कहा, सदन की सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष माइक रोजर्स के साथ फिर से मिलना और रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी), आईसीईटी (महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी पर पहल) और ज्ञान क्षेत्र समेत भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा को आगे बढ़ाना शानदार रहा।

डॉ. दाधीच के व्यक्तित्व और कृतित्व पर समारोह आज

जोधपुर (हिंस)। अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद के तत्वावधान में डॉ. रामप्रसाद दाधीच के व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक दिवसीय साहित्यिक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह दो दिसंबर को होटल प्रेसिडेंट में सम्पन्न होगा। संगोष्ठी संयोजिका डॉ. पद्मजा शर्मा ने बताया कि उद्घाटन सत्र सुबह दस से साढ़े ग्यारह बजे तक जेएनवीयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) के एल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में होगा। इस सत्र के सारस्वत अतिथि उपन्याकार, शाइर हबीब कैफी, मुख्य अतिथि डॉ. हरीदास व्यास, विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) कैलाश कौशल होंगे। डॉ. पद्मजा शर्मा स्वागत करेंगी। इस उद्घाटन सत्र में डॉ. रामप्रसाद की दो किताबों का विमोचन होगा जो उनके जाने के बाद छपी हैं। डॉ. राम प्रसाद की कविता का पाठ उनके पुत्र डॉ. प्रमोद कुमार दाधीच करेंगे। डॉ. रामप्रसाद दाधीच की कविता का पांच मिनट का एक वीडियो होगा जिसमें उनकी कविता का पाठ उनके पुत्र डॉ. प्रमोद कुमार दाधीच ने किया है। कार्यक्रम का संचालन युवा गीतकार मधुर परिहार करेंगी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रवि कुमार दाधीच करेंगे। प्रथम सत्र दोपहर 12 से 1.30 बजे तक होगा जिसमें सत्राध्यक्ष डॉ. रमाकांत शर्मा हैं। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) सरोज कौशल, विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमप्रकाश टाक, रंग पाठ डॉ. एसपी रंगा, एमएस जई, डॉ. नीतू परिहार है। कविता पाठ अनुराधा आडवाणी करेंगी। सम्मान समारोह एवं समापन सत्र दोपहर 2.30 से शाम चार बजे तक होगा जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात शाइर, चिंतक शीन काफ़ निज़ाम करेंगे।

मतगणना की तैयारियों का किया आकस्मिक निरीक्षण

ट्रेंड-टीवी के माध्यम से मिलेंगे नवीनतम रूझान एवं परिणाम

जयपुर (हिंस)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव-2023 के लिए तीन दिसम्बर को होने वाली मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों का आकस्मिक निरीक्षण किया और जिला निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। गुप्ता ने यहां ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता को मतगणना की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताया। गुप्ता ने यहां जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा

रही व्यवस्थाओं को भी देखा। मतगणना टेबलों, मतगणना कार्य में संलग्न कार्मिकों की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। गुप्ता ने मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी के लिए बनाई गई व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने मतगणना तिथि को मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लगे सभी कर्मचारियों को भी पास जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना कक्ष में राजनीतिक दलों के एजेंटो के लिए समुचित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गुप्ता ने उम्मीदवारों व उनके पोलिंग एजेंट्स को निर्वाचन आयोग से प्राप्त मतगणना संबंधी दिशा निर्देशों की जानकारी अनिवार्य रूप से देने कहा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, मीडिया सेंटर में आवश्यक सुविधाएं, गणना के लिए मतगणना सामग्री, डाक मतपत्रों की गणना, ईवीएम में दर्ज मतों की गणना, वीवीपीएटी स्लिप गणना, मतगणना की समाप्ति के बाद ईवीएम और निर्वाचन सामग्री को मुहरबंद करने और परिणाम की घोषणा के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस पर राज्यपाल ने नगालैंड निवासियों से किया संवाद

जयपुर (हिंस)। नगालैंड राज्य स्थापना दिवस पर राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को राजभवन में नागालैण्ड निवासियों से संवाद कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि एक दिसंबर 1963 को भारत के सोलहवें राज्य के रूप में नागालैण्ड अस्तित्व में आया। यह प्रदेश भारतीय संस्कृति के जनजातीय गौरव से जुड़ा प्राकृतिक रूप से समृद्ध राज्य है। मिश्र ने कहा कि नागालैण्ड पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश, दक्षिण में मणिपुर एवं पश्चिम तथा उत्तर-पश्चिम में असम और पूर्व में म्यांमार (बर्मा) से घिरा सुंदर प्राकृतिक प्रदेश है। उन्होंने कहा कि जनजातीय परम्पराओं से समृद्ध यह प्रदेश भारत की आदिवासी धरोहर को भी अपने में सहेजे हुए हैं। उन्होंने नगालैंड के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी सांस्कृतिक परंपराओं के साथ प्रदर्शनकारी कलाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का ध्येय यही है कि परस्पर एक प्रदेश दूसरे प्रदेश की संस्कृति से गहरे से जुड़ सके। राज्यपाल ने इससे पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार भी उपस्थित रहे।

एड्स दिवस के उपलक्ष्य में रेड रिबन पहनकर बनाई मानव श्रृंखला

हिसार (हिंस)। एड्स दिवस के उपलक्ष्य में शहर के महिला कॉलेज में शुक्रवार को रेड रिबन क्लब व एनएसएस के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान कई कार्यक्रम हुए जिनमें अनेक छात्राएं शामिल हुई। जागरूकता कार्यक्रम के तहत पेड सजाओ का आयोजन किया गया, रेड रिबन पहनकर मानव श्रृंखला बनाई गई व एचआईवी एड्स पर अवेयरनेस डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्या डॉक्टर अलीजा कुंडू ने बच्चों को एचआईवी एड्स अवेयरनेस के प्रति जागरूक करवाया और बताया कि किस तरीके से आप अपने आप को स्वस्थ रखते हुए इससे बचकर रह सकते हैं। इस अवसर पर डॉक्टर अनीता तनेजा, डॉक्टर हर्षा, डॉक्टर नीलम दहिया, डॉक्टर कमलेश, शायना तहरिया, हिना पाहुजा, अनिल कुमार और गगन सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश-कोहरे के बाद बढ़ी ठिठुरन

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश और घने कोहरे का दौर जारी है। जयपुर जिले समेत आधा दर्जन से ज्यादा जिलों में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। झालावाड़ जिले के कुछ इलाकों में सुबह हुई बारिश से लोग घरों में दुबके रहे। मौसम विभाग ने अगले एक दो दिन बारिश और कोहरा छाए रहने व सर्दी के तेवर तीखे रहने की संभावना है। अगले सप्ताह से प्रदेशभर में पारे में गिरावट होने और कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक उत्तर भारत के जम्मू कश्मीर, हिमाचल, लद्दाख, पंजाब पर एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हुआ है, जिससे चक्रवर्ती हवाओं का सिस्टम विकसित हुआ है। इस सिस्टम का असर एक-दो दिन में खत्म होने की संभावना है। इसके बाद उत्तर भारत से बर्फीली हवा आनी शुरू होगी।राजस्थान समेत अन्य राज्यों के तापमान में गिरावट होगी। झालावाड़ जिले के सुनेल कस्बे में तड़के से मेघ छाए रहे और हल्की बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के कारण लोग सूर्योदय के बाद भी लोग घरों में दुबके रहने पर विवश रहे। जयपुर जिले समेत नागौर, भीलवाड़ा, बूंदी, झालावाड़, हनुमानगढ़ में तड़के से घना कोहरा छाया रहा। हाईवे पर कोहरे के कारण वाहन रेंगते हुए चले। मौसम केंद्र जयपुर ने आज जयपुर संभाग के जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। बीती रात अलवर जिला और हनुमानगढ़ का संगरिया सबसे सर्द रहा। अलवर में बीती रात पारा 10.2 डिग्री रहा जो सिरोही के 11.4 डिग्री तापमान से भी कम रहा है। संगरिया में पारा 10.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सीकर 12, पिलानी 12.2, श्रीगंगानगर 12.4, फतेहपुर 12.2, जैसलमेर 13.8, चित्तौड़ 11.8, चूरू 13.9 और जयपुर में बीती रात पारा 15.8 डिग्री सेल्सियस मापा गया। बीती रात कोटा 17.7 डबोक 16.2, फलोदी 15.8, जोधपुर 16.5, अंता 19.0, करौली 18.3, डूंगरपुर 19.3, बाड़मेर 14.5 और अजमेर में न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री रहा। हालांकि रात में सर्द हवा चलने पर मौसम सर्द रहा। दिसंबर के पहले दिन बीकानेर में अलसुबह से ही मौसम में परिवर्तन देखने को मिला। हल्की गुलाबी ठंड के बीच शहर में जबरदस्त कोहरा छाया रहा। घने कोहरे के चलते राजमार्गों पर ही नहीं बल्कि शहरी क्षेत्र में भी वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को तेज धूप निकलने की संभावना जताई गई लेकिन शुक्रवार को सुबह दस बजे तक भी शहर कोहरे की आगोश में लिपटा रहा।0

झज्जर में ढाबा संचालक की गोली मारकर हत्या

झज्जर (हिंस)। जिले के गांव सौलधा में गुरुवार की आधी रात को अज्ञात व्यक्तियों ने एक ढाबा संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावर दो गाड़ियों में सवार होकर ढाबा पर आए थे। थाना सदर बहादुरगढ़ की पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। गांव सौलधा निवासी राजेश उर्फ राजे पुत्र मांगेराम ने 10-12 साल से राजे उस्ताद नाम से गांव में ही ढाबा खोल रखा है। गुरुवार की रात वह ढाबे पर काम कर रहा था और उसका भतीजा पवन कुमार ढाबे के पीछे खेतों में पानी लगा रहा था। पवन कुमार ने बताया कि रात करीब सवा 12 बजे ढाबे पर गोली चलने की आवाज सुनाई दी। वह भागकर ढाबे की तरफ आया तो उसने एक सफेद रंग की गाड़ी तेजी से सौलधा गांव की ओर और दूसरी काले रंग की गाड़ी बादली की तरफ जाते देखा। उसने ढाबा के अंदर जाकर देखा तो उसका चाचा राजेश काउंटर के पास खून से लथपथ पड़ा था। उसके कमर में गोली लगी थी। उसने तुरंत इसकी सूचना पुलिस व स्वजनों को दी। सूचना मिलते ही थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में भिजवा दिया।

कृषि मंत्री के बयान से खफा संयुक्त किसान मोर्चा ने फूंका मंत्री का पुतला

हिसार (हिंस)। हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल के बयान को किसान विरोधी व समाज विरोधी बताते हुए किसानों ने शुक्रवार को उनका पुतला फूंका। किसान संगठनों ने एलान किया कि यदि मंत्री ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी तो उनका कड़ा विरोध किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार व कुलदीप सिंह पूनिया के नेतृत्व में लघु सचिवालय के बाहर कृषि मंत्री का पुतला जलाया। जिला सचिव सतबीर धायल के संचालन में हुए कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कृषि मंत्री ने हाल ही में अपने भाषण में किसानों की बेटियों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया जिससे पूरे किसान समाज में भारी रोष है। प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में कृषि मंत्री के पुतले फूंके जा रहे हैं। किसान नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि कृषि मंत्री ने सार्वजनिक रुप से माफी न मांगी तो उक्त मंत्री जहां-जहां सार्वजनिक स्थानों पर जाएगा, वहां-वहां जोरदार विरोध किया जाएगा। दर्शन में तहसील प्रधान सूबेसिंह बूरा, सज्जन सिंह रावलवास, सतबीर रोहिल, लक्ष्मण शाहपुर, रतनसिंह मात्रश्याम, राजबीर सरपंच, ईश्वर सिंह ग्रेवाल, दिलबाग सिंह हुड्डा, विजय सिंह जागलान, शकुंतला जाखड़, निर्मला देवी, आनंददेव सांगवान, राजीव मलिक, कृष्ण सिंह पाली, ओमप्रकाश शर्मा, रमेश सैनी, सुरेन्द्र मान, राजेन्द्र बाल्मीकि, सतपाल शर्मा, ऋषिराज राजली आदि उपस्थित रहे।

पंजाब सरकार ने गन्ने का दाम 11 रुपए बढ़ाया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने गन्ने के दाम में 11 रुपए की वृद्धि कर दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार सुबह एक्स पर जानकारी दी। इसकी जानकारी होते ही प्रमुख किसान नेता ने कहा कि यह किसानों के साथ धोखा है। पंजाब के किसानों ने गन्ने के दाम में वृद्धि की मांग को लेकर चंडीगढ़ में चार दिन तक धरना दिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ हुई बैठक में गन्ने के दाम बढ़ाने पर सहमति बनी थी। उम्मीद जताई जा रही थी कि मुख्यमंत्री शीतकालीन सत्र के दौरान गन्ने के दाम बढ़ाने का एलान कर सकते हैं लेकिन सत्र में ऐसा कोई एलान नहीं किया गया। शुक्रवार को पंजाब सरकार ने गन्ने के दाम में 11 रुपए की वृद्धि कर दी है। अब पंजाब में गन्ना 391 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा। यह हरियाणा से 2 रुपए ज्यादा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 2023-24 के लिए गन्ने की कीमत (स्टेट एग्रिड प्राइज) में ये बढ़ोतरी की है।

हरियाणा में ढाई लाख अभ्यर्थी देंगे एचटेट की परीक्षा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में शनिवार से शुरू होने वाली अध्यापक पात्रता परीक्षा को बेहतर तरीके से संचालित करने की तैयारी पूरी कर ली गई हैं। इस परीक्षा के लिए राज्यभर में 856 केंद्र बनाए गए, जिनमें दो लाख 52 हजार 028 से अधिक उम्मीदवार परीक्षा देंगे। शुक्रवार को हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल शुक्रवार ने एचटेट की तैयारियों को लेकर एक बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, घड़ी, कैलकुलेटर व अन्य इलैक्ट्रोनिक उपकरण लेकर जाना पूर्ण रूप से वर्जित किया गया है। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक तथा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों के साथ मिलकर अध्यापक पात्रता शिक्षक परीक्षा करवाने में पूर्ण सहयोग करेंगे और नेत्रहीन एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षा के दौरान उन्हें 20 मिनट प्रति घंटे की दर से 50 मिनट अतिरिक्त दिए जायेंगे तथा उनकी ओएमआर शीट केंद्र अधीक्षक के अलग लिफाफे में भेजी जाएगी। कौशल ने कहा कि दो दिन तक आयोजित की जाने वाली हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुल 2,52,028 उम्मीदवार भाग लेंगे। शनिवार 2 दिसंबर को लेवल-3 (पीजीटी) परीक्षा सायंकालीन सत्र में दोपहर बाद तीन बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए प्रदेश में 260 परीक्षा केंद्र बनाए गए, इसमें 76 हजार 339 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। रविवार तीन दिसंबर को 408 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित होने वाली लेवल-2 (टीजीटी) परीक्षा में एक लाख 21 हजार 574 अभ्यर्थी तथा लेवल-1 (पीआरटी) परीक्षा में 54 हजार 115 अभ्यार्थी 188 परीक्षा केंद्रों पर शाम के सत्र में दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक परीक्षा देंगे। कौशल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा के सीलबंद प्रश्नपत्र सीधे परीक्षा केंद्रों पर भेजा जाएगा। इसके लिए परीक्षा केंद्रों पर बाहरी हस्तक्षेप को रोकने के लिए परीक्षा शुरू होने से तीन घंटे पहले पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की जानी चाहिए मुख्य सचिव ने कहा कि परीक्षा केंद्रों की निरीक्षण के लिए व्यवस्था चाक-चौबंद कर ली गयी है। नकल और अन्य अनियमितताओं पर सख्ती से रोक लगाने के लिए लगभग 172 उडनदस्ते नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा, राज्यभर में प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पूर्णकालिक पर्यवेक्षक भी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें जिला प्रशासन और शिक्षा बोर्ड के अधिकारी, कर्मचारी भी शामिल हैं। बैठक में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन वेद प्रकाश, महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग आशिमा बराड़, विशेष सचिव आदित्य दहिया, महावीर कौशिक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक से प्रदेश के सभी उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ऑनलानन जुड़े रहे।

विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेगी विकसित भारत संकल्प यात्रा : प्रवीण अत्री

कैथल (हिंस)। सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग के मीडिया सचिव प्रवीण अत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पारदर्शी व तकनीकी व्यवस्था से हरियाणा का कायाकल्प करने का कार्य किया है। ऑनलाईन व्यवस्था से लाभार्थियों को घर बैठे ही विभिन्न सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार व बिचौलिया राज खत्म हुआ है। विकसित भारत संकल्प यात्रा विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने का कार्य करेगी। वे शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में प्रेसवार्ता के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार ने मीडिया हित के लिए अनेकों कदम उठाए हैं, पिछले दिनों पेंशन में बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ-साथ मीडिया कर्मियों को मान्यता देने के नियमों को भी सरल बनाया गया है। प्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद चल रहा है, जिसका उद्देश्य आमजन को योजनाओं की जानकारी व लाभ उनके घर द्वार पर देना है। इसके साथ-साथ लाभार्थियों से फीडबैक भी ली जा रही है। हरियाणा प्रदेश में जो भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, जातिवाद पूर्व में था, उसे मुख्यमंत्री मनोहर लाल समाप्त किया है और हरियाणा एक-हरियाणवी एक की परिपाटी पर चलते हुए अनेकों योजनाएं लागू की और गरीब वंचित को अधिकार दिया है। प्रवीण अत्री ने कहा कि आमजन के हित में कई पोर्टल बनाए हैं और करीब 597 सेवाओं का लाभ लाभार्थियों को ऑनलाईन दिया जा रहा है। इस व्यवस्था से प्रदेश के करीब 45 लाख लाभार्थी लाभ ले चुके हैं। विपक्षी दलों ने पोर्टल व्यवस्था का विरोध किया और अनाप शनाप ब्यान बाजी करके लोगों को गुमराह करने की कोशिश की, परंतू अब जब सच्चाई सामने आई है कि पोर्टल से बिचौलिया राज खत्म हुआ है तो उन्होंने भी अपने ब्यान बदलने शुरू किए हैं। परिवार पहचान पत्र के माध्यम से करीब 2 करोड़ 83 लाख लोगों का डाटा इकट्ठा किया गया है। इस मौके पर उनके साथ मीडिया कोर्डिनेटर रणदीप घनघस, जिला मीडिया सह प्रभारी भीमसैन अग्रवाल मौजूद रहे।

पुलवामा मुठभेड़ में मारा गया लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी

पुलवामा (हिंस)। पुलवामा जिले के अरिहाल इलाके में गुरुवार रात सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी मारा गया। वह हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि लश्कर-ए-तैयबा का स्थानीय आतंकी किफायत अयूब अली निवासी पिंजूरा शोपियां मुठभेड़ में मारा गया। वह इस साल 04 अक्तूबर को लश्कर-ए-तैयबा में शामिल हुआ था। क्षेत्र को पूरी तरह से खंगालने के बाद अभियान को समाप्त कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार देर शाम पुलवामा जिले के अरिहाल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद पुलिस, सेना की 44 आरआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान इलाके में छिपे आतंकवादी ने सुरक्षाबलों को देखते ही अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक स्थानीय आतंकवादी को मार गिराया गया। सुरक्षाबलों ने उसका शव मुठभेड़ स्थल से बरामद कर लिया। मुठभेड़ स्थल से 01 पिस्तौल, 02 मैगजीन, 05 आरडीएस, 02 ग्रेनेड सहित हथियार और गोला-बारूद के साथ महत्वपूर्ण आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। पुलिस ने जनता से अनुरोध किया है कि मुठभेड़ स्थल पर तब तक न जाएं जब तक कि क्षेत्र को पूरी तरह से साफ न कर दिया जाए और किसी भी संभावित विस्फोटक सामग्री को साफ न कर दिया जाए।

नवाचारों से हासिल करेंगे शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य : अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा

जयपुर (हिंस)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रदेश में नियमित टीकाकरण की दिशा में लक्ष्यों के अनुरूप बेहतर काम हुआ है। भावी पीढ़ी की स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश में शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित हो। एक भी बच्चा नियमित टीकाकरण से नहीं छूटे। इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग विभिन्न नवाचारों के माध्यम से लक्ष्य हासिल करेगा। सिंह शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में नियमित टीकाकरण के लिए गठित स्टेट टास्क फोर्स की बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नियमित टीकाकरण का लक्ष्य राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहा है। इसे हमें अब शत-प्रतिशत टीकाकरण की ओर लेकर जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन जिलों में निर्धारित लक्ष्यों से कम टीकाकरण रहेगा, वहां मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के होलिस्टिक रिकॉर्ड में टीकाकरण सहित अन्य शारीरिक जानकारियां शामिल करने की कार्रवाई प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग के शाला दर्पण पोर्टल व विद्यार्थियों के लिए बनाए जाने वाले होलिस्टिक डेटाबेस को

चिकित्सा विभाग के पीसीटीएस सॉफ्टवेयर से जोड़कर जॉइंट एक्सेस सुविधा शुरू की जाएगी। इस समेकित सिस्टम से सभी विद्यार्थियों के टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य पैरामीटर की जानकारी मिलना सुलभ हो जाएगा। इसकी जानकारी शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग दोनों को मिल सकेगी और 10 एवं 16 वर्ष की उम्र में जरूरी टीके लगाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। सिंह ने टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के तहत स्कूली स्तर पर तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से टीकाकरण अभियान को गति दी जाएगी। साथ ही जिला स्तर पर जिला कलेक्टर, सीएमएचओ की तथा उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी, बीसीएमएचओ की जिम्मेदारी तय करते हुए टीकाकरण को बढ़ाएंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने के लिए शिक्षा, महिला बाल विकास, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, अल्पसंख्यक मामलात, ईएसआई विभाग तथा संबंधित एजेंसियों के समन्वय एवं सहयोग से माइक्रो प्लानिंग की जाए। इसमें तकनीक का भी उपयोग करते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए ताकि एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि 10 दिसंबर से प्रदेश के 24 जिलों में आयोजित होने वाले उपराष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर अधिक से अधिक संख्या में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाए। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग भी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को टीकाकरण के लिए जागरूक करे। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों में धर्म गुरूओं द्वारा अपील तथा मदरसों में अभिभावकों के साथ चर्चा कर टीकाकरण के प्रति जनचेतना जाग्रत की जा सकती है। इसी प्रकार ईएसआई विभाग फैक्ट्रियों एवं अन्य औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों को बच्चों के टीकाकरण के लिए प्रेरित करे। उन्होंने कहा कि टीकाकरण को लेकर सोशल मीडिया आदि माध्यमों से भ्रांति फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि जिला कलेक्टर्स के माध्यम से नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के तय लक्ष्य से पीछे रहने वाले जिलों में विशेष फोकस किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने इन जिलों में आईईसी गतिविधियां बढ़ाने पर भी बल दिया। समेकित बाल विकास सेवाएं विभाग के निदेशक रामावतार मीना ने बताया कि नियमित टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

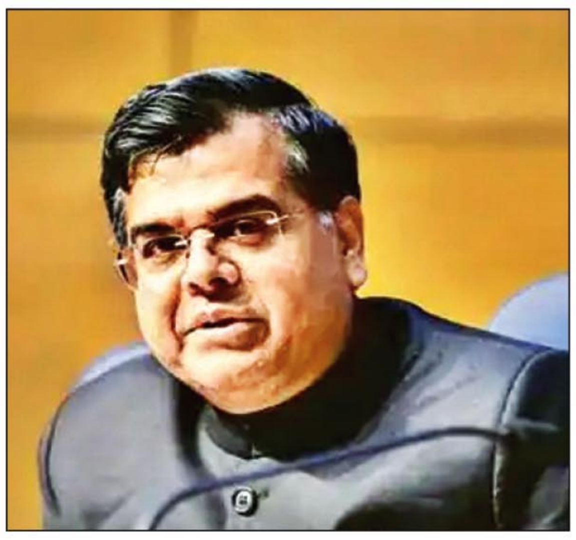

आठवें वेतन आयोग के गठन पर नहीं हो रही है कोई चर्चा, वित्त सचिव ने किया खुलासा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह आठवे वेतन आयोग के गठन पर फिलहाल कोई विचार नहीं कर रहा है। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने कहा है कि अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले केंद्र सरकार के करीब 54 लाख कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन की सरकार की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा, आठवें वेतन आयोग के गठन पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।

सोमनाथन ने कहा यह वर्तमान में देय नहीं है। पूर्व में चुनावों से पहले, सरकारों ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों, सशस्त्र बलों के कर्मियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को लुभाने के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में वेतन आयोग की स्थापना या कार्यान्वयन का उपयोग किया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सितंबर 2013 में राज्य और आम चुनावों से कुछ महीने पहले सातवें वेतन आयोग का गठन किया था।

नई पेंशन योजना की समीक्षा पर किया जा रहा ध्यान केंद्रित – हालांकि, भाजपा ने इस तरह के कदम से किनारा कर लिया है, इसके बजाय नई पेंशन योजना की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो नए राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए विवाद का मसला है।

मौजूदा योजना के तहत कर्मचारी अपने मूल वेतन का 10 प्रतिशत योगदान करते हैं, जबकि सरकार 14 प्रतिशत का भुगतान करती है। यह राजनीतिक रूप से विवादास्पद हो गया है, क्योंकि कई विपक्षी शासित राज्यों ने पुरानी पेंशन योजना का रुख कर लिया है। जो पेंशनभोगियों को बिना किसी कर्मचारी योगदान के उनके अंतिम आहरित वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन की मासिक गारंटी देता है। सरकार ने व्यवस्था की समीक्षा के लिए वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया।

सोमनाथन बोले– नई पेंशन योजना पर संबंधित पक्षों से किया गया विचार–विमर्श – सोमनाथन ने कहा, हमने सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार–विमर्श पूरा कर लिया है और हमारी रिपोर्ट जल्द सौंपी जाएगी। सरकार नई पेंशन व्यवस्था में यह सुनिश्चित करने के लिए बदलाव ला सकती है कि कर्मचारियों को उनके अंतिम वेतन का कम से कम 40 से 45 प्रतिशत पेंशन मिले। चुनाव नजदीक आने के साथ ही वित्त मंत्रालय पर 8वें वेतन आयोग की घोषणा करने और उसे अधिसूचित करने का राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है, भले ही पांच राज्यों के चुनावों के नतीजे कुछ भी हों। घोषित होने वाले राज्य चुनाव परिणामों को व्यापक रूप से 2024 के आम चुनाव से पहले सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मैदान में होंगे।

न्यूज ब्रीफ

2000 रुपये के 97.26 प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में लौटे, क्या बचे नोटों को खाते में जमा किया जा सकता है

नई दिल्ली । 2000 रुपये के नोट जमा करने और बदलने की आखिरी तिथि के दो महीने बाद बाजार में अब भी 2.7 प्रतिशत नोट बचे हुए हैं। इसका मतलब है कि आरबीआई की ओर से 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा के बाद अब तक करीब 97.26 प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। बैंकों में 2000 रुपये के नोट जमा करने या बदलने की आखिरी तारीख अक्तूबर 7 (शनिवार) थी। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार जिस दिन 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने का फैसला लिया गया यानी 19 मई 2023 को चलन में 3.56 लाख करोड़ रुपये के 2000 के नोट मौजूद थे। वहीं 30 नवंबर के दिन बाजार में करीब 9,760 करोड़ रुपये के नोट शेष रह गए। बता दें कि 2000 रुपये के नोटों को जमा करने या बदलने की आखिरी तारीख समाप्त होने के बाद भी आरबीआई के 19 इश्यू कार्यालय से बदला या अपने खाते में जमा किया जा सकता है। एक बार में आप 2000 रुपये के 10 नोट बदलवा सकते हैं। आरबीआई के ये इश्यू ऑफिस अहमदाबाद, बंगलूरू, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम हैं। आम लोग 2000 रुपये के नोट इंडिया पोस्ट के जरिए भी आरबीआई के इश्यू कार्यालय को भेजकर अपने खाते में जमा करवा सकते हैं।

अलीपे सिंगापुर होल्डिंग ने जोमैटो में अपनी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । चीनी ई–कॉमर्स कंपनी अलीबाबा की शाखा अलीपे सिंगापुर होल्डिंग ने खुले बाजार में

लेनदेन के जरिये ऑनलाइन मंच जोमैटो में अपनी 3.44 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,337 करोड़ रुपये में बेच दी। अलीपे सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट ने बीएसई पर जोमैटो के 29.60 करोड़ से अधिक शेयर 31 किस्तों में बेचे। बीएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, अलीपे सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट ने कुल 29,60,73,993 शेयर बेचे। यह जोमैटो में उसकी 3.44 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं।यह बिक्री औसतन 112.7 रुपये की कीमत पर की गई, जिससे कुल सौदा 3,336.75 करोड़ रुपये का हो गया। जोमैटो के शेयर खरीदने वालों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड (एमएफ), बिड़ला एमएफ, मॉर्गन स्टेनली, इंडिया एकॉर्न आईसीएवी और गोल्डमैन साक्स (सिंगापुर) प्राइवेट भी शामिल हैं। हालिया सौदे के बाद अलीबाबा अपनी सहयोगी एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गुरुग्राम स्थित कंपनी जोमैटो में 6.39 प्रतिशत हिस्सेदारी की मालिक है।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स फिर घटाया, 6300 रुपये प्रति टन से 5000 रुपये प्रति टन किया

नई दिल्ली । भारत सरकार ने कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। हर पखवाड़े बीते दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर कर दरों की समीक्षा की जाती है। केंद्र ने 16 नवंबर को कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 9800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6300 रुपये प्रति टन कर दिया था। सरकार की ओर से अप्रत्याशित और औसत से ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों पर लगाए गए टैक्स को विंडफॉल टैक्स कहा जाता है। जब सरकार किसी उद्योग के राजस्व में अचानक वृद्धि देखती है, तो वह विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला लेती है। यह टैक्स लगाकर सरकार प्रॉफिट का कुछ हिस्सा अपने पास रखती है। विंडफॉल टैक्स अस्थाई होता है। विंडफॉल टैक्स की समीक्षा हर 15 दिन में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से की जाती है। ये टैक्स आम तौर पर लंबे समय से स्थापित बिजनेस पर लगाया जाता है जो किसी बाहरी कारण की वजह से मोटा मुनाफा बनाते हैं। आसान शब्दों में कहें तो प्रॉफिट विंडफॉल है। इसलिए अप्रत्याशित लाभ पर अप्रत्याशित कर लगाता जाता है।

चीन में क्या रहा है दो और बिजनेस एग्जीक्यूटिव लापता, संकटग्रस्त झोंगजी से जुड़े हैं तार

नई दिल्ली ।

चीन के संकटग्रस्त वित्तीय समूह झोंगझी की ओर से नियंत्रित कंपनियों के दो और बिजनेस एग्जीक्यूटिव लापता हो गए हैं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ ही दिन पहले चीनी अधिकारियों ने संकटग्रस्त शैडो बैंक झोंगजी की आपराधिक जांच शुरू की थी। पिछले हफ्ते, झोंगज़ी ने अपने निवेशकों को बताया था कि वह दिवालिया हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार लिस्टेड एजुकेशन फर्म डालियान माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी ने कहा कि कंपनी अपनी चेयरपर्सन मा होंग्यिंग से संपर्क नहीं कर पा रही है। शेनझेन स्टॉक एक्सचेंज को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा, कंपनी इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं है कि वह मा होंग्यिंग से संपर्क क्यों नहीं कर पा रही है। इसी बीच, शिनजियांग तियानशान पशुपालन बायो–इंजीनियरिंग, जो शिनजियांग क्षेत्र में मवेशियों और डेयरी गायों के प्रजनन का काम करता है ने कहा कि उसके अध्यक्ष मा चांगशुई के साथ संपर्क नहीं हो पा रहा है। इन दोनों कंपनियों को झोंगज़ी की निवेश इकाइयों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। जानकारी के अनुसार लापता अधिकारी वर्षों से समूह से जुड़े हुए हैं।

कंपनी के अनुसार, 38 वर्षीय मा होंग्यिंग ने 2015 से झोंगझी के मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में कार्य किया है। उन्हें 2022 में डालियान माई जिम एजुकेशन टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, कुछ साल बाद झोंगज़ी ने शेयर खरीद सौदे के माध्यम से कंपनी का नियंत्रण हासिल कर लिया था। दूसरी ओर, 59 वर्षीय मा चांगशुई, पशु प्रजनन फर्म में अपनी पोजीशन के साथ–साथ झोंगजी के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य करते हैं। वह पहले समूह के मुख्य जोखिम नियंत्रण अधिकारी थे। बीजिंग स्थित झोंगझी लगभग एक दर्जन संपत्ति और धन प्रबंधन फर्मों को नियंत्रित करता है। इसे चीन के 3 ट्रिलियन डॉलर के शैडो बैंकिंग उद्योग का हिस्सा माना जाता है। यह उद्योग चीन में वित्तपोषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। शैडो बैंकिंग आमतौर पर वित्तपोषण की ऐसी गतिविधि को कहा जाता है जो औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से बाहर संचालित होता है। यह व्यवस्था बैंकों द्वारा ऑफ–बैलेंस–शीट गतिविधियों के माध्यम से या गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थानों, ट्रस्ट और फर्मों की ओर से संचालित की जाती है। जानकारी के अनुसार झोंगजी की वित्तीय समस्याएं इसके संस्थापक झी झिकुन की दिसंबर 2021 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु के बाद शुरू हुईं। झोंगझी के वित्त के बारे में चिंताएं पहली बार अगस्त में शुरू हुई थीं जब कंपनी के आंशिक स्वामित्व वाला एक ट्रस्ट– झोंगरोंग इंटरनेशनल ट्रस्ट व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट निवेशकों को भुगतान करने से चूक गया था। इससे नाराज निवेशकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इससे इस चिंता को बल मिला था कि चीन के संपत्ति बाजार में मंदी एक व्यापक वित्तीय संकट की ओर ले जा सकता है। झोंगझी की ट्रस्ट बैंकिंग इकाई ने रियल एस्टेट में अपने पैसे का लगभग दसवां हिस्सा निवेश किया है। लेकिन इसके रियल एस्टेट पोर्टफोलियो की कई कंपनियां पिछले कुछ वर्षों में नकदी संकट से जूझ रही हैं, इनमें से कुछ ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया है। झोंगज़ी ने पिछले हफ्ते अपने निवेशकों से माफी मांगी थी और स्वीकार किया कि इसकी लिक्विडिटी समाप्त हो गई है। कंपनी ने कहा कि उसके संस्थापक की मौत और उसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के इस्तीफे के बाद से उसका आंतरिक प्रबंधन विफलता की स्थिति में चला गया है। कुछ दिनों बाद, बीजिंग पुलिस ने कंपनी की धन प्रबंधन इकाई की जांच की घोषणा की, जिसमें अवैध गतिविधियों का संदेह जताया गया था।

बंद पड़े एयरलाइन गो फर्स्ट के सीईओ कौशिक खोना का इस्तीफा, कर्मचारियों से कही यह बात

मुंबई । बंद पड़ी विमानन कंपनी गो फर्स्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कौशिक खोना ने इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा एयरलाइन के दिवालिया कार्यवाही के लिए मामला दायर किए जाने के लगभग सात

महीने बाद आया है। कौशिक ने एयरलाइन के कर्मचारियों को लिखे एक ई–मेल में कहा कि 30 नवंबर कंपनी में उनका आखिरी दिन है। वह अगस्त 2020 में सीईओ के रूप में गो फर्स्ट में लौटे थे। उन्होंने कहा कि भारी मन से मैं बताना चाहता हूं कि आज कंपनी के साथ मेरा आखिरी दिन है। मुझे अगस्त 2020 में एक बार फिर गो फर्स्ट के लिए काम करने का मौका मिला। आपके समर्थन से मैंने अपना बेस्ट दिया और बेहतर करने की कोशिश की। इससे पहले कौशिक 2008 से 2011 तक इस विमानन कंपनी के साथ थे। गो फर्स्ट ने मई की शुरुआत में उड़ान बंद कर दी थी। कंपनी ने मुख्य रूप से प्रैट एंड व्हिटनी इंजन समस्याओं के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट के बीच स्वैच्छिक दिवाला कार्यवाही के लिए आवेदन किया है।

चुनाव परिणामों से पहले गैस सिलेंडर फिर हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

3 दिसंबर को आने वाले देश के पांच राज्यों के चुनाव परिणाम से पहले गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव किया जा रहा है। 15 दिन के बाद ही कमर्शियल गैस सिलेंडर के कीमतों में इजाफा कर दिया गया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में देश के चारों महानगरों में मामूली इजाफा देखने को मिला है। देश की राजधानी दिल्ली और मुंबई में 21 रुपए की बढ़त की गई है। दिल्ली में गैस सिलेंडर के दाम 1775.50 21 रुपए से बढ़कर 1796.50 रुपए पर आ गए हैं।

जबकि मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1728 रुपए से बढ़कर 1749 रुपए हो गई है। वहीं कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 22.5 रुपए इजाफा हुआ है और कीमतें 1885.50 रुपए से बढ़कर 1908 रुपए पर आ गए हैं। चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में सबसे ज्यादा 26.5 रुपए का इजाफा हुआ है और दाम 1942 रुपए से बढ़कर 1968.50 रुपए पर आ गए हैं।

इससे पहले 16 नवंबर के दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में गिरावट देखने को मिली थी। उससे पहले एक नवंबर के दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम देश की राजधानी दिल्ली में 2000 रुपए के काफी करीब पहुंच गए थे। बता दें कि फिलहाल घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार अगस्त महीने के आखिरी दिन बदलाव किया गया था जब सरकार ने इसकी कीमतों में 200 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की थी।

कार्यवाहक निदेशक राहुल नवीन को अतिरिक्त सचिव के पैनल में शामिल किया गया, लिस्ट में 15 अन्य अधिकारी भी

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यवाहक निदेशक राहुल नवीन को केंद्र में अतिरिक्त सचिव का पद संभालने के लिए केंद्र सरकार ने पैनल में शामिल किया है। नवीन 1993 बैच के आयकर कैडर के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा जारी एक आदेश में नवीन को विभिन्न कैडरों के 15 अन्य अधिकारियों के साथ अतिरिक्त सचिव (एएस) रैंक में सूचीबद्ध किया गया है।

संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें सितंबर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का प्रभारी निदेशक या प्रमुख नियुक्त किया गया था। नवीन को अंतरराष्ट्रीय कराधान कानूनों और संधियों में विशेषज्ञता हासिल है और वह 2020 में आयकर विभाग से एजेंसी में नियुक्ति के बाद से ईडी में विशेष निदेशक (सतर्कता) के रूप में कार्यरत हैं। ईडी निदेशक का पद अतिरिक्त सचिव रैंक का पद होता है।

2020 बैच के आईआरएस अधिकारी मिश्रा को ईडी का नेतृत्व करते हुए सचिव रैंक में पदोन्नत किया गया था। ईडी एक संघीय जांच एजेंसी है जिसे तीन कानूनों – धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) और भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए) के तहत वित्तीय अपराधों की जांच करने का काम सौंपा गया है।

रेमंड के इंडिपेंडेंट–डायरेक्टर्स ने सीनियर लीगल काउंसिल को नियुक्त किया यह गौतम सिंघानिया और नवाज मोदी के विवाद के बीच कंपनी को सलाह देगी

नई दिल्ली ।

रेमंड के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स ने ग्रुप के चेयरमैन और एमडी गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी नवाज मोदी के विवाद के बीच कंपनी को सलाह देने के लिए एक इंडिपेंडेंट सीनियर लीगल काउंसिल को नियुक्त किया है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा, इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स यह सुनिश्चित करने के लिए अलर्ट हैं कि दो प्रमोटर डायरेक्टरों के बीच मैरिटल डिस्प्यूट किसी भी तरह से कंपनी के मामलों और बिजनेस को मैनेज करने के लिए चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर की क्षमता को प्रभावित न करे।

इंडिपेंडेंट सीनियर लीगल काउंसिल रिटेन किया

इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स ने कंपनी को सलाह देने के लिए इंडिपेंडेंट सीनियर लीगल काउंसिल बर्जिस देसाई को रिटेन करने का फैसला किया है। इनका प्रमोटर्स या कंपनी से कोई लिंक नहीं है। स्टेकहोल्डर्स को आश्वस्त करना चाहते हैं कि वो निष्पक्ष रूप से काम करेंगे।

एडवाइजरी फर्म ने इंटरिम सीईओ नियुक्त करने की सलाह दी

इससे पहले प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज ने रेमंड ग्रुप के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स को एक इंटरिम सीईओ नियुक्त करने के लिए कहा था। एलआईएएस ने गौतम सिंघानिया पर लगे उनकी पत्नी और बेटी से मारपीट करने और पर्सनल बेनेफिट्स के लिए कंपनी के फंड्स का यूज करने के आरोपों की जांच करने के लिए भी कहा था। कंपनी के पांच इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स को एलआईएएस ने यह भी सुझाव दिया कि वे गौतम सिंघानिया और नवाज से बोर्ड मेंबर्स के रूप में अपनी जिम्मेदारियों से कुछ समय के लिए हटने को कहें।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने आदेश का पालन नहीं करने पर सेबी को फटकारा, कहा- इससे निवेशकों का भरोसा घटेगा

नई दिल्ली ।

बंबई उच्च न्यायालय ने अदालत के आदेश का पालन नहीं के मामले में भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि सेबी को जनहित में काम करने की जरूरत है। न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की खंडपीठ ने कहा कि सेबी के इस तरह के रुख से निवेशकों के विश्वास को झटका लगेगा।

उच्च न्यायालय ने अक्टूबर में सेबी को निर्देश दिया था कि वह एक कंपनी के माइनॉरिटी शेयरधारकों को कुछ जांच दस्तावेज मुहैया कराए। कंपनी और सेबी ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसने नवंबर में अपील खारिज कर दी।

याचिकाकर्ता भारत निधि लिमिटेड के माइनॉरिटी शेयरधारक हैं और उन्होंने कंपनी पर प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सेबी से कई शिकायतें की थीं। सेबी ने तब इसकी जांच शुरू की थी, कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और बाद में एक निपटान आदेश पारित किया था, जिसे अब रद्द कर दिया गया है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी अपील में दावा किया था कि उन्हें न तो जांच रिपोर्ट और न ही कोई प्रासंगिक दस्तावेज प्रदान किए गए। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सेबी द्वारा की जा रही जांच एक तमाशा है। सेबी ने उच्च न्यायालय को बताया कि चूंकि निपटान आदेश रद्द कर दिया गया है, इसलिए मौजूदा याचिकाओं में कुछ भी नहीं बचा है। हालांकि पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा पारित आदेश का लगातार पालन नहीं किया जा रहा है और पूरी तरह से अस्वीकार्य है। अदालत ने कहा, सेबी एक सार्वजनिक निकाय है, उसे जनहित में काम करने की जरूरत है, उसे इस न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का पालन करने की जरूरत है। न्यायालय ने कहा कि वह इस तरह की टिप्पणी करने के लिए बाध्य है क्योंकि वह मौजूदा मामले में सेबी के रुख से हैरान है। पीठ ने कहा, हमारी राय में सेबी के इस तरह के रवैये से निवेशकों के सेबी में भरोसे को धक्का लगेगा। अदालत ने कहा कि उसके विचार से सेबी ने उसके आदेश का पालन नहीं करने के लिए सभी संभव प्रयास किए हैं। पीठ ने कहा कि अब जबकि निपटान आदेश रद्द कर दिया गया है, सेबी कंपनी को जारी कारण बताओ नोटिस पर तेजी से फैसला करेगा। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को दस्तावेज उपलब्ध कराने की जरूरत है और सेबी को उसके आदेश का तत्काल पालन करने का निर्देश दिया।

सोने में तेजी, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62,600 रुपये और चांदी के वायदा भाव 77,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 146 रुपये की तेजी के साथ 62,786 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 10 रुपये की तेजी के साथ 62,650 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 262 रुपये की तेजी के साथ 77,777 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 97 रुपये की तेजी के साथ 77,612 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्टीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,038.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,038.10 डॉलर था। फिलहाल यह 3.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,441.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.29 डॉलर था। फिलहाल यह 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 25.31 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अभिनेत्री तारा सुतारिया ने बॉलीवुड को लेकर साझा किया अपना अनुभव

आउटसाइडर्स के लिए फिल्म इंडस्ट्री में काम पाना जितना कठिन है उतना ही कठिन है दोस्त बनाना भी। साल 2019 से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहीं अभिनेत्री तारा सुतारिया के शरूआती दौर में दोस्त इंडस्ट्री में नहीं बने थे क्योंकि वह शमीर्ली हुआ करती थीं। उन्होंने समय के साथ बदला है। उन्होंने बातचीत के दौरान कहा कि अब इंडस्ट्री में दोस्त बन गए हैं। इस बात से मैं खुश हूं। मैं पहले बहुत शमीर्ली हुआ करती थी, ज्यादा किसी से बात नहीं करती थी। अब आत्मविश्वास बढ़ गया है। जिंदगी में बदलाव है। इंडस्ट्री में मेरे दोस्त कम हैं, लेकिन सब बहुत अच्छे हैं। तारा आगे कहती हैं कि खुद में यह बदलाव लाना मेरे लिए बहुत आवश्यक था। हां, पहले मैं खुद ही इस बात को नकारती थी कि मुझे क्यों बदलना चाहिए। मैं तो ठीक हूं। मुझे दूसरों से ज्यादा बातें नहीं करनी हैं। लेकिन यह जरूरी है, क्योंकि लोग मुझे कैसे समझेंगे। लोगों सोचते थे कि मुझमें बहुत एटीट्यूड है, लेकिन नहीं है। मैं ज्यादा बोलती नहीं थी, इसका मतलब यह नहीं है कि एटीट्यूड है। वक्त के साथ कई चीजें समझ गई हूं। अब लोगों को मेरे बारे में थोड़ा पता है। अब मैं बिंदास हूं, पहले की तरह शमीर्ली नहीं हूं।

फिल्म एनीमल के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा शाहरुख खान के साथ फिल्म बनाएंगे

साउथ सिनेमा के मशहूर फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म एनिमल को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। संदीप एनिमल के प्रमोशन में कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच संदीप रेड्डी ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाह रुख खान के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की है। शाहिद कपूर संग कबीर सिंह जैसी धमाकेदार फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा का नाम इस समय एनिमल मूवी को लेकर चर्चा में बना हुआ है। संदीप इन दिनों रणबीर कपूर स्टारर एनिमल के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इस दौरान संदीप रेड्डी वांगा ने हिंदी सिनेमा के मेगा सुपरस्टार शाह रुख खान को लेकर खुलकर बात की है। फिल्ममेकर ने बताया है कि उनकी इच्छा कि वह भविष्य में किंग खान के साथ एक मूवी बनाना चाहते हैं। अब निर्देशक ने रणबीर कपूर की एनिमल पर दांव खेला है। हाल ही में एनिमल के प्रमोशन के दौरान संदीप रेड्डी वांगा ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में शाह रुख खान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है- कुछ दिन पहले शाह रुख खान से मेरी मुलाकात हुई। मैं उनके सामने ज्यादा कुछ नहीं बोल सका, बस मैंने इतना कहा की सर मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। एक फिल्ममेकर के तौर पर हर कोई उनके साथ काम करना चाहता है, उस लिहाज से मैं भी शाह रुख के साथ फिल्म बनाने की इच्छा रखता हूं और मैं चाहूंगा की आने वाले दिनों शायद ऐसा हो। इंटरव्यू के दौरान संदीप रेड्डी वांगा ने इस बात की जानकारी भी दी है कि उनके पास एक नई स्क्रिप्ट भी रेडी है। दरअसल संदीप ने बताया है कि उन्होंने एक कॉमेडी फिल्म की स्क्रिप्ट को तैयार कर लिया है। हालांकि उसके बारे में ज्यादा डिटेल्स नहीं दी जाएगी। ऐसे में अब ये कयास भी लग रहे हैं कि संदीप रेड्डी वांगा इस मूवी को लेकर शायद शाह रुख खान के नाम पर विचार कर सकते हैं। हालांकि इस बात की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकती है।

नैनीताल में फिल्म 'बन टिक्की' की शूटिंग शुरू, अभय देओल और नुसरत भरूचा दिखेंगे साथ

नैनीताल, (हि.स.)। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में काफी दृश्य फिल्माने के बाद हिन्दी फीचर फिल्म बन टिक्की की शूटिंग अब नैनीताल में शुरू हो गई है। फिल्म की शूटिंग के लिये नगर के डीएसए मैदान में विशेष प्रबंध किये गये हैं। बताया गया है कि अगले करीब 3 सप्ताह तक नगर की मॉल रोड एवं विद्यालयों व अन्य स्थानों पर फिल्म की शूटिंग की जाएगी। गौरतलब है कि बन टिक्की पहाड़ों में एक बीच से कटे हुये बन के भीतर टिक्की को रखकर परोसे जाने वाली एक तरह की चाट के तौर पर पहचानी व पसंद की जाती है। खास बात यह है कि इस फिल्म के अभिनेता दिग्गज सुपरस्टार धर्मेंद्र के सबसे छोटे पुत्र अभय देओल हैं। वह इस फिल्म में फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरूचा के साथ नजर आयेंगे। इस फिल्म में सुप्रसिद्ध अभिनेत्री जीनत अमान और शबाना आजमी भी एक बार फिर बड़े परदे पर वापसी करने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार बन टिक्की फिल्म की कहानी अभय और उनके ऑनस्क्रीन बेटे के आसपास घूमेगी, लेकिन शबाना और जीनत का किरदार भी इस कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। नैनीताल में अभय, नुसरत व उनके ऑनस्क्रीन बेटे के बीच ही अधिकांश दृश्य फिल्माए जाएंगे।

पहले दिन सुबह से ही मॉल रोड व पंत पार्क सहित अन्य स्थानों पर अभय व उनके ऑनस्क्रीन बेटे के साथ फिल्म के दृश्य फिल्माए गए। इस दौरान मॉल रोड पर वाहनों का आवागमन भी प्रभावित रहा। नैनीताल में अभय देओल व नुसरत भरूचा की ही शूटिंग होगी। जीनत यहां कलाबाज, हम किसी से कम नहीं और जाना फिल्मों की शूटिंग के लिये देवानंद, तारिक व राजेश खन्ना जैसे कलाकारों के साथ आ चुकी हैं, वहीं शबाना नसीरुद्दीन शाह के साथ नैनीताल में फिल्मायी गयी मासूम में मुख्य भूमिका में थीं। जीनत इससे पहले आखिरी बार 2019 में पानीपत फिल्म में एक छोटी भूमिका में नजर आयी थीं।

लेकिन इस फिल्म की शूटिंग के लिये इन दोनों पुराने दौर की हीरोइनों की नैनीताल आने की संभावनायें कम हैं। बताया गया है कि बन टिक्की फिल्म लैंगिक समानता और माता-पिता के द्वारा बच्चों के पालन-पोषण के विषय को प्रमुखता से उठाएगी।

एक्सेल एंटरटेनमेंट की 'खो गए हम कहां' का फर्स्ट लुक आया सामने

एक्सेल एंटरटेनमेंट अपनी अगली फिल्म खो गए हम कहां के साथ दर्शकों को नए जमाने की दोस्ती के जोश से सराबोर करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। दर्शक इस दिलचस्प कहानी को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। निमार्ताओं ने अब होने दो जो होता है के साथ फर्स्ट लुक पेश किया है, जिसमें फिल्म स्क्रीन पर आने वाले मजे को दशार्ती है। अर्जुन वरैन सिंह निर्देशित फिल्म खो गए हम कहां का गाना होने दो जो होता है रिलीज हो गया है। तीन दोस्तों की कहानी की अलग-अलग झलक दिखाते हुए यह अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव के किरदारों की झलक पेश करता है। दोस्ती के जोश से भरी फिल्म का फर्स्ट लुक फिल्म की दुनिया का एक व्यापक व्यू देता है। इसने वास्तव में फिल्म की रिलीज के लिए उत्साह बढ़ा दिया है। फिल्म का निर्देशन डेब्यूटेंट निर्देशक अर्जुन वरैन सिंह ने किया है, जिसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने टाइगर बेबी की रीमा कागती और जोया अख्तर के सहयोग से बनाया है।

पिछले 16 साल में काफी बदल गया सोनम का स्टाइल

बालीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने साल 2007 में बॉलीवुड में कदम रखा था और पिछले 16 साल में उनका स्टाइल काफी बदल गया है। सोनम अपने स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं और यही उन्हें सबसे अलग बनाता है। एयरपोर्ट हो या कोई इवेंट सोनम अपने अनोखे फैशन की वजह से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच ही लेती हैं। हाल ही में सोनम ने इंस्टा पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो हर किसी का दिल जीत रही हैं। लुक की बात करें तो सोनम ब्लू कलर की ऑफ स्लोडर फ्रॉक में ग्लैमरस दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने ब्लैक लैदर गल्वज पेयर किए हैं। मिनिमल मेकअप, स्ट्रेट हेयर मिसेज अहूजा के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। फैंस सोनम के इस लुक को काफी पसंद कर रहे हैं।

वीर दास को प्रियंका चौपड़ा ने दिया खास तोहफा, एक्टर ने सोशल मीडिया पर दिखाई एक झलक

प्रियंका चौपडा और वीर दास को हाल ही में इंटरनेशनल एमी 2023 के अवॉर्ड से सम्मानित किया। ऐसे में एक्टर को इंटरनेशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने एक बधाई वाला नोट भेजा जिसकी एक झलक एक्टर ने इंस्टाग्राम पर साझा की। कॉमेडियन और एक्टर वीर दास इन दिनों सातवें आसमान पर है। हाल ही में उन्होंने अपने शो वीर दासः लैंडिंग के लिए बेस्ट कॉमेडी का अवॉर्ड जीत कर इतिहास रचा है। वीर दास ने सोशल मीडिया एक्स पर एक फोटो शेयर करते हुए प्रियंका चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। इस पोस्ट में एक नोट और कुछ खूबसूरत फूल नजर आ रहे हैं, जो प्रियंका चोपड़ा ने उन्हें भिजवाए हैं और लिखा, प्रिय वीर आपकी एमी जीत पर आपको बहुत-बहुत बधाई। यह एक योग्य और अद्भुत उपलब्धि है। प्यार के साथ, प्रियंका, मैरी और पर्पल पेबल पिक्चर्स के आपके दोस्त।

बता दें, पर्पल पेबल पिक्चर्स प्रियंका द्वारा स्थापित एक फिल्म निर्माण कंपनी है। ऐसे में एक्टर ने प्रियंका का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, फूलों के लिए और हममें से बाकी लोगों के लिए खोले गए हर दरवाजे के लिए प्रियंका चोपड़ा आपको धन्यवाद। वीर दास की कॉमेडी स्पेशल सीरीज की बात करें तो ये एक अनस्क्रिप्टेड स्टैंड-अप कॉमेडी शो है। जहां कॉमेडियन अपनी जिंदगी के अनुभवों के बारे में बात करते हैं। वीर दास की ये कॉमेडी सीरीज नेटफ्लिक्स पर वर्ल्डवाइड स्ट्रीम की गई है।

नयनतार को पति विग्नेश ने लग्जरी कार तोहफे में दी

फिल्म जवान की अभिनेत्री नयनतारा ने अपना 39वां जन्मदिन मनाया। जन्मदिन के बाद उन्हें अपने पति विग्नेश शिवन से जन्मदिन का गिफ्ट लग्जरी कार तोहफे में दी है। यह लग्जरी कार नयनतारा को अब जाकर रिसीव हुई है, जिसकी कई तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। नयनतारा को उनके बर्थडे पर उनके पति विग्नेश ने तोहफे में मर्सिडीज बेंज कार दी है। इस लग्जरी कार की तस्वीरें एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए लिखा घर में आपका स्वागत है ब्यूटी। मेरे प्यारे पति को सबसे प्यारे जन्मदिन के तोहफे के लिए धन्यवाद। लव यू। एक्ट्रेस की इस पोस्ट पर जवान की को-एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने भी कमेंट किया है।

लग्जरी कार की कीमत कितनी है – नयनतारा के पोस्ट से कार के सटीक मॉडल का पता नहीं चलता, लेकिन बता दें कि भारत में दो मर्सिडीज-बेंज मेबैक मॉडल हैं। एक मर्सिडीज-बेंज मेबैक जीएलएस और मर्सिडीज-बेंज मेबैक एस-क्लास। दोनों ही लग्जरी कारों की ऑन रोड कीमत 3 करोड़ रुपये से ज्यादा है। नयनतारा और विग्नेश ने 9 जून, 2022 को चेन्नई में शादी की। उनकी शादी शाह रुख खान और रजनीकांत भी पहुंचे थे। शादी के कुछ महीनों बाद, कपल ने सरोगेसी के माध्यम से अपने जुड़वां बेटों उइर एन शिवन और उलाग एन शिवन का स्वागत किया। नयनतारा के वर्क फ्रंट की बात करें, तो एक्ट्रेस ने हाल ही में, शाह रुख खान के अपोजिट जवान से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इस फिल्म ने जबरदस्त कमाई की और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

एफ-1 ग्रैंड प्रिक्स में इम्प्रेस करती नजर आई प्रियंका

हाल ही में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अबू धाबी में एफ-1 ग्रैंड प्रिक्स में हिस्सा लिया, जहां वह अपने स्टाइलिश से सबको खूब इम्प्रेस करती नजर आईं। इस दौरान प्रियंका की कई हॉलीवुड स्टार्स के साथ भी मुलाकात हुई। इवेंट से प्रियंका की तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो प्रियंया चोपड़ा इस दौरान ब्लैक और पर्पल बॉडीकोन ड्रेस में काफी बोल्ड लगीं। खुले बालों, पर्पल लिप शेड और ब्लैक चश्मे से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। इवेंट में अपने स्टाइलिश लुक का जादू चलाते हुए पीसी कैमरे के सामने जबरदस्त पोज देती दिखीं। फैंस को देसी गर्ल का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। काम की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा से बॉलीवुड में कमबैक करेंगी। इस फिल्म में वह एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।

रानी मुखर्जी ने बताया बेटी अदिरा को आखिर क्यों मीडिया से रखती हैं दूर

कॉफी विथ करण सीजन 8 रानी मुखर्जी उन एक्ट्रेसेज में से हैं जो अपनी पर्सनल लाइफ को मीडिया तक पहुंचने ही नहीं देती। वह हर चीज बहुत छुपकर रखती हैं। फिर चाहे उनकी शादी की कोई तस्वीर हो या फिर बेटी का चेहरा । जो आज तक उन्होंने नहीं दिखाया है। रानी साल 2015 में पहली बार मां बनी थी। कॉफी विद करण सीजन 8 के लेटेस्ट एपिसोड आज भी रिलीज हुआ है, जिसमें बॉलीवुड की सुपरहिट एक्ट्रेस और कजिन सिस्टर रानी मुखर्जी और काजोल नजर आई। इस दौरान करण जौहर ने दोनों एक्ट्रेसेज के कई राज से पर्दा उठाया। तो वहीं कुछ करण जौहर ने भी सालों पुराने राज का खुलासा किया। इसी बीच करण ने रानी से सवाल किया कि वह क्यों अपनी बेटी को मीडिया से दूर रखती हैं। करण के पूछे जाने पर रानी ने हंसते हुए कहा, सभी मुझसे प्यार करते हैं। मैं नहीं चाहती कि मीडिया में आदिरा की फोटो ली जाए। हम आदिरा को स्पेशल महसूस नहीं कराना चाहते हैं। मैं चाहती हूं कि वह साधारण बच्चों की तरह लाइफ जीए। मेरी कोशिश रहती है कि स्कूल में भी आदिरा को स्पेशल ट्रीटमेंट न मिले और वह सभी बच्चों की तरह ही रहे। ये सब तभी होगा जब उसकी फोटोज मीडिया में नहीं ली जाएगी। रानी मुखर्जी ने साल 2014 में आदिरा चोपड़ा से इटली में गुपचुप शादी की थी। आज तक इस कपल की कोई शादी की फोटो सामने नहीं आई है। शादी के ठीक एक साल बाद साल 2015 में रानी मां बनी थी। उन्होंने बेटी अदिरा चोपड़ा को जन्म दिया था। रानी मुखर्जी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में नजर आई थीं। अब मदार्नी 3 में नजर आने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन गोपी पुथरन करेंगे।

सूडोकु नवताल- 6629

★★★✯☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6628 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7376

र	क	ल	ड्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड्ग	इं	म	ला	ई
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	र्नि
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग
त्ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	र
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

शब्दजाल में 'म' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

महान, मजबूर, मजदूर, महिला, महाराणा, महादेव, मसलना, मलाई, मशहूर, महाराजा

शब्दजाल - 7375 का हल

आ	घा	त	ह	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	त	ता	यी	तें	शा	ई
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढा	र	ला	ना
आ	कु	अ	ल	बे	ला	क	ई	रि	श	लौ
स	मा	श	आ	तं	क	स	अ	ग	वी	ट
री	रं	दा	चु	व	लि	आ	वा	ग	म	न
आ	गा	ल	के	गा	आ	म	र	कौ	या	ले
ग	बा	आ	रा	म	क	रो	प्रे	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	ग्य	शा	जू	द
न	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	आ	स	मा	न	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6329

1	5			2		6
	30	7	31		34	
6	3		4		7	1
	37	6	33	6	29	
7	5			1		4
	30		32	7	34	
4	2	1		3	5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6328 का हल

6	5	4	3	2	7	1
2	34	7	30	4	28	2
7	2	1	6	3	5	4
3	31	6	32	6	33	5
4	5	3	6	1	2	7
5	28	5	33	7	38	3
1	3	2	4	5	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

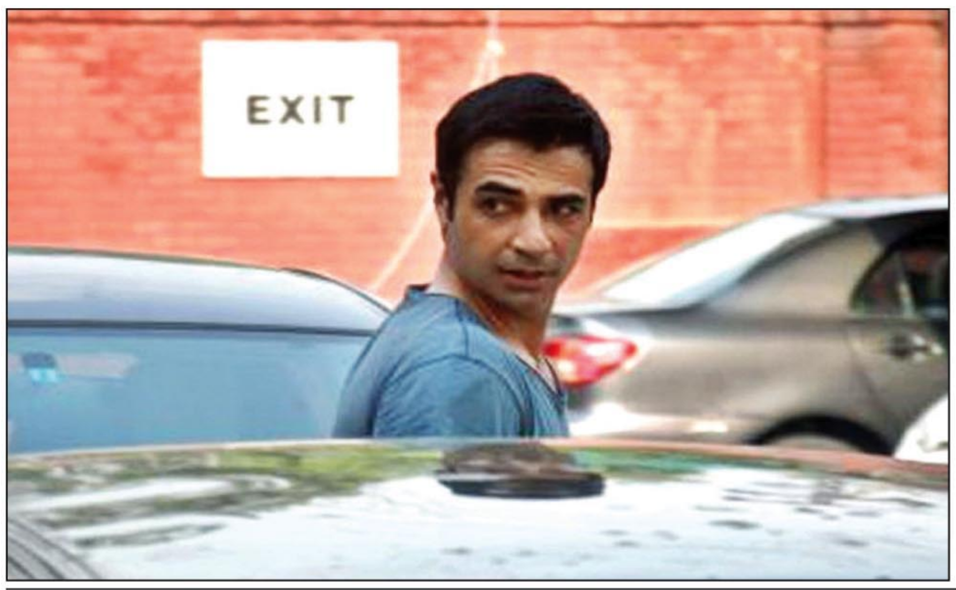

पीसीबी ने मुख्य चयनकर्ता के लिए सलाहकार सदस्यों की नियुक्ति की पुष्टि की

लाहौर।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज के सलाहकार सदस्यों के रूप में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल, राव इफ्तिखार अंजुम और सलमान बट की नियुक्ति की पुष्टि की है।

एक बयान में, पीसीबी ने कहा, तीनों (कामरान अकमल, राव इफ्तिखार अंजुम और सलमान बट) ने तत्काल प्रभाव से चयन पैनल में अपनी जिम्मेदारियां संभाल ली हैं। मुख्य चयनकर्ता के सलाहकार सदस्यों के रूप में उनके पहले कार्यभार में न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला शामिल है, जो ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे के समापन के बाद 12 जनवरी 2024 से शुरू होने वाली है।

इसमें आगे कहा गया है, जब चयन कर्तव्यों में संलग्न नहीं होते हैं, तो सलाहकार सदस्यों को कौशल शिविर आयोजित करने जैसे अतिरिक्त कार्य सौंपे जा सकते हैं।

कामरान अकमल ने 2002 से 2017 तक 15 साल के करियर में 53 टेस्ट, 157 वनडे और 58 टी20 मैच खेले। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने सभी प्रारूपों में 6,871 रन बनाए और स्टंप के पीछे 453 शिकार किए। वह उस पाकिस्तान टीम के सदस्य थे जिसने लॉर्ड्स में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2009 जीता था।

राव इफ्तिखार ने 2004 से 2010 तक एक टेस्ट, 62 वनडे और दो टी20 मैच खेले और कुल 78 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए। वह 2009 में टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। पूर्व टेस्ट कप्तान सलमान बट ने 33 टेस्ट, 78 वनडे और 24 टी20 में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 11 अंतरराष्ट्रीय शतकों के साथ तीनों प्रारूपों में 5,209 रन बनाए। वह 2009 में टी20 विश्व कप विजेता टीम में थे।

इससे पहले, विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम चयन प्रक्रिया में हितों के टकराव के आरोप में इंजमाम उल हक के मुख्य चयनकर्ता के पद से इस्तीफा देने के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज को राष्ट्रीय पुरुष चयन समिति का नया मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय पुरुष मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे शिव थापा, अमित पंघाल और सागर

नई दिल्ली । छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), अमित पंघाल (51 किग्रा) और सागर (92 किग्रा) ने शिलांग में चल रहे 7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है असम का प्रतिनिधित्व करते हुए, पिछले संस्करण के स्वर्ण पदक विजेता शिव ने अपने अनुभव का प्रदर्शन करते हुए हरिवंश तवारी पर 5-0 के सटीक स्कोर के साथ शानदार जीत हासिल की. फाइनल में शिव का सामना एसएससीबी (सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड) के वंशज से होगा दूसरी ओर, एसएससीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले अमित पंघाल आरएसपीबी के अंकित के सामने थे. पूरे मुकाबले में कड़ी प्रतिस्पर्धा रही, लेकिन बेहद अनुभवी 28 वर्षीय पंघाल ने खेल के महत्वपूर्ण क्षणों में अपना संयम बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को 5-2 के विभाजित निर्णय से हरा दिया. 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता पंघाल का अब फाइनल में के अंशुल पुनिया से मुकाबला होगा।

वेस्टइंडीज के विकेटकीपर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर चौंकाया, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिला था मौका

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज शेन डॉरिच ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की

घोषणा करके क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। डॉरिच को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए कैरेबियाई टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम वापस लिया। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने शेन डॉरिच के संन्यास की घोषणा की। शेन डॉरिच को इस महीने वेस्टइंडीज स्क्वाड में शामिल किया गया था। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट तीन साल पहले जबकि आखिरी वनडे चार साल पहले खेला था। डॉरिच ने अपना टेस्ट डेब्यू 2015 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था और 35 टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व किया। डॉरिच ने एकमात्र वनडे 2019 में खेला था। शेन डॉरिच को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए कैरेबियाई टीम में चुना गया था। मगर उन्होंने अपना नाम वापस लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। डॉरिच ने अपना आखिरी मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ दिसंबर 2020 में खेला था। 32 साल के डॉरिच ने 35 टेस्ट में 1570 रन बनाए और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 125 रन है। विकेटकीपर के रूप में उन्होंने 85 कैच और पांच स्टंपिंग की।

नीलामी के दौरान भारी डिमांड के साथ 5 स्पिनर्स पर होगी 10 फ्रेंचाइजी की नजर

नई दिल्ली । आईपीएल के लिए खिलाड़ियों की नीलामी पर सभी निगाहें टिकी हैं। हालांकि जानकार बता रहे हैं

कि भारी डिमांड के साथ 5 स्पिनर्स पर 10 फ्रेंचाइजी की नजर गड़ी हुई हैं। बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 19 दिसंबर को होने वाली है। इस मिनी ऑक्शन से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजी टीमों ने अपने कई खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है जबकि कइयों को रीटेन किया है। आईपीएल में स्पिनर्स की क्या भूमिका रहती है, इससे हम सभी अच्छी तरह वाकिफ हैं। हालांकि मिडिल ओवर्स में स्पिनर्स का रोल अहम होता है। आईपीएल 2024 ऑक्शन में फ्रेंचाइजी क्वालिटी स्पिन गेंदबाजों पर करोड़ों रुपये लुटाती हुई नजर आएंगी। इन 5 स्पिन गेंदबाजों की आईपीएल ऑक्शन में भारी डिमांड हो सकती है। श्रीलंका के मैच विनर स्पिनर वानिंदु हसरंगा को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने आईपीएल 2024 ऑक्शन के लिए रिलीज कर दिया है। हसरंगा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में 26 मैचों में 15.77 की स्ट्राइक रेट से 35 विकेट लिए हैं। वहीं बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने आईपीएल के 71 मैचों में 63 विकेट अपने नाम किए हैं। लेफ्ट आर्म स्पिनर शाकिब आईपीएल में अभी तक 9 सीजन खेल चुके हैं। यानी इस स्पिनर के पास इस लीग में खेलने का अपार अनुभव है। स्पिन गेंदबाजी के अलावा शाकिब एक बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं जो ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इंग्लैंड के अनुभवी स्पिनर आदिल राशिद आईपीएल में अभी तक किसी भी फ्रेंचाइजी के लिए पसंदीदा गेंदबाज नहीं रहे हैं।

डोमिनिका टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी से हटा

टूर्नामेंट अगले साल 4 से 30 जून तक ; क्रिकेट इतिहास में पहली बार अमेरिका को भी मेजबानी

नई दिल्ली ।

डोमिनिका टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के मैचों की मेजबानी नहीं करेंगा। क्रिकइंफो के मुताबिक, डोमिनिका सरकार ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले प्रैक्टिस और मैच वेन्यू पर काम पूरा करने में देश की असमर्थता बताते हुए यह निर्णय लिया। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 4 से 30 जून तक खेला जाएगा। अमेरिका और वेस्टइंडीज के 10 शहरों में 27 दिन तक 20 टीमों के बीच 55 मैच होंगे। शुरुआत में डोमिनिका को वेस्टइंडीज के छह अन्य देशों के साथ टूर्नामेंट के लिए होस्ट वेन्यू के रूप में चुना गया था। ये छह देश एंटीगुआ और बारबुडा, बारबाडोस, गुयाना, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, और त्रिनिदाद और टोबैगो हैं। इसके अलावा अमेरिका के 3 शहरों के नाम फाइनल किए हैं जहां पर टी-20 वर्ल्ड कप के मैचों का आयोजन होगा। उसमें न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास शामिल हैं।

5-5 टीमों के 4 ग्रुप बांटे जाएंगे - 20 टीमों को 5-5 टीमों के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज में 40 मैच होंगे। सभी ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 स्टेज में पहुंचेंगी, इस स्टेज में 12 मैच होंगे। सुपर-8 की भी 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में क्वालिफाई करेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच 30 जून 2024 को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। दो सेमीफाइनल, एक फाइनल और 52 ग्रुप स्टेज मैच मिलाकर टूर्नामेंट में 27 दिन के अंदर कुल 55 मैच खेले जाएंगे।

पिछले 2 टूर्नामेंट 16-16 टीमों के हुए थे - 2021 और 2022 में खेले गए पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें थीं। 8 में से 4 टीमें क्वालिफायर खेलकर सुपर-12 स्टेज का हिस्सा बनती थीं। दोनों टूर्नामेंट में 45-45 मैच हुए थे। 2007 में शुरू हुए टूर्नामेंट में अब पहली बार 20 टीमें शामिल होंगी और टूर्नामेंट में पहली बार 50 से ज्यादा मैच होंगे। 2007 में भारत ने पहला खिताब जीता था, 2022 में इंग्लैंड टीम पिछली बार चैंपियन बनी थी। अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप कराने के पीछे आईसीसी के 2 अहम कारण हैं। पहला: नॉर्थ अमेरिका में क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। यहां मजबूत पकड़ बनाने के लिए आईसीसी ने यह कदम उठाया। दूसरा: 2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक गेम्स में आईसीसी क्रिकेट को शामिल करवाना चाहता है। अगर अमेरिका में वर्ल्ड कप हुआ तो ओलिंपिक में क्रिकेट शामिल किए जाने की उम्मीदें भी बढ़ जाएंगी। आईसीसी ने ओलिंपिक कमेटी को ऑफिशियल प्रेजेंटेशन भी दिखाई है। जिस पर ओलिंपिक कमेटी इस साल के अंत तक फैसला लेगी।

आई-लीग में हेराफेरी के लिए खिलाड़ियों से किया गया संपर्क, चार क्लबों से जुड़े मामले की होगी जांच

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कई आई लीग खिलाड़ियों से हाल ही में मैचों में हेराफेरी के लिए संपर्क किया गया। एआईएफएफ ने मामले की जांच का वादा किया है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह सूचना कैसे मिली, किन खिलाड़ियों से और किसने संपर्क किया लेकिन कहा कि महासंघ खेल में नैतिकता बना, रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक बयान में कहा , 'हमें सूचना मिली है कि खिलाड़ियों से संपर्क किया गया। हम मामले की जांच करेंगे और जरूरी कदम उठाएंगे। हम इस खूबसूरत खेल और अपने खिलाड़ियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस तरह का कोई प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जिससे खिलाड़ियों या खेल को खतरा हो।' आईलीग 2023 सत्र अक्तूबर में शुरू हुआ और 13 टीमों की स्पर्धा में 40 से अधिक मैच हो चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, जो सूचना मिली है वो चार क्लबों से संबंधित है। हालांकि किसी क्लब या खिलाड़ियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। संभवत: यह संपर्क सीजन की शुरुआत में किया गया। एआईएफएफ के इंटिग्रिटी अधिकारी जावेद सिराज मामले को देख रहे हैं। यह भी माना जा रहा है कि एआईएफएफ कुछ संदिग्ध मैचों को भी अपनी जांच के दायरे में लेगी। भारतीय फुटबॉल में भ्रष्टाचार की घटना नई नहीं है।

पर्थ में गति और उछाल की चुनौती का सामना करना है : मिचेल मार्श

पर्थ।

पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मिशेल मार्श का लक्ष्य उस समय मिलने वाली गति और उछाल की चुनौती का सामना करना है जब वह 14 दिसंबर से ऑप्टस स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए मैदान में उतरेंगे। मार्श ने पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए आयोजन स्थल पर बहुत सारे बीबीएल मैच खेले हैं, लेकिन अब वह पहली बार 60,000 सीटों वाले स्टेडियम में टेस्ट खेलने की कगार पर हैं, खासकर ड्रॉप-इन पिच पर। ऑप्टस स्टेडियम के ड्रॉप-इन विकेट में वाका ग्राउंड की पिचों की तरह ही स्थानीय मिट्टी और घास की प्रजातियां शामिल हैं और ग्राउंड की तेज और उछाल भरी प्रकृति को दोहराने के लिए इसके विकास के दौरान बारीकी से निगरानी की जाती है। मार्श ने संवाददाताओं से कहा, यह दुनिया का सबसे अच्छा विकेट है। मैंने पर्थ में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है, लेकिन अगर मुझे चुना गया, तो मैं टेस्ट में खेलने के लिए बेहद उत्साहित होऊंगा। यह पिच तेज और उछालभरी है, आप यही चाहते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में जो बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को प्रतिस्पर्धा करने का समान मौका देता है।

32 वर्षीय मार्श हाल ही में भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत का हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने दो शतक जड़ते हुए 441 रन बनाए थे। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने एशेज के दौरान अपना टेस्ट स्थान पुन: प्राप्त कर लिया और हेडिंग्ले में एक तेज़ शतक लगाया, इस प्रकार कैमरून ग्रीन को किनारे कर दिया गया।

नेहरा ने क्यों कहा कि रिंकू सिंह को सिर्फ फिनिशर नहीं बनाना चाहिए

नई दिल्ली ।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने उम्मीद जाहिर कि हैं कि मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह को वनडे में भी जगह मिलेगी, उन्होंने कहा कि रिंकू को इसके बजाय सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए बजाय अपने फिनिशर टैग से संतुष्ठ नहीं रहना चाहिए। नेहरा ने कहा, यह पहली बार नहीं है कि उसने ऐसा किया है (खेल खत्म किया है)। हम सभी उसकी भूमिका,उसकी ताकत के बारे में चर्चा कर रहे हैं। न केवल उसकी बल्लेबाजी के बारे में, यहां तक कि जिस तरह से वह खुद को मैदान पर छोड़ता है, उससे पता चलता है कि वह एक खिलाड़ी है। नेहरा ने कहा महान टीम मैन। वह भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी संपत्ति साबित हो सकते है। हां, हम केवल टी20 क्रिकेट के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन कौन जानता है कि कल वह वनडे क्रिकेट भी खेल सकते हैं। नेहरा ने कहा कि वह वास्तव में फिनिशर शब्द के प्रशंसक नहीं हैं, क्योंकि एक सलामी बल्लेबाज को भी फिनिशर के रूप में टैग किया जा सकता है यदि वह टिककर शतक बनाता है। कभी-कभी, यह कठोर हो सकता है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं यदि वहीं रिंकू सिंह एक या दो बार खेल खत्म नहीं करता है। वह ऐसा व्यक्ति है जो ऊपरी क्रम में भी खेल सकता है, मैं उस आगे 50 ओवर के क्रिकेट में खेलते हुए देख सकता हूं। वह नंबर 4, नंबर 5 या नंबर 6 पर बल्लेबाजी कर सकता है। उन्होंने

कहा, किसी भी विषम दिन पर, भारतीय टीम 5-6 ओवरों में 4 विकेट पर 40 रन बना सकती है। और मुझे उम्मीद है कि रिंकू सिंह कोई भी भूमिका निभाने के लिए तैयार है, मुझे उम्मीद है कि वह खुद को फिनिशर के रूप में टैग नहीं करना चाहता है। उसे सभी विभागों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की तरफ देखना चाहिए। रिंकू का लिस्ट ए क्रिकेट रिकॉर्ड शानदार है, जो उन्हें वनडे के लिए भी उपयुक्त बनाता है। 55 लिस्ट-ए मैचों और 50 पारियों में उन्होंने 49.83 की औसत से 1,844 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 93.98 है। बाएं हाथ के खिलाड़ी का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड भी शानदार है। उन्होंने 42 मैचों में 57.82 की औसत से 3,007 रन बनाए हैं, जिसमें 63 पारियों में सात शतक और 19 अर्द्धशतक शामिल हैं।

उस्मान ख्वाजा के सामने मैदानी योजनाओं पर उर्दू में चर्चा नहीं करेंगे : हसन अली

कैनबरा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में 14 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली ने कहा कि उनकी टीम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी कि वे मैदान पर अपनी योजनाओं के बारे में अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के सामने खासकर उर्दू में चर्चा न करें।

अली की दिलचस्प टिप्पणियाँ ख्वाजा द्वारा 496 रन बनाने और 2022 में पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलिया की 1-0 सीरीज़ जीत में प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का पुरस्कार लेने के बाद आई हैं. ख्वाजा पाकिस्तान मूल के हैं और उन्होंने प्री-सीरीज़ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उर्दू में कुछ सवालों के जवाब भी दिए।

हसन ने पत्रकारों से कहा,उस्मान भाई उर्दू से परिचित हैं. लेकिन कराची में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को हमारी रणनीतियाँ लीक करने के बाद, हम और अधिक सतर्क हो गए हैं. हम अपनी रणनीतियों को गोपनीय रखने के लिए यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके सामने उर्दू में योजनाओं पर चर्चा न करें. खेल के लिए रणनीति बनाने के लिए मैं उनसे थोड़ा दूर जाऊंगा।

उनका यह भी मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचें मेहमान पाकिस्तानी टीम के लिए कड़ी परीक्षा लेंगी. यह सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं है; सभी दक्षिण एशियाई टीमों को ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर 20 विकेट लेना चुनौतीपूर्ण लगता है. ऑस्ट्रेलिया की पिचें अन्य क्रिकेट खेलने वाले देशों की पिचों से भिन्न होती हैं, और स्थानीय खिलाड़ियों की उनकी परिस्थितियों से परिचितता अक्सर मेहमान टीम के लिए समस्याएँ पैदा करती है।

हसन ने तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शाहीन शाह आफरीदी के नेतृत्व वाले गेंदबाजी आक्रमण के अच्छे होने और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों, विशेषकर कप्तान पैट कमिंस के बराबर होने पर भरोसा जताया।

पैट कमिंस सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं. तीनों प्रारूपों में उनकी उत्कृष्टता सराहनीय है. पाकिस्तान के शाहीन आफरीदी और ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस दोनों कुशल गेंदबाज हैं जो नई और अर्ध-नई गेंदों से गेंदबाजी करने की कला को समझते हैं। हसन इस बात को लेकर भी आशावादी थे कि प्रशंसक बड़ी संख्या में आयोजन स्थलों पर श्रृंखला देखने आएंगे, खासकर बॉक्सिंग डे पर, जो ऑस्ट्रेलिया में एक पारंपरिक अवकाश है. मेरा मानना है कि प्रशंसक स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, शाहीन आफरीदी और बाबर आजम जैसे महान क्रिकेट खिलाड़ियों को देखने आएंगे और अच्छे क्रिकेट की भावना का समर्थन करेंगे।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम का हुआ एलान, रोहित को आराम; सूर्या को टी-20 की कमान

नई दिल्ली।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। बीसीसीआई ने टी-20, वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टी-20 में सूर्या तो वहीं, वनडे में केएल राहुल कप्तानी करेंगे। टेस्ट में रोहित टीम की कमान संभालेंगे।

टी-20 में टीम इंडिया की कप्तानी के लिए रोहित शर्मा को बीसीसीआई के अधिकारी मना रहे थे, इस बात पर बीते दिन से काफी चर्चा हो रही थी। अब बीसीसीआई ने ये एलान कर दिया है कि टी-20 में साउथ अफ्रीका दौरे के लिए सूर्यकुमार यादव ही भारत की कप्तानी करेंगे। बता दें कि 10 दिसंबर से शुरू होने वाले दौरे पर भारत को तीन टी-20 इंटरनेशनल, तीन वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान

दरअसल, बीसीसीआई के सचिव जय शाह, चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर दिल्ली में मिले और वहां टी-20 विश्व कप 2024 के रोडमैप को लेकर चर्चा हुई। टी-20 के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए चोटिल हो गए थे। वह अगले महीने तक वापसी नहीं कर पाएंगे। ऐसे में बीसीसीआई ने सूर्यकुमार यादव को फिर से टी-20 का कप्तान बनाया गया है। वहीं, वनडे में केएल राहुल टीम की कमान संभालेंगे।

टी20 मैचों के लिए भारत की टीम: - यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर , रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो. सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर

वनडे के लिए भारत की टीम: - ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर

टेस्ट के लिए भारत की टीम: - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद, सिराज, मुकेश कुमार, मो. शमी, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा

कोहली ने टी-20 और वनडे क्रिकेट से ब्रेक मांगा

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने टी-20 और वनडे क्रिकेट से ब्रेक लिया है। वह टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 और वनडे में कोहली खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, जबकि 2 टेस्ट मैचों में कोहली खेलते हुए दिखाए देंगे।

इंडिया और साउथ अफ्रीका : साउथ अफ्रीका दौरा पर भारत का पूरा कार्यक्रम

टी-20 सीरीज (तीन मैचों की)

- पहला टी-20 मैच- डरबन- 10 दिसंबर- रात 9:30 बजे
- दूसरा टी-20 मैच- केबेरा- 12 दिसंबर- रात 9:30 बजे
- तीसरा टी-20 मैच- जोहान्सबर्ग- 14 दिसंबर- रात 9:30 बजे

वनडे सीरीज (तीन मैचों की)

- पहला वनडे मैच- जोहान्सबर्ग- 17 दिसंबर-दोपहर 1:30 बजे
- दूसरा वनडे मैच- केबेरा-19 दिसंबर- शाम 4:30 बजे
- तीसरा वनडे मैच- पार्ल- 21 दिसंबर- शाम 4:30 बजे

टेस्ट सीरीज (दो मैचों की)

- पहला टेस्ट- सेंचुरियन-26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक- दोपहर 1: 30 बजे
- दूसरा टेस्ट- केपटाउन-3 जनवरी से 7 जनवरी तक- दोपहर 2 बजे

जानकारी

टेट्रा मिल्क आखिर क्यों होता है सेहत के लिए सबसे बेहतर

दूध शरीर के लिए प्रमुख खाद्य पदार्थों में से एक है। यह सिर्फ बच्चों के लिए ही लाभकारी नहीं है, बल्कि वयस्कों के लिए भी सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीना अच्छा माना जाता है। कुछ सालों पहले तक लोग गाय और भैंस के पोषण से भरपूर दूध पीते थे, लेकिन आज बाजार में उपलब्ध कई तरह के दूध पीने के लोग आदि हो गए हैं। क्या आप जानते हैं कि टेट्रा पैक, बोतल बंद दूध आदि आपके स्वास्थ्य के लिए कितने लाभकारी हैं?

कच्चा दूध

कच्चा दूध अनपाश्चराइज्ड होता है, जिसका परीक्षण नहीं किया जाता है। भारत में यह दूध ऑर्गेनिक ऑर अनऑर्गेनिक दोनों रूपों में मिलता है। स्थानीय डेयरी भी इसे घरों तक पहुंचाती हैं। ऑर्गेनिक का मतलब होता है, जानवरों को दी जाने वाली खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार के रासायनिक खाद्य पदार्थ की मिलावट का न होना। इन डेयरियों में गाय और भैसों से अधिक दूध निकालने के लिए किसी भी तरह की दवा नहीं दी जाती।

पैकेट का दूध

पैकेट का दूध अच्छी तरह से पाश्चराइज्ड होता है। पाश्चराइज्ड का मतलब होता है कि दूध से बैक्टीरिया और अशुद्धता दूर करने के लिए पहले उसे गर्म करना और उसके तुरंत बाद ही एक मानक तापमान पर उसे ठंडा किया जाना। पैकेट का दूध बाजार में तीन प्रकार से मिलता है, टोन्ड, डबल टोन्ड और फुल क्रीम।

टेट्रा पैक दूध

अल्ट्रा हाई टेम्प्रेचर (यूएचटी) या हाई टेम्प्रेचर शॉर्ट टाइम (एचटीएसटी) का उपयोग करके दूध को कुछ सेकंड के लिए निर्धारित तापमान पर गर्म किया किया जाता है, फिर ठंडा किया जाता है। और फिर से टेट्रा पैक्स में गर्म किया जाता है। टेट्रा पैक्स में दूध की सुरक्षा के लिए आमतौर पर छह लेयर्स होती हैं। टेट्रा पैक में उपलब्ध दूध की समय अवधि अन्य दूध की अपेक्षा ज्यादा होती है।

दिनभर थका महसूस करते हैं तो हो सकती है गंभीर समस्या

ज्यादा काम करने से थकान होना लाजमी है। लेकिन बिना काम किए थकान हावी रहती है, तो यह किसी बीमारी के लक्षण भी हो सकते हैं।? यदि आप जल्दी थक जाते हैं, दिनभर आलस आता रहता है, तो इसे अनदेखा न करें। जल्दी थक जाना किसी बीमारी के लक्षण भी होते हैं। बेवजह की थकान को अनदेखा करना, शरीर के लिए नुकसानदेह हो सकता है।?

घर या ऑफिस में काम करते-करते आप जल्दी थक जाते हैं, तो हो सकता है कि आप डिप्रेशन का शिकार हों। डिप्रेशन किसी गंभीर बीमारी से कम नहीं है। इसकी वजह से सोने, खाने, सोचने-समझने की क्षमता कम होने लगती है। समय पर इलाज न लेने पर लंबे समय तक हताशा, आलस, थकान जल्दी हावी होने की समस्या हो सकती है। डिप्रेशन शरीर की एनर्जी को कम करता है।

संतुलित खानपान न लेना, शरीर को पर्याप्त पोषक तत्व न मिलना आदि कारणों से शरीर में आयरन की कमी हो जाती है। आयरन की कमी के कारण एनीमिया हो सकता है। एनीमिया होने से शरीर में मौजूद रेड ब्लड सेल्स कम हो जाते हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन टिसूज और सेल्स सही मात्रा में नहीं मिल पाते।

यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में होती है। एनीमिया होने से भी शरीर अधिकतर थका हुआ महसूस करता है। थोड़ा बहुत चलने-फिरने, सीढ़ी चढ़ने-उतरने से भी थकान एकदम से हावी हो जाती है।

एनीमिया से कमजोरी महसूस होना, सोने मे कठिनाई, एकाग्रता में कमी, धड़कन का बढ़ना जैसी समस्या होती हैं। इसका पता लगाने कि लिए सीबीसी टेस्ट करवा सकते हैं। हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता जब कमजोर होती है, तो रुमटॉइड आर्थराइटिस नाम की बीमारी होती है। इसके होने पर ज्वाइंट के टिसूज प्रभावित होते हैं और हड्डियों को खराब करने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भूख कम लगती है, थकावट महसूस होती है।

हर समय थकान महसूस होने की एक बड़ी वजह डायबिटीज भी हो सकती है। हर साल लाखों लोग टाइप-2 डायबिटीज का शिकार होते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि उन्हें पता ही नहीं चलता कि वह इस बीमारी से ग्रस्त हैं। ज्यादा प्यास लगना, बार-बार पेशाब लगना, भूख ज्यादा लगना, चिड़चिड़ापन, धुंधला दिखना डायबिटीज के लक्षण हैं। अगर आप में ये सब लक्षण हैं, तो तुरंत इसकी जांच कराएं।

कई बिमारियों होने का खतरा

पूरा दिन थकान हावी रहना, नींद पूरी न होना, नींद न आना ऐसे लक्षण हैं, जिनपर हम ध्यान नहीं देते। यह स्लीप एप्नीया बीमारी के लक्षण हैं। इसके होने पर सोते समय सांस लेने में दिक्कत होती है। अक्सर यह समस्या रात को सोते समय होती है और आप जाग जाते हैं, जिससे आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती। स्लीप एप्नीया के लक्षणों को पहचान कर जल्दी से इसका उपचार कराना आवश्यक है क्योंकि इससे हृदय संबंधी बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक जैसी बीमारी हो सकती हैं। यदि आप दिनचर्या के छोटे-छोटे काम करने में आलस महसूस करते हैं, तो समझ जाइए कि शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिल पा रहा है।

स्ट्रेस मेनेजमेंट

कभी झूमकर, तो कभी थिरक कर, ऐसे करें स्ट्रेस दूर

आपको डांस करना अच्छा लगता है? यदि हां, तो अपनी इस आदत को जारी रखिए। जिस तरह संगीत की धुन सुनकर मन-मस्तिष्क प्रसन्न और तनाव से दूर रहता है, ठीक उसी तरह डांस करने से सेहत पर सकारात्मक असर होता है। कुछ लोग डांस करने में शर्माते हैं। कुछ इसलिए भी डांस करने से बचते हैं, क्योंकि उन्हें डांस की एबीसीडी भी नहीं आती। अपने मन से इस डर को निकालें। कोई डांस क्लास ज्वाइन करके देखें। आपको जो भी डांस आता है, उसे ही करें। हर तरह के डांस से शरीर को लाभ होता है। ऐसा करने से आप खुश तो रहेंगे ही, शारीरिक रूप से फिट भी रहेंगे।

डांस एक थेरेपी

डास करना एक थेरेपी है। इससे दिमाग एक्टिव होता है। दिमाग की नसें खुलती हैं। यदि डांस थेरेपी को रुटीन में शामिल किया जाए, तो मूड में सकारात्मक रूप से परिवर्तन आता है।

तनाव से मिलता है छुटकारा

प्रतिदिन आप दस से पंद्रह मिनट भी डांस करते हैं, तो एंडॉर्फिन लेवल ठीक रहता है। यह तनाव और चिंता को दूर रखता है। डांस करने के बाद हल्का महसूस होता है, क्योंकि इससे कैलोरी घटती है। डांस मन और शरीर के बीच सामंजस्य को बेहतर बनाता है। इसके अलावा डांस करने से शरीर लचीला होता है।

दिल रहे स्वस्थ

इटली में हुए एक शोध के अनुसार, जो लोग दिल से संबंधित बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें भी अपने रोजमर्रा की जिंदगी में डांस शामिल करना चाहिए। दिल को स्वस्थ रखने के लिए इससे बेहतर उपाय कोई और नहीं। डांस करने से हृदय में रक्त का संचार अच्छी तरह से होता है। बॉल डांसिंग से हृदय को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

पान मुद्राः माइग्रेन का दर्द जड़ से गायब कर देगा ये आसन

थकान, अनावश्यक चिंता, अत्यधिक शोर, तनाव, अपर्याप्त नींद, शराब का अधिक सेवन, घबराहट, दर्दनिवारक दवाओं का सेवन और कमजोर पाचन-तंत्र। फोन पर देर तक बात करने से भी माइग्रेन होता है। इसका सिरदर्द बहुत असहनीय होता है, जिसका असर प्रायः जीवन भर रहता है।

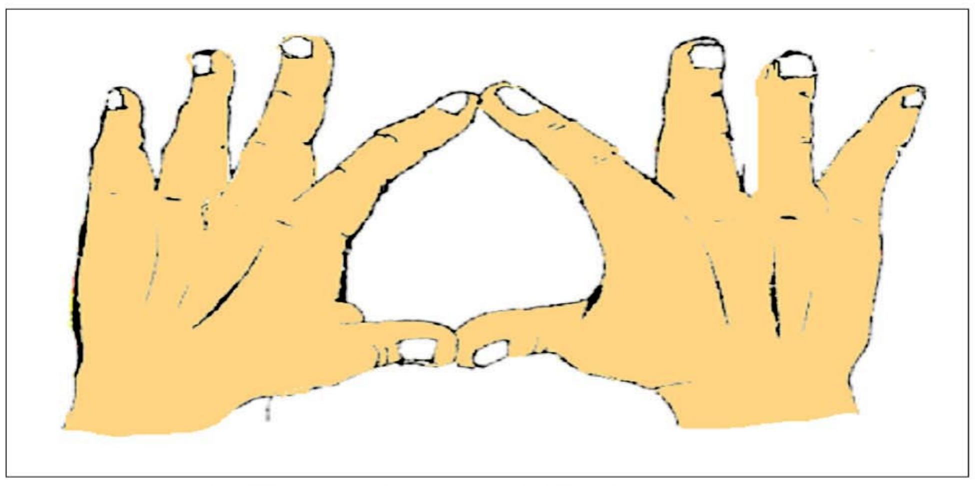

यदि शरीर को पर्याप्त आराम दिया जाए, तो माइग्रेन स्वतः भी ठीक हो जाता है। ध्यान, सम्मोहन और नियमित भोजन से भी माइग्रेन दूर होता है। इसमें पानमुद्रा उपयोगी है। दोनों हाथों के अंगूठों और तर्जनी उंगलियों के ऊपरी हिस्सों को आपस में मिला लें। शेष तीनों उंगलियां सीधी रहें, साथ ही एक-दूसरे से अलग भी रहें। हथेलियों की दिशा नीचे की ओर हो। 15 से 45 मिनट तक इसका अभ्यास करें।

कभी नामीबिया जाएं, तो वहां 'नामीब जनजाति' के लोगों के साथ एक शाम जरूर बिताएं। उनकी तरह जीवन जीने का अलग ही अनुभव होगा। बुशमैन गाइडों का सत्कार मिलेगा। कितना जरूरी होता है अपनी संस्कृति को ही अपनी पहचान बना लेना। कई लोग अपने पूर्वजों को भूल आगे बढ़ जाते हैं। अपनी संस्कृति को छोड़ पाश्चात्य जीवन जीते हैं। लेकिन वे लोग आज भी अपनी संस्कृति को संजोए हुए हैं। देश आगे बढ़ गया, लेकिन उनका अपनी मिट्टी से जुड़ाव अभी भी है।

बात हो रही है दक्षिणी अफ्रीका के एक देश नामीबिया की। यहां की नामीब जनजाति रेगिस्तान में अपना पूरा जीवन बिताती है और इन्हें बुशमेन भी कहा जाता है।

एटोशा नेशनल पार्क से घिरा नामीबिया, प्राकृतिक सौंदर्य से भरा एक क्षेत्र है। इस जाति के लोग बिल्कुल वैसा जीवन नहीं जीते जैसा हम जीते हैं, लेकिन फिर भी खुश रहते हैं। ये लोग पीढ़ियों से प्रकृति के साथ सहज हैं। यहां के लोगों का कला के प्रति भी विशेष रुझान होता है। उनके द्वारा बनाई गई पैंटिंग्स का अच्छा खासा संकलन आपको देखने को मिल सकता है। ये लोग अपने बच्चों को हर शिकार में साथ रखते हैं, ताकि बच्चों में डर खत्म हो सके। यहां के लोग आज भी पत्थरों से उपकरण और हथियार बनाते हैं।

यहां आने वाले आगंतुकों का भी नामीब जनजाति बड़ा सत्कार करती है। रहने और खाने की पूरी व्यवस्था आगंतुकों के लिए की जाती है। आगंतुक कैनवास में रहते हैं और अपने बुशमैन गाइडों के साथ समय बिताते हैं।

साथ ही नामीब लोग उन्हें उनके रहन-सहन के बारे में बताते और सिखाते हैं। उन्हें छोटे-मोटे शिकार करना भी सिखाया जाता है। यहां तक कि अपने पारंपरिक गीतों से कैंप फायर के दौरान लोगों का मनोरंजन करते हैं।

रेसिपी

मसाला डोसा

सामग्री

1 कप चावल, 1 कप उड़द दाल, 2 चम्मच चना दाल, 2 चम्मच तेल, 2 आलू, उबले हुए, 2 प्याज, 2 हरी मिर्च, 3-4 लहसुन, 1 चम्मच हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार, लाल चटनी की सामग्री, 4-5 लाल मिर्च, 1/2 कप भूनी चना दाल, 1/2 कप नारियल, 2 कली लहसुन, 2 चम्मच इमली का गूदा/अमचूर, नमक स्वादानुसार।

विधि

दाल और चावल को धोकर 5-6 घंटे के लिए भिगो दें और फिर इसे मिक्सी में पीस कर पेस्ट तैयार कर लें। तैयार पेस्ट को कम से कम 7 से 8 घंटे के लिए फिर से खमीर उठने के लिए रख दें। चटनी बनाने के लिये सारी सामग्रियों को एक साथ पीस कर पेस्ट तैयार कर लें। अब एक पैन में हल्का सा तेल गरम करें और उसमें कटा प्याज डाल कर सुनहरा भूरा तल लें। फिर उसमें लहसुन, हरी मिर्च, हल्दी पाउडर और उबले आलू को मैश कर करके डालें और इसे चलाते रहें। अब तैयार आलू के मिक्सचर में नमक डालकर गैस बंद कर दें। डोसा बनाने के लिए डोसा पैन को गैस पर गर्म करें और उसमें हल्का सा पानी और तेल डालकर पैन को चिकना कर लें। गरम पैन में डोसा वाला घोल एक कटोरी से डालकर गोल फैलाएं और इस डोसे में 1 चम्मच लाल चटनी डाल कर फैलाएं। अब डोसे के बीच में 1 चम्मच आलू का मिक्सचर डालकर फैलाएं। डोसे के किनारों पर हल्का सा तेल लगाएं और जब यह कुरकुरा हो जाएं तो इसे दोनों तरफ से फोल्ड कर दें। मैसूर मसाला डोसा तैयार है. इसे आप सांभर, रसम और नारियल चटनी के साथ सर्व करें।

गोभी मंचूरियन

सामग्री

फूल गोभी 1/2 कप कॉर्न फ्लोर 5 टेबलस्पून मैदा 1 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट 1/2 कप पानी स्वादानुसार नमक तेल (तलने के लिए) सॉस के लिए 2 टेबलस्पून हरे प्याज (कटे हुए)1 प्याज 1 शिमला मिर्च 1 1/2 टीस्पून लहसुन पेस्ट 2 टीस्पून अदरक पेस्ट 2 हरी मिर्च, 1/2 टीस्पून सोया सॉस 1/2 टीस्पून चिली सॉस, 2 टेबलस्पून टमाटर केचप 2 टेबलस्पून तेल ,नमक स्वादअनुसार ।

विधि

सबसे पहले पानी में गोभी को डालकर उबाल लें। बाद में ठंडा होने के लिए रख दें। एक बाउल में मैदा, कॉर्न फ्लोर, अदरक-लहसुन पेस्ट और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर पानी डालकर पेस्ट तैयार करें। अब इसमें गोभी डालें और बाद में तेल में फाई कर लें। फाई की गोभी को प्लेट में निकाल कर रख लें। एक पैन में तेल गर्म करके अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च, शिमला मिर्च और प्याज डालकर फाई करें। अब इसमें सोया सॉस, टमाटर केचप, चिली सॉस और नमक मिलाकर पकाएं। फिर इसमें गोभी डालकर 2-3 मिनट पकाएं। गोभी मंचूरियन तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)